हिन्दी दैनिक
जन-जन की वाणी...
सोन वर्षा वाणी
औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 11

खेल
मशहूर क्रिकेटर सिकंदर रजा के भाई की मौत, 13 साल के उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

Page 09

देश
पहले वोट सरकार तय करता था, अब सरकार वोट तय कर रही है : अभीषेक बनर्जी

शुक्ल पक्ष, मृगशिरा, विक्रम संवत् 2082
• औरंगाबाद • शुक्रवार • 02 जनवरी 2026 • वर्ष 27 • अंक 32 • पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 2.00

27 अटूट विश्वास के वर्ष — सच्चाई की अडिग यात्रा

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,23,800	₹ 2,38,000

आज का इतिहास

1975 : भारत के रेल मंत्री ललित नारायण मिश्रा की हत्या बिहार के समस्तीपुर में एक बम विस्फोट में की गई थी

1994 : दक्षिण मैक्सिको में सेना और विद्रोहियों भारतीयों के बीच लड़ाई में 57 लोग मारे गए।

न्यूज बाइट्स

सीजेआई दो दिवसीय दौरे पर आज पहुंचेंगे पटना

पटना (नि.सं.) । देश के प्रधान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत आज दो दिवसीय दौरे पर पटना पहुंचे और 3 जनवरी तक यहां रहेंगे। इस दौरान वे पटना हाईकोर्ट परिसर में एडीआर भवन, सभागार, प्रशासनिक ब्लॉक, बहुस्तरीय पार्किंग, आईटी भवन, आवासीय परिसर सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। वे न्यायिक अधिकारियों के लिए विकसित सुरक्षित और तकनीक-सक्षम ई-एसीआर न्याय प्लेटफॉर्म का उद्घाटन भी करेंगे, जिसका उद्देश्य वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट की प्रक्रिया को डिजिटल और सुव्यवस्थित बनाना है। इसके अलावा सीजेआई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गयाजी स्थित न्यायाधीश अतिथि गृह का उद्घाटन करेंगे और पुनपुन प्रखंड के पोठही में बिहार न्यायिक अकादमी के नए परिसर के भूमि पूजन समारोह में शामिल होंगे। अपने दौरे के दौरान वे चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भी भाग लेंगे।

विकसित बिहार के विजन और आपदा सुरक्षा को मजबूत करने के दिशा में

सीएम ने बिहार डायरी और आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेंडर का किया लोकार्पण

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को एक अणे मार्ग स्थित संकल्प में वर्ष 2026 के लिए प्रकाशित बिहार सरकार की महत्वपूर्ण प्रकाशनों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित बिहार डायरी 2026 और कैलेंडर 2026 के साथ-साथ बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेंडर एवं टेबल कैलेंडर 2026 को भी राज्य की जनता को समर्पित किया गया। बिहार डायरी और कैलेंडर 2026 के माध्यम से राज्य सरकार ने विकसित बिहार के विजन को सामने रखा है। इसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में निवेश, उद्योग, कृषि और सहकारिता को विकास के नए त्रिकोण के रूप में प्रस्तुत किया गया है। कैलेंडर के विभिन्न पृष्ठों पर राज्य में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतिगत प्रयासों और भविष्य के लक्ष्यों को समाहित किया गया है। इसमें 'सात निश्चय-3' को विकसित बिहार की आधारशिला बताते हुए प्रतिव्यक्ति रोजगार और आय में वृद्धि, समृद्ध उद्योग, सशक्त कृषि, उन्नत शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य, आधुनिक आधारभूत संरचना और सबका सम्मान जैसे संकल्पों को आत्मनिर्भर बिहार की दिशा तय करने वाला बताया गया है। अंतिम पृष्ठ पर 'सुपर फूड मखाना' को बिहार की वैश्विक पहचान के रूप में विशेष रूप से रेखांकित किया गया है।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा तैयार आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेंडर और टेबल कैलेंडर 2026 का भी लोकार्पण किया। यह कैलेंडर राज्य में आपदाओं से निपटने की तैयारी, जन-जागरूकता और जोखिम कम करने की रणनीतियों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इसके माध्यम से वर्ष भर विभिन्न आपदाओं से संबंधित सतर्कता, बचाव और प्रबंधन उपायों की जानकारी दी गई है। लोकार्पण समारोह में सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, कुमार रवि, डॉ. चन्द्रशेखर सिंह, विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। वहीं आपदा प्रबंधन कैलेंडर के लोकार्पण के अवसर पर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. उदयकांत, सदस्य पी.एन. राय, कौशल किशोर मिश्रा, नरेन्द्र कुमार सिंह, प्रकाश कुमार तथा अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। इन प्रकाशनों के माध्यम से सरकार ने एक ओर जहां विकास और जनकल्याण की प्राथमिकताओं को रेखांकित किया है, वहीं दूसरी ओर आपदा प्रबंधन को लेकर सजग, सुरक्षित और सक्षम बिहार के निर्माण का संदेश भी दिया है।

जेडीयू नेताओं से भी की मुलाकात

नववर्ष पर आम लोगों का अभिवादन स्वीकार करने के बाद सीएम नीतीश कुमार ने जेडीयू नेताओं के साथ भी मुलाकात की। जेडीयू नेताओं ने भी नये साल के मौके पर अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें शुभकामनाएं दी। इस दौरान सीएम आवास की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई थी। जांच पड़ताल के बाद ही लोगों को सीएम आवास में एंट्री दी जा रही थी। सीएम नीतीश से मुलाकात के दौरान लोगों का मोबाइल बाहर ही रखवा दिया जा रहा था। मुख्यमंत्री से मिलने और उन्हें बधाई देने पहुंच रहे पार्टी के नेताओं का कहना था कि "बिहार में मजबूती से सरकार चल रही है। हम लोग तो जहां मुख्यमंत्री जाएंगे, उन्हीं के साथ रहेंगे।

राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को गति

बियाडा एमनेस्टी पॉलिसी-2025 की अवधि बढ़ाकर 31 मार्च तक किया गया

- एमनेस्टी पॉलिसी का उद्देश्य बंद औद्योगिक इकाइयों को पुनः चालू करना और विवादों का समाधान
- औद्योगिक भूमि के बेहतर उपयोग और निवेश को प्रोत्साहन देना नीति का प्रमुख लक्ष्य

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार ने राज्य में औद्योगिक गतिविधियों को गति देने और उद्यमियों को बड़ी राहत प्रदान करते हुए बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (बियाडा) की एमनेस्टी पॉलिसी-2025 की अवधि का विस्तार कर दिया है। अब इस नीति का लाभ 31 मार्च 2026 तक लिया जा सकेगा। पहले इसकी अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 निर्धारित थी। उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने यह निर्णय उद्योग संगठनों के अनुरोध को स्वीकार करते हुए लिया है।

सरकार का मानना है कि इस नीति के विस्तार से राज्य में औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। एमनेस्टी पॉलिसी-2025 को बियाडा द्वारा बंद पड़ी औद्योगिक इकाइयों को पुनः सक्रिय करने, औद्योगिक भूमि के बेहतर उपयोग को प्रोत्साहित करने, तथा उद्योगों से जुड़े लंबित विवादों और मुकदमों के समाधान के उद्देश्य से लागू किया गया था। इस नीति के तहत उद्योगों को बकाया देनदारियों, दंडात्मक प्रावधानों और विवादों में राहत दी जा रही है, ताकि वे दोबारा सुचारु रूप से संचालन शुरू कर सकें। बताया गया कि वर्ष 2025 के दौरान बिहार विधानसभा चुनाव के कारण उद्यमियों और सरकारी तंत्र की व्यस्तता बनी रही। इसके अलावा अक्टूबर और नवंबर माह में दुर्गापूजा, दीपावली और छठ जैसे प्रमुख त्योहारों के चलते कई औद्योगिक इकाइयां इस नीति का समय रहते लाभ नहीं उठा सकीं। इन्हीं व्यावहारिक कठिनाइयों को देखते हुए बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने उद्योग मंत्री और उद्योग सचिव को पत्र लिखकर एमनेस्टी पॉलिसी की अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया था।

बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष रामलाल खेतान ने बताया कि राज्य सरकार ने उद्योग जगत की इस मांग को सकारात्मक रूप से स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से बड़ी संख्या में औद्योगिक इकाइयों को राहत मिलेगी और राज्य में निवेश का माहौल और मजबूत होगा। एसोसिएशन ने इस महत्वपूर्ण फैसले के लिए उद्योग मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है।

नववर्ष के अवसर पर बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष रामलाल खेतान के नेतृत्व में राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय तथा उद्योग निदेशक मुकुल कुमार गुप्ता से मिला। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के उद्योग जगत की ओर से उन्हें बधाई और नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। प्रतिनिधिमंडल में उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल, महासचिव अमरनाथ जयसवाल, कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार, पूर्व उपाध्यक्ष जी.पी. सिंह सहित कई सदस्य शामिल थे।

सरकार और उद्योग जगत दोनों को उम्मीद है कि एमनेस्टी पॉलिसी-2025 की बढ़ी हुई अवधि के दौरान अधिक से अधिक औद्योगिक इकाइयां इसका लाभ उठाएंगी, जिससे बिहार में औद्योगिक निवेश, रोजगार सृजन और आर्थिक गतिविधियों को मजबूती मिलेगी।

राजस्व प्रशासन की मनमानी पर लगेगा लगाम, जमीन मालिकों को राहत

समान मामलों में एक जैसे फैसले के निर्देश

निज संवाददाता | पटना

नए साल के पहले दिन राज्य के जमीन मालिकों और आम लोगों को बड़ी राहत देते हुए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने राजस्व प्रशासन की मनमानी पर रोक लगाने का सख्त निर्देश जारी किया है। विभाग के अपर मुख्य सचिव सी.के. अनिल ने गुरुवार को सभी राजस्व अधिकारियों को पत्र लिखकर संविधान के अनुच्छेद-14 और समता के सिद्धांत का अनिवार्य रूप से पालन करने को कहा है। जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि समान परिस्थिति वाले मामलों में समान निर्णय लिया जाना आवश्यक है। अलग-अलग मामलों में भिन्न आदेश न केवल संविधान का उल्लंघन हैं, बल्कि इससे आम जनता का भरोसा भी कमजोर होता है। पत्र में कहा गया है कि राज्य सरकार के 'सात निश्चय-3' के तहत निर्धारित लक्ष्य

"सबका सम्मान–जीवन आसान" को साकार करने के लिए राजस्व प्रशासन में पारदर्शिता और निष्पक्षता अनिवार्य है। भूमि सुधार जन कल्याण संवाद के दौरान यह तथ्य सामने आया कि कई मामलों में विधिक ज्ञान और पर्याप्त प्रशिक्षण के अभाव में समान प्रकृति के मामलों में अलग-अलग आदेश पारित किए जा रहे हैं। इसे गंभीर मानते हुए विभाग ने भूमि विवाद, दाखिल-खारिज, जमाबंदी कायम करने, अतिक्रमण हटाने, पट्टा देयता और सार्वजनिक भूमि से जुड़े मामलों में एकरूप, निष्पक्ष और पारदर्शी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। समाहर्ताओं को स्पष्ट रूप से कहा गया है कि वे इन दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन कराएं। पहचान या दबाव देखकर आदेश देना, समान मामलों में अलग-अलग निर्णय लेना, चयनात्मक सख्ती दिखाना या भेदभावपूर्ण व्यवहार करना पूरी तरह निषिद्ध होगा।

विभाग ने साफ कहा है कि इस तरह के कृत्य न केवल विधिक शासन के विरुद्ध हैं, बल्कि राजस्व प्रशासन की साख पर भी सवाल खड़े करते हैं। अपर मुख्य सचिव ने अपने पत्र में यह भी कहा है कि राजस्व प्रशासन में समानता, पारदर्शिता और न्याय सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी राजस्व पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे स्पष्ट, सकारण और विधिसम्मत आदेश पारित करें, ताकि आम नागरिकों को न्याय मिल सके और भूमि से जुड़े मामलों में भरोसा बना रहे।

डॉक्टरों के लिए एनएमसी का निर्देश

अब पर्चे पर कैपिटल अक्षरों में लिखनी होगी दवाओं का नाम

निज संवाददाता | पटना

मरीजों की सुविधा और दवा से जुड़ी गलतियों पर रोक लगाने के उद्देश्य से नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने बिहार के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के डॉक्टरों के लिए सख्त निर्देश जारी किया है। अब डॉक्टरों को मरीजों के पर्चे पर दवाओं के नाम साफ-साफ, पढ़ने योग्य और कैपिटल अक्षरों में लिखने होंगे। साथ ही पर्चे पर केवल जेनरिक दवाओं के नाम ही दर्ज किए जाएंगे। यह निर्देश पटना सहित पूरे बिहार के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में तत्काल प्रभाव से लागू करने को कहा गया है। इसमें पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल, आईजीआईएमएस, एनएमसीएच और एम्स पटना जैसे संस्थान शामिल हैं। एनएमसी ने स्पष्ट किया है कि आड़ी-तिरछी, अस्पष्ट और समझ में न आने वाली लिखावट अब स्वीकार नहीं की जाएगी, ताकि मरीज, फार्मासिस्ट और स्वास्थ्यकर्मी को दवा पढ़ने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

आयोग ने यह भी साफ कर दिया है कि यदि किसी डॉक्टर द्वारा ब्रांडेड दवा लिखी जाती है और इसकी शिकायत मिलती है, तो जांच के बाद संबंधित डॉक्टर पर कार्रवाई की जाएगी। मेडिकल कॉलेजों को निर्देश दिया गया है कि सभी विभागाध्यक्षों और चिकित्सकों को इस आदेश की जानकारी दी जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर निगरानी समिति बनाकर अनुपालन की नियमित समीक्षा की जाए। पीएमसीएच और आईजीआईएमएस प्रशासन ने बताया कि एनएमसी के निर्देशों का सख्ती से पालन कराया जाएगा।

अंतरजिला तबादला वाले शिक्षकों की 10 जनवरी तक स्कूलों में होगी तैनाती

- 27,171 शिक्षकों को जिला आवंटन किया गया
- 22,928 शिक्षकों ने प्रखंड का विकल्प दिया

निज संवाददाता | पटना।

अंतरजिला तबादला पाए शिक्षकों की स्कूलों में तैनाती की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि 10 जनवरी तक सभी संबंधित शिक्षकों को स्कूल आवंटन कर दिया जाएगा। इससे पहले 31 दिसंबर तक नालंदा जिले को छोड़कर राज्य के लगभग सभी जिलों में पात्र शिक्षकों को प्रखंडों का आवंटन किया जा चुका है। शिक्षा विभाग से मिली आधिकारिक जानकारी के अनुसार कैमूर, कटिहार, सुपौल और किशनगंज सहित कई जिलों में प्रखंड आवंटन के बाद अब स्कूल आवंटन की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। यह पूरी प्रक्रिया शिक्षा विभाग, बिहार द्वारा ई-शिक्षा कोष पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन की जा रही है, ताकि तैनाती में पारदर्शिता और तेजी सुनिश्चित की जा सके। बताया गया कि अंतरजिला तबादले के लिए कुल 41,689 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 27,171 शिक्षकों को जिला आवंटित किया गया। इनमें 22,928 शिक्षकों ने प्रखंड का विकल्प दिया था और लगभग सभी को उनके विकल्प के अनुसार प्रखंड आवंटन कर दिया गया है। अब अगला चरण स्कूल आवंटन का है, जिसे तय समय-सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

शिक्षा विभाग का कहना है कि स्कूल आवंटन पूरा होते ही शिक्षकों को शीघ्र योगदान देने का अवसर मिलेगा, जिससे विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था सुचारु होगी और छात्रों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

घने कोहरे और ठंडी पछुआ हवाओं से जनजीवन प्रभावित

पांच जनवरी तक कड़ाके की ठंड का असर, गया में पारा पांच डिग्री तक पहुंचा, 38 जिलों में कोल्ड-डे का अलर्ट

- धूप निकलने के बावजूद रेडिएशनल कूलिंग के कारण ठंड का असर बरकरार
- 6 जनवरी से तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी और ठंड से हल्की राहत की संभावना

निज संवाददाता | पटना

नए साल की शुरुआत बिहार में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के साथ हुई है। ठंडी पछुआ हवा के कारण सुबह और रात के समय हाड़ कंपा देने वाली ठंड महसूस की जा रही है। दक्षिणी बिहार के कई जिलों में तापमान तेजी से गिरा है और गया में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। मौसम विज्ञान केंद्र ने एक जनवरी को बिहार के सभी 38 जिलों के लिए कोल्ड-डे और कोहरे को लेकर अलर्ट जारी किया है। इसमें 28 जिलों में ऑरेंज अलर्ट और 10 जिलों में यलो अलर्ट घोषित किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार घने कोहरे की वजह से कई इलाकों में दृश्यता काफी कम हो गई है, जिससे सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित हो रहा है। भीषण ठंड को देखते हुए कई जिलों में स्कूलों को बंद करने का निर्णय लिया गया है। सारण जिले में कक्षा 10वीं तक के सभी स्कूल 4 जनवरी तक बंद कर दिए गए हैं। वहीं दरभंगा, जहानाबाद और नालंदा में कक्षा 8वीं तक के स्कूल 3 जनवरी तक बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि 10 जिलों में हल्के कोहरे को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है, जहां कोहरे का असर अपेक्षाकृत कम रहेगा, लेकिन ठंडी हवा के कारण ठंड का प्रभाव बना रहेगा। दूसरी ओर 28 जिलों में कोल्ड-डे और घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जहां ठंड और कोहरे का असर अधिक रहेगा। कोहरे के चलते रेल यातायात भी प्रभावित हुआ है। पूर्व मध्य रेल से खुलने और गुजरने वाली 89 ट्रेनों के समय में 1 जनवरी से बदलाव किया गया है। तेजस राजधानी, गरीब रथ और पाटलिपुत्र-मुंबई एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों के आगमन और प्रस्थान समय में संशोधन किया गया है, ताकि कोहरे के कारण होने वाली देरी को कम किया जा सके।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, कई जगहों पर धूप निकलने के बावजूद ठंड का असर ज्यादा महसूस किया जा रहा है। इसका कारण साफ आसमान के चलते धरती की सतह से गर्मी का तेजी से आकाश में निकल जाना है, जिसे रेडिएशनल कूलिंग कहा जाता है। इसी वजह से रात और सुबह के समय तापमान और नीचे चला जा रहा है और ठिठुरन बनी हुई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, राज्य में 5 जनवरी तक ठंड का प्रकोप जारी रहेगा। इस दौरान कई जिलों में कोल्ड-डे की स्थिति बनी रह सकती है और सुबह-शाम घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। हालांकि 6 जनवरी से मौसम में हल्का बदलाव आने की उम्मीद है और तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी के साथ ठंड से कुछ राहत मिल सकती है।

बिहार सरकार
पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग
पशुधन द्वारा जीवन में गुणात्मक सुधार

पशुपालक कैलेंडर

जनवरी

- जानवरों को ठंड, ओस एवं कुहरे से बचावें। पशुओं को बोरी की झूल बनाकर ओढाएं।
- सर्दी से बचाने के लिये रात के समय पशुओं को घर के अंदर बांधकर रखें।
- पशुओं को संकरे/नम स्थान में बंद कर धुँआ आदि से गर्मी पहुँचाने की कोशिश न करें। पशुओं को पीने के लिये ताजा या गुनगुना पानी दें। पशुओं को रात्रि में पुआल पर रखें।
- दुधारू पशुओं को तेल एवं गुड़ देने से भी शरीर का तापमान सामान्य बनाये रखने में सहायता मिलती है।
- खुरहा एवं मुँहपका (एफ.एम.डी.) का टीका चार माह एवं इससे उपर के सभी उम्र के पशुओं को लगवा दें।
- पेट में अंतः परजीवियों की नियमित दवा दें। थनैला रोग से बचाव करें।
- पशुओं को बाह्य परजीवियों से बचाने के लिये पशुशाला के फर्श, दीवार आदि को साफ रखें एवं बाह्य परजीवी नाशक दवाओं का छिड़काव करें।
- इस माह में मुर्गियों को विशेषकर कोराइजा, ब्रौनकाइटिस, रानीखेत बीमारी से बचाने की आवश्कता है। रोग से बचाव करें तथा टीका नियमित रूप से दें।
- अफरा रोग से बचाव करें। ज्यादा बरसीम खाने से इस माह में अक्सर यह बीमारी होती है।

PR No.- 020748 (Animal)D. 2025-26

पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, पशुपालन सूचना एवं प्रसार कार्यालय, बिहार, पटना द्वारा जनहित में प्रचारित

संक्षिप्त समाचार

वयोवृद्ध समाजसेवी के निधन पर शोक

कौआकोल। प्रखण्ड के रानीबाजार गांव निवासी वयोवृद्ध समाजसेवी चन्देश्वर सिंह का बुधवार की देर शाम निधन हो गया। वे लगभग 90 वर्ष के थें एवं पिछले कुछ महीनों से बीमार चल रहे थे। गुरुवार को गांव स्थित श्मशान घाट में दर्जनों गणमान्य लोगों की मौजूदगी में उनका अंतिम संस्कार किया गया। मृतक के ज्येष्ठ पुत्र अशोक सिंह ने मुखाग्नि दी। मृतक के ज्येष्ठ पौत्र व शिक्षक अंकित कुमार सिंह ने बताया कि उनके दादा चन्देश्वर सिंह अपने पीछे तीन पुत्र,तीन पुत्रियां समेत भरा पूरा परिवार छोड़कर चले गए। उनके निधन की खबर के बाद इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। जिला पार्षद अजित यादव,मुखिया नीभा कुमारी,सरपंच प्रतिनिधि शैलेष कुमार आर्य,पैक्स अध्यक्ष सुनील कुमार,उप सरपंच योगेन्द्र प्रसाद, पूर्व सरपंच हरगौरी सिंह,पंचायत समिति सदस्य निकुंज विश्वकर्मा,समाजसेवी योगी त्यागनाथ आदि ने चन्देश्वर सिंह के निधन पर गहरा शोक जताते हुए मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया।

सड़क दुर्घटना में एक वृद्ध की हुई मौत

केसरिया, पू.च। बिजधरी थाना क्षेत्र के डिलिया चट्टी निवासी 63 वर्षीय शंकर राय की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। यह घटना बुधवार देर शाम की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार शंकर राय अपने घर से बाहर पेशाब करने जा रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश व मामले की जांच में जुटी है।

बीजधरी थानाध्यक्ष को एसपी ने किया निलंबित, औचक निरीक्षण में पाए गए अनुपस्थित

केसरिया, पू.च। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने गुरुवार को बीजधरी थाना का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीजधरी थानाध्यक्ष विकास आनंद थाना परिसर में अनुपस्थित पाए गए। ड्यूटी के दौरान बिना सूचना के अनुपस्थित रहने को गंभीर लापरवाही मानते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात ने तत्काल प्रभाव से थानाध्यक्ष विकास आनंद को निलंबित कर दिया। एसपी के इस कड़े कदम से जिले के पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। वहीं पुलिस अधिकारियों व कर्मियों को कर्तव्य के प्रति सजग और जिम्मेदार रहने का सख्त संदेश दिया गया है।

नववर्ष के अवसर पर सैलानी की उमड़ी भीड़

केसरिया, पू.च। नववर्ष के पहले दिन गुरुवार को बौद्ध स्तूप परिसर पर्यटकों से गुलजार रहा। जहां करीब 1 लाख से अधिक सैलानी स्तूप पहुंच नववर्ष का जश्न मनाया। स्तूप परिसर में विकसित किये गए पार्क पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित किया। वहीं इसके आसपास स्थित रनिवास, कैफेटेरिया व कॉलेज परिसर में भी पर्यटकों की भीड़ देखी गई। खासकर युवतियों ने जमकर सेल्फी ली। स्थानीय लोगों के अनुसार नववर्ष के जश्न को लेकर इस बार पहली बार इतनी संख्या में भीड़ उमड़ी थी। सतरघाट पुल पर आवागमन चालू हो जाने के कारण गोपालगंज, सिवान व सारण से आने वाले पर्यटकों की संख्या में इस बार वृद्धि हुई है। स्तूप को किसी तरह की क्षति नहीं हो इसको लेकर सुरक्षा कर्मी व भीम आर्मी से जुड़े लोग मुस्तैद रहे।महात्मा बुद्ध सेवा संस्थान के द्वारा पर्यटकों के लिए चाय व पेयजल की व्यवस्था की गई थी। संस्थान के अध्यक्ष सीताराम यादव ने बताया कि बौद्ध स्तूप के विकास को लेकर गुरुवार से हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की गई। जहां हजारों लोगों ने अभियान में हिस्सा लिया। एसपी स्वर्ण प्रभात ने स्तूप पहुंच विधि व्यवस्था की जानकारी ली। चकिया एसडीओ शिवानी शुभम, डीएसपी संतोष कुमार, बीडीओ कुमुद कुमार, सीओ पूनम मिश्रा सहित अन्य अधिकारियों ने भी विधि-व्यवस्था को लेकर भ्रमणशील रहे।

करीब 4 घंटा जाम में फंसे रहे राहगीरः स्तूप पर नववर्ष का जश्न मनाने आये लोगों की अप्रत्याशित भीड़ के कारण जाम की समस्या रही। करीब 4 घंटा तक सड़क पर वाहनों का आवागमन रुक सा गया। भारी वाहनों व अन्य के लिए पूर्व से कोई रूटचार्ट निर्धारित नहीं किया गया था। जिसके कारण केसरिया पीताम्बर चौक से लाला छपरा चौक तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। पैदल राहगीर बड़ी मुश्किल से स्तूप तक पहुंचे। वहीं लाला छपरा से गोंछी, लचका पुल, सतरघाट व साहेबगंज जाने वाली सड़क भी जाम से जूझता रहा।

शोक सभा का हुआ आयोजन

मोतिहारी । 1 जनवरी को वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता श्री किसान उत्पादक संगठन के अध्यक्ष सत्यम कुमार की दादी की निधन पर शोक सभा का आयोजन पतौरा स्थित अटल श्री किसान उत्पादक संगठन कार्यालय पर किया गया । जिसकी अध्यक्षता रविंद्र तिवारी ने की ।रविंद्र तिवारी ने शोक सभा को संबोधित करते हुए बताया कि ज्योतिष एवं कर्मकांड की जानकार स्वर्गीय पंडित रामचंद्र दुबे की धर्मपत्नी थी। जो 96 वर्ष के उम्र में निधन हुआ। उनके पीछे भरा पूरा परिवार पुत्र, पुत्री, नाती, पोते, सभी है।वही शोक सभा में कृष्णनंद दुबे ,देवेंद्र दुबे ,सत्येंद्र दुबे ,भूपेंद्र दुबे अमरेन्द्र दुबे ,धुरेंद्र दुबे, प्रभाकर कुमार ,संजय दुबे, प्रेम दुबे ,सुरेश कुमार, जय नारायण पासवान , नारायण पांडे ,नवीन तिवारी, प्रिंस कुमार ,गोपाल तिवारी राजन दुबे ,विनय किशोर पांडे ,हरेन्द्र तिवारी, तुलसी साह सहित अन्य लोग सभी श्रद्धांजलि अर्पित किया ।

केवल देश के ही नहीं, बल्कि विदेशों के लोग भी अगर सलाह मांगेंगे तो उनके लिए भी गुरु की दया से सलाह दी जाएगी

मोतिहारी। बिहार नव वर्ष 2026 के अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ को दिए सतसंग में परम् सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने नव वर्ष की शुभकामनाएं दी एवं देश-विदेश के जिम्मेदारों को संदेश देते हुए कहा कि लोग कहते हैं कि शराब का, गौमांस का, जानवरों का मांस जो बाहर सप्लाई होता है, उसका बहुत ज्यादा पैसा आ रहा है, विदेश में मांस महंगा मिलता है तो वे लोग ज्यादा पैसा देते हैं। लेकिन अगर आप जितने भी स्लॉटर हाउस (बूचड़खाने) हैं, उनको बंद करा दोगे, गऊओं का कटना बंद करा दोगे और बाहर मांस सप्लाई बंद करा दो तो जो आमदनी आपकी हो रही है, उससे ज्यादा ना करा दूं तो बाबाजी की एक भी बात मत मानना। आज नव बर्ष के पहले दिन बता कर जा रहा हूं कि केवल देश के ही नहीं, बल्कि विदेशों के लोग भी अगर सलाह मांगेंगे तो उनके लिए भी गुरु की दया से सलाह दी जाएगी। लेकिन कब? जब वे बातों को मानने के लिए तैयार हो जाएंगे।कोई अगर कहेगा कि हम आपकी बातों को समझना चाहते हैं, आपकी बातों को मानना चाहते हैं और शाकाहार अपनाकर, नशामुक्त हो कर हमारे पास आता है तो गुरु की दया से हम उसकी मदद करेंगे। जो हमसे हो सकेगा हम करेंगे, सबके लिए दरवाजा खुला है।

छोटे-छोटे देशों से पूज्य महाराज जी की प्रार्थनाः मार-काट, लूट मचा करके नाम चाहने वाले विश्व के देश, लड़ाई की तैयारियां कर रहे हैं। अब यह लड़ाई कहां तक जाएगी? इसका कोई भरोसा नहीं। इससे यह धार्मिक देश; भारत भी प्रभावित हो सकता है। इन छोटे-छोटे विदेशों के लोगों से हमें यह प्रार्थना करनी है कि आप लोग इस लड़ाई की आग में मत पड़ो, इसमें पड़ोगे तो आपके देश खत्म हो जाएंगे। गृह युद्ध से भी बचना चाहिए। प्रेम से सब काम करो। एक-दूसरे को दुश्मन मत बनाओ। यही हमारा संदेश और उपदेश है। देश वही बचेंगे जो भारत के महात्मा; जो जानकार हैं, उनकी सलाह लेंगे।

डीएम एसपी ने पिकनिक स्पॉट का किया निरीक्षण

निज संवाददाता। नवादा

नव वर्ष के शुभ अवसर पर जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव धीमान ने संयुक्त रूप से विधि-व्यवस्था संधारण के उद्देश्य से जिले के विभिन्न पिकनिक स्पॉटों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में सर्वप्रथम रजौली प्रखंड स्थित हरदिया डैम का निरीक्षण किया गया। इसके पश्चात गोविंदपुर प्रखंड अंतर्गत ककोलत जलप्रपात का भी निरीक्षण कर वहां की सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण एवं मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया गया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी श्री रवि प्रकाश ने नवादा जिले के समस्त नागरिकों को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने जिले में भ्रमण हेतु आए सभी सैलानियों से अपील किया कि वे नव वर्ष को अपने परिवार के साथ शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं। साथ ही हरदिया डैम को और अधिक विकसित एवं पर्यटक अनुकूल बनाने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

पुलिस अधीक्षक श्री अभिनव धीमान ने कहा कि जिले के सभी पिकनिक स्थलों पर असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रखी जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विधि-व्यवस्था भंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने सभी जिलेवासियों से शांतिपूर्ण ढंग से नव वर्ष मनाने की अपील की।

प्रशासन द्वारा सभी प्रमुख पर्यटन एवं पिकनिक स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई है, ताकि आमजन एवं सैलानियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी रजौली श्री स्वतंत्र कुमार सुमन, प्रखंड विकास पदाधिकारी रजौली, अंचलाधिकारी रजौली, प्रखंड विकास पदाधिकारी गोविंदपुर के साथ-साथ अन्य अधिकारी उपस्थित थे ।

कर्बला के मीनार को असामाजिक तत्वों ने किया आंशिक क्षतिग्रस्त

घटनास्थल पर पहुंच प्रशासन ने लिया स्थिति का जायजा

निज संवाददाता। कौआकोल।

कौआकोल थाना अंतर्गत तरौन गांव स्थित कर्बला के मीनार को असमाजिक तत्वों ने आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया। जिससे एक खास समुदाय के लोगों में काफी नाराजगी देखी गई। उनलोगों का कहना है कि बार-बार असामाजिक तत्वों के द्वारा इस तरह के हरकत किये जाते हैं। इधर सूचना के बाद प्रशासन ने गुरुवार को ही घटनास्थल का जायजा लिया। पकरीबरावां एसडीपीओ राकेश कुमार भाष्कर,कौआकोल सीओ मनीष कुमार,थानाध्यक्ष उमाशंकर सिंह दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच घटना से अवगत हुए। इस दरम्यान अधिकारियों ने वहां मौजूद लोगों से आवश्यक पूछताछ किया। प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि एक साजिश के तहत माहौल खराब करने के उद्देश्य से इस तरह के घटना को असामाजिक तत्वों द्वारा अंजाम देने का प्रयास किया गया है। घटना में शामिल असामाजिक तत्वों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उनकी पहचान कर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों में नहीं पड़ने की भी अपील किया। मामले को लेकर नवादा एसपी अभिनव धीमान, सदर एसडीओ अमित अनुराग, सदर एसडीपीओ, मुख्यालय डीएसपी आदि अधिकारी भी घटनास्थल का दौरा किए।

एएलटीएफ टीम ने मोहकामा जंगल से 89 लीटर शराब किया बरामद,जांच में जुटी पुलिस

जब्त शराब के साथ पुलिस बल

निज संवाददाता। रजौली

थाना क्षेत्र के फरका बुजुर्ग पंचायत के मोहकामा जंगल से पुलिस बलों ने एएलटीएफ (एंटी लीकर टास्क फोर्स) की मदद से झाड़ियों में छिपाकर कर रखे 89 लीटर शराब को बरामद किया।थाना क्षेत्र के जंगली क्षेत्रों में शराबबंदी के बाद भी शराब का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है।इसके पीछे का मुख्य कारण जंगली क्षेत्रों के लोगों में तेजी से पैसे कमाने की होड़ है।महुआ देशी चुलाई शराब निर्माण के लिए शराब कारोबार से जुड़े लोग गांवों से दूर स्थित जंगली क्षेत्रों में पानी के स्त्रोत के पास उपक्रम लगाकर शराब निर्माण करते हैं एवं आसपास के क्षेत्र में शराब की सप्लाई की जाती है।इस दौरान उन्हें लागत के अपेक्षाकृत मुनाफा अधिक रूप से मिलता है।मुनाफे के कारण संलिप्त लोग पुलिस की पकड़ में आने के बावजूद जेल से छूटने के बाद पुनः उसी कारोबार से जुड़ जाते हैं।हालांकि पुलिस एवं उत्पाद बलों के अलावे एएलटीएफ बलों के सहयोग से शराब कारोबारियों के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई की जाती रही है।थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रंजीत कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि मोहकामा के जंगल में शराब की खरीद+बिक्री की जाने वाली है।गुप्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई को लेकर थाने में पदस्थापित एएसआई संजय कुमार को एएलटीएफ टीम के साथ भेजा गया।एएलटीएफ टीम के सहयोग से झाड़ियों में छिपाकर रखे बोरे में बंद एक-एक लीटर वाले पाउच में बंद कुल 89 लीटर शराब को जब्त किया गया।थानाध्यक्ष ने बताया कि जब्त शराब को पर प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर अनुसंधान किया जा रहा है।

नववर्ष पर पुलिस की बड़ी पहलः ऑपरेशन मुस्कान के तहत पकरीबरावां थाना में 15 लोगों को मिले खोए व चोरी हुए मोबाइल

निज संवाददाता। नवादा

नवादा जिले के पकरीबरावां थाना परिसर में गुरुवार को एक सराहनीय और सामाजिक सरोकार से जुड़ा दृश्य देखने को मिला, जब नववर्ष के अवसर पर पुलिस ने आम लोगों को राहत और खुशी का उपहार दिया। प्रशिक्षु डीएसपी सह पकरीबरावां थानाध्यक्ष पौरुष अग्रवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर "ऑपरेशन मुस्कान" के तहत कुल 15 लोगों को उनके खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन सौंपे और उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। इस पहल ने न केवल पीड़ितों के चेहरों पर मुस्कान लौटाई, बल्कि पुलिस और आमजन के बीच विश्वास को भी और मजबूत किया। मोबाइल आज केवल संपर्क का साधन नहीं, बल्कि व्यक्ति के निजी, सामाजिक और आर्थिक जीवन का अहम हिस्सा बन चुका है। ऐसे में मोबाइल का खो जाना या चोरी हो जाना आम आदमी के लिए बड़ी परेशानी बन जाता है।

पकरीबरावां पुलिस द्वारा चलाया गया ऑपरेशन मुस्कान यह संदेश देता है कि पुलिस केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं, बल्कि आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए भी पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।,देखें पूरी खबर कृष्णा कुमार चंचल से,खबर देखने से पूर्व हमारा जनमंथन न्यूज चैनल को सबस्क्राईब करना न भूलें और लाइक व शेयर भी करें,ताकि आपको हर हमेशा ताजा खबरों का अपडेट मिलता रहे।

नवादा जिले के पकरीबरावां थाना में गुरुवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पुलिस की मानवीय और जनहितकारी छवि सामने आई। प्रशिक्षु डीएसपी सह पकरीबरावां थानाध्यक्ष पौरुष अग्रवाल ने नववर्ष के अवसर पर ऑपरेशन मुस्कान के तहत कुल 15 लोगों को उनके खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन लौटाए। इस दौरान मोबाइल पाकर लोगों के चेहरे पर खुशी और संतोष साफ झलक रहा था। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष पौरुष अग्रवाल ने कहा कि ऑपरेशन मुस्कान का उद्देश्य केवल चोरी या गुम हुए मोबाइल बरामद करना नहीं है, बल्कि पीड़ितों को मानसिक राहत देना और पुलिस के प्रति आम जनता का भरोसा बढ़ाना भी है। उन्होंने बताया कि तकनीकी जांच, साइबर सेल के सहयोग और पुलिस टीम की लगातार मेहनत से इन मोबाइलों को बरामद किया गया।

पुलिस द्वारा जारी सूची के अनुसार बरामद मोबाइल विभिन्न कंपनियों के हैं, जिनकी कुल अनुमानित कीमत करीब ढाई लाख रुपये से अधिक बताई गई है। ये मोबाइल अलग-अलग मामलों में खोए या चोरी हुए थे, जिनकी शिकायत पीड़ितों द्वारा थाने में दर्ज कराई गई थी। मोबाइल प्राप्त करने आए लोगों ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने उम्मीद छोड़ दी थी कि उनका मोबाइल वापस मिलेगा, लेकिन पकरीबरावां पुलिस ने उनकी परेशानी को गंभीरता से लिया और उन्हें राहत दी। कई लाभार्थियों ने इसे नववर्ष का सबसे बड़ा तोहफा बताया।

चेहरों पर लौटी मुस्कान

इस अवसर पर पकरीबरावां थाना के कई पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे, जिनमें रंजन चौधरी, चंदन सिंह, कन्हैया पासवान, अभिषेक कुमार, अशोक पाल, मनीष कुमार सहित अन्य कर्मी शामिल थे। सभी अधिकारियों और जवानों की टीमवर्क की भूमिका को थानाध्यक्ष ने सराहा। कार्यक्रम के अंत में थानाध्यक्ष पौरुष अग्रवाल ने आम जनता से अपील की कि यदि किसी का मोबाइल खो जाता है या चोरी हो जाता है, तो तुरंत थाना या साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। पुलिस हर संभव प्रयास करेगी कि पीड़ित को उसका सामान वापस मिल सके।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत की गई यह कार्रवाई न केवल पुलिस की कार्यकुशलता को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि संवेदनशील और जवाबदेह पुलिसिंग से समाज में विश्वास और सहयोग की भावना मजबूत होती है। नववर्ष की शुरुआत में पकरीबरावां पुलिस की यह पहल निश्चित रूप से अन्य थानों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

अंग्रेजी नव वर्ष के आगाज पर कौआकोल में लोगों ने की खूब मस्ती

निज संवाददाता। कौआकोल।

- कौआकोल के विभिन्न पिकनिक स्पॉट पर रहा मेला सा नजारा

बुधवार-गुरुवार की रात घड़ी के तीनों कांटे के 12 पर पहुंचते ही नए साल 2026 का आगाज और बीते साल 2025 की विदाई का संगम हुआ। इसके साथ ही बधाई के दौर का सिलसिला भी चलना शुरू हो गया। गुरुवार को प्रखण्ड के विभिन्न प्रसिद्ध पिकनिक स्पॉटों मछन्दरा,जेपी चट्टान,सोखोदेवरा आश्रम,कोलवा,भोरमबाग के महादेव मंठ,बोलता पहाड़,पिछरी,हदहदवा,ताराकोल डैम,सीमावर्ती भगवान महावीर के जन्मस्थान आदि जगहों पर जाकर लोगों ने नए साल का जश्न मनाया। इस दौरान लोगों ने स्वरूचि भोजन बनाकर व पिकनिक का आनंद उठाकर खूब मस्ती की और एक दूसरे को नए साल की बधाई दी। भीषण ठंढ भी नववर्ष का स्वागत करने वालों को डिगा नहीं सकी। हर किसी ने नए साल का स्वागत पूरे जोश के साथ किया। नए साल के स्वागत के लिए युवाओं एवं महिलाओं में सर्वाधिक उत्साह देखा गया। सोशल साइट पर भी नव वर्ष की बधाई देने का सिलसिला बुधवार की देर रात्रि से ही शुरु हो गया। फेसबुक,व्हाट्सएप,इंस्टाग्राम,ईमेल के जरिए एवं मोबाइल से एसएमएस के जरिए भी लोगों ने एक दूसरे को नव वर्ष की बधाई दी।

मोतिहारी की हानिया हुमैरा का बिहार U-15 टीम में चयन

निज संवाददाता। मोतिहारी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड(बीसीसीआई)द्वारा आयोजित महिला क्रिकेट टूर्नामेंट(U-15) के लिए ईस्ट चंपारण डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन(इसीडीसीए) से सम्बद्ध खिलाड़ी हानिया हुमैरा(अरेराज) को बिहार U-15 टीम में चयन हुआ हैं।बिहार की टीम 1 जनवरी को पटना से त्रिवेंद्रम(केरल) के लिए रवाना होगी।बिहार की टीम का पहला मुकाबला 2 जनवरी को बंगाल से होगा।वही 4 जनवरी,6 जनवरी,8 जनवरी व 10 जनवरी को बिहार टीम के सामने क्रमशः हिमाचल प्रदेश,मध्यप्रदेश,तमिलनाडु व महाराष्ट्र की टीम होगी।इसीडीसीए सचिव रवि राज के हवाले मीडिया प्रभारी प्रीतेश रंजन ने बताया कि बिहार क्रिकेट एसोसिएशन(बीसीए) ने हानिया हुमैरा के प्रतिभा पर विश्वास करते हुए टीम का हिस्सा बनाया हैं। दाये हाथ की तेज गेंदबाज व उपयोगी बल्लेबाज हैं। हानिया ने पूर्व में भी लगातार अपने अच्छे प्रदर्शन से चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट किया हैं।अपनी उत्कृष्ट गेंदबाजी व बल्लेबाजी के बदौलत उसने टीम को अनेकों मैच में जीत दिलाई हैं।वही हानिया ने बातचीत के क्रम में बताया कि वह इस सत्र में अपने अच्छे प्रदर्शन से बिहार सीनियर टीम में जगह बनाने का प्रयास करेगी।ज्ञात हो कि हानिया के साथ-साथ पूर्वी चंपारण डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन से सम्बद्ध खिलाड़ी सकीबुल गनी,साबिर खान,बादल कनौजिया को बिहार टीम(मेन्स)का व महिला खिलाड़ी प्रीति कुमारी,अक्षरा गुप्ता को बिहार(वोमेन्स) की जिम्मेदारी बीसीए द्वारा दी गई हैं जो जिले के लिए गौरव की बात हैं।

नए साल में फुलवरिया डैम में पिकनिक मनाने पहुंचे लोग

निज संवाददाता। रजौली

- चहजारों लोगों का उमड़ा भीड़,प्रशासनिक व्यवस्था दुरुस्त
- नौकायन लुफ्त नहीं मिलने से सैलानियों की संख्या में आई कमी, 30 हजार लोग पहुंचे

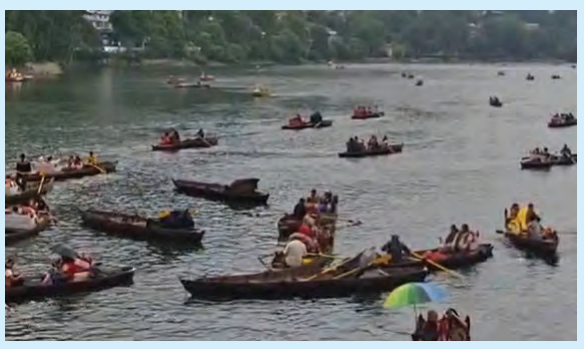

प्रखंड के हरदिया पंचायत स्थित फुलवरिया डैम पर नए वर्ष को लेकर गुरुवार को हजारों की संख्या में लोग अपने परिजनों के साथ पहुंचे एवं पिकनिक का लुफ्त उठाया।सैलानियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस व प्रशासन चौकस दिखाई दिए।वहीं नवादा डीएम रवि प्रकाश और एसपी अभिनव धीमान के साथ रजौली एसडीएम स्वतंत्र कुमार सुमन व एसडीपीओ गुलशन कुमार के साथ गणमान्य पदाधिकारीगण भी खुद को डैम पर पहुंचने से नहीं रोक पाए।हालांकि नौकायन की व्यवस्था नहीं रहने के कारण सैलानियों की संख्या में पिछले वर्षों के अपेक्षाकृत काफी कमी देखी गई।

प्रकृति की गोद में बसा फुलवरिया डैम :- प्रखंड मुख्यालय से 6 किलोमीटर स्थित फुलवरिया डैम प्रकृति की गोद में बैठा है,जिसके तीनों ओर पहाड़ी है।फुलवरिया डैम को प्रकृति ने बड़े ही फुरसत तराशा है,जिसे देख कोई भी मंत्रमुग्ध हो जाए।पहाड़ियों के बीच पानी का जमाव पर जब सूर्य की किरणे पड़ती है,तो सुंदरता में चार चांद लग जाता है।इसी सुंदरता का दीदार करने आसपास के अलावे दूर-दराज से लोग आते हैं।

प्रशासनिक व्यवस्था ने सैलानियों को किया निराश :- नए वर्ष के अवसर पर फुलवरिया डैम नौकायन के लिए प्रसिद्ध था।किंतु इस वर्ष स्थानीय प्रशासन द्वारा नौकायन की सुविधा को बंद कर दिया गया।इस कारण सैलानियों की संख्या अपेक्षाकृत काफी कम फुलवरिया डैम पहुंची।सैलानियों का कहना था कि प्रत्येक वर्ष नौकायन की सुविधा मिलती थी।जबकि प्रशासन द्वारा बताया गया कि बिना लाइसेंसधारी नाविक के नौकायन सैलानियों के लिए खतरा बन सकता है,इसलिए नौकायन को बंद रखा गया।जबकि स्थानीय लोग जिनका घर डैम के उस पार हैं,वे प्रतिदिन नाव के माध्यम से ही आवागमन करते हैं।

पर्यटक स्थल का रस्ता जोह रहा फुलवरिया डैम :- हरदिया डैम पिछले कई दशकों से पर्यटक स्थल बनने का रस्ता जोह रहा है।डैम का निरीक्षण डीएम,आयुक्त,पर्यावरण मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक कर चुके हैं।निरीक्षण के बाद डैम की खूबसूरती को देखकर सभी मंत्रमुग्ध हो जाते हैं और इसे पर्यटक स्थल बनाने की बात भी कहते हैं।किंतु अबतक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।प्रकृति के गोद में बसा फुलवरिया डैम के पर्यटक स्थल बनने से सैकड़ों स्थानीय लोगों को रोजगार मिल सकता था।इस मौके पर सीओ मो. गुफरान मजहरी व थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रंजीत कुमार के अलावे दर्जनों पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

बुद्ध पूर्णिमा एक्सप्रेस और कोडरमा इंटरसिटी के समय में बदलाव, नए साल पर 5-5 मिनट बदली गई टाइमिंग

नालंदा। नए वर्ष की शुरुआत के साथ ही रेलवे प्रशासन ने दो महत्वपूर्ण ट्रेनों के समय में संशोधन की घोषणा की है। राजगीर-वाराणसी बुद्ध पूर्णिमा एक्सप्रेस और राजगीर-कोडरमा इंटरसिटी एक्सप्रेस की प्रस्थान समय सारणी में पांच-पांच मिनट का बदलाव किया गया है, जो आज से प्रभावी होगा। राजगीर रेलवे स्टेशन के स्टेशन प्रबंधक सीबी सिंह ने नए समय परिवर्तन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये बदलाव यात्रियों की सुविधा और बेहतर समन्वय को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं। राजगीर से वाराणसी के लिए रवाना होने वाली बुद्ध पूर्णिमा एक्सप्रेस, जो अब तक 09 बजकर 35 मिनट पर प्रस्थान करती थी, अब पांच मिनट पहले यानी 09 बजकर 30 मिनट पर खुलेगी। यह बदलाव विशेष रूप से उन यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण है जो धार्मिक स्थलों की यात्रा के लिए इस मार्ग का उपयोग करते हैं। इसी प्रकार, राजगीर से कोडरमा जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस का प्रस्थान समय भी पांच मिनट पहले कर दिया गया है। पहले यह ट्रेन सुबह 10 बजकर 40 मिनट पर रवाना होती थी, लेकिन अब यह 10 बजकर 35 मिनट पर खुलेगी। रेलवे अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यह नया समय एक जनवरी 2026 से लागू हो जाएगा। यात्रियों से अपील की गई है कि वे समय परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए अपनी यात्रा की योजना बनाएं और स्टेशन पर समय से पहुंचें। स्टेशन प्रशासन ने यह भी सलाह दी है कि यात्री किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए नए समय सारणी की पुष्टि स्टेशन काउंटर या रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट से अवश्य कर लें। इन बदलावों से रेल सेवाओं में बेहतर समन्वय और यात्रियों को अधिक सुविधा प्रदान करने की उम्मीद है।

18 लाख कैश, विदेशी शराब की खेप जब्त

नालंदा। नालंदा में गुप्त सूचना के बाद पुलिस की ओर से एक घर में छापेमारी के दौरान 18 लाख से ज्यादा कैश, शराब की खेप और हथियार बरामद किया गया है। मामला नूरसराय थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक, मौके से 18 लाख, एक हजार, 50 रुपए कैश के साथ-साथ भारी मात्रा में विदेशी शराब और हथियार का जखीरा मिला है। आशंका है कि घर से बरामद कैश शराब की बिक्री से जमा किया गया था और बरामद शराब की खेप नए साल के मौके पर आयोजित पार्टियों में खपाने की तैयारी थी। सदर डीएसपी-2 संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि 31 दिसंबर की रात करीब 9 बजे मद्य निषेध विभाग से सूचना मिली थी कि दहपर गांव में भारी मात्रा में शराब और हथियार जमा किए गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने गांव में दबिश दी। पुलिस को देखते ही घर में मौजूद दो धंधेबाज अंधेरे और पतली गलियों का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। भागने वालों की पहचान गांव के ही चांदो पासवान के बेटे राकेश पासवान और विकास पासवान के रूप में हुई है। जब पुलिस ने उनके घर की तलाशी ली, तो एक कमरे से शराब की पेटियां और हथियार मिले। वहीं, जब घर की अलमारी खोली गई, तो वहां नोटों की गड्डियां रखी थीं। गिनती करने पर कुल 18,01,050 रुपए बरामद हुए। तलाशी के दौरान पुलिस को कमरे से 153.53 लीटर विदेशी शराब और 4 लीटर देसी शराब मिली। इसके अलावा दो देसी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस और एक खोखा भी बरामद किया गया। पुलिस का मानना है कि धंधेबाजों ने अपने काले कारोबार की सुरक्षा और दहशत फैलाने के लिए ये हथियार रखे थे। इस मामले में फरार आरोपी राकेश और विकास पासवान के खिलाफ नूरसराय थाने में कांड दर्ज किया गया है। उन पर बिहार मद्यनिषेध उत्पाद अधिनियम की धारा 30(a) और आर्म्स एक्ट की धारा के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। कार्रवाई में थानाध्यक्ष अरविंद कुमार के साथ एसआई संजीव कुमार, एसआई धीरज कुमार पुरी, पीटीसी अमित कुमार और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

नालंदा में साल के पहले दिन 2 प्रोजेक्ट का शिलान्यास

नालंदा। साल 2026 के पहले दिन बिहारशरीफ के विधायक और पूर्व मंत्री डॉ. सुनील कुमार ने विधानसभा क्षेत्र के लोगों को विकास योजनाओं की सौगात दी है। गुरुवार को उन्होंने मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना के तहत करीब 1.36 करोड़ रुपए की लागत वाली दो महत्वपूर्ण योजनाओं का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करना ही उनकी पहली प्राथमिकता है। विधायक ने वार्ड-46 के अलीनगर और मीरगंज (झींगनगर) में योजनाओं का शुभारंभ किया। अलीनगर में नवनिर्मित सामुदायिक भवन के सामने सरकारी जमीन की घेराबंदी और पेवर ब्लॉक बिछाने का कार्य शुरू किया गया है, जिस पर 63 लाख 44 हजार 946 रुपए खर्च होंगे। वहीं, इसी वार्ड के मीरगंज में बजरंगबली मंदिर के पास 73 लाख 26 हजार 508 रुपए की लागत से एक भव्य सामुदायिक भवन का निर्माण शुरू किया गया है। इस भवन में बिजली, शौचालय और पेयजल जैसी सभी आधुनिक सुविधाएं होंगी। शिलान्यास के मौके पर डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि मुझे खुशी है कि आज मैं मीरगंज में 73 लाख की लागत वाले भव्य सामुदायिक भवन का शिलान्यास कर रहा हूं। ऐसा ही एक सामुदायिक भवन हमने खैराबाद के लिए अनुशंसित किया था, जिसका शिलान्यास चुनाव से पहले हुआ था। यह शहर का दूसरा बड़ा सामुदायिक भवन होगा। चुनाव पूर्व मैं इसका शिलान्यास नहीं कर पाया था, जिसे आज पूरा कर रहा हूं। विधायक ने कहा कि चुनाव से पहले उन्होंने जनता से जो वादे किए थे, उन्हें पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बिहारशरीफ, नालंदा और पूरे देशवासियों को नववर्ष की बधाई देते हुए कहा कि यह साल सभी के जीवन में खुशियां लेकर आए। इन योजनाओं के पूरा होने से स्थानीय लोगों को शादी-विवाह और अन्य सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए काफी राहत मिलेगी।

इमामगंज में हर्षोल्लास के साथ हुआ नववर्ष 2026 का स्वागत

निज संवाददाता। इमामगंज

पहाड़ी इलाकों और पिकनिक स्थलों पर उमड़ी भीड़

इमामगंज प्रखंड क्षेत्र में लोगों ने नववर्ष 2026 का स्वागत बड़े उत्साह और उल्लास के साथ किया। बुधवार की रात जैसे ही घड़ी ने बारह बजाए और तारीख बदली, पूरे क्षेत्र में जश्न का माहौल बन गया। लोगों ने आतिशबाजी कर नए साल का अभिनंदन किया और एक-दूसरे को बधाइयां दीं। प्रखंड के कई इलाकों में नववर्ष के स्वागत को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को और भी खुशनुमा बना दिया। नववर्ष को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। कई लोग एक-दूसरे के घर जाकर शुभकामनाएं देते नजर आए, जबकि बड़ी संख्या में लोगों ने सोशल मीडिया और मोबाइल फोन के माध्यम से भी अपनों को नववर्ष की बधाई दी। जैसे ही नए साल का आगाज हुआ, लोग खुशी से झूम उठे और पूरे इलाके में उत्सव जैसा माहौल बन गया। गुरुवार को नववर्ष के पहले दिन पिकनिक मनाने वालों की भी भारी भीड़ देखी गई। लोग परिवार और दोस्तों के साथ प्रकृति की गोद में बसे जंगलों की तराई और विभिन्न पिकनिक स्पॉट्स पर पहुंचे। इमामगंज प्रखंड के प्राणचक गांव स्थित बुधनी पहाड़ी, नेहुटा पहाड़ी, लगदा पहाड़ी, लंगूराही पहाड़ सहित कई स्थानों पर लोगों ने पहुंचकर नववर्ष का जश्न मनाया। इन स्थलों पर लोगों ने भोजन का आनंद लिया और पूरे दिन मनोरंजन में व्यस्त रहे। नववर्ष के अवसर पर बुधनी पहाड़ी पर दुगोला कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसने लोगों का खासा ध्यान खींचा। सैलानियों की भारी आमद के कारण पूरा पहाड़ी क्षेत्र मेला जैसा प्रतीत हो रहा था। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों में खासा उत्साह देखने को मिला और हर ओर चहल-पहल बनी रही। वहीं नववर्ष के जश्न के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए स्थानीय प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी रखा। सभी पिकनिक स्थलों और पहाड़ी इलाकों में पुलिस बल की तैनाती की गई थी और लगातार गश्त की जा रही थी। सुरक्षा व्यवस्था की कमान स्वयं इमामगंज डीएसपी कमलेश कुमार संभाले हुए थे। प्रशासन की सतर्कता के कारण नववर्ष का जश्न शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न हुआ।

नववर्ष पर मानवता की मिसालः छकरबंधा में 500 से अधिक जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण

निज संवाददाता। इमामगंज

नववर्ष 2026 के अवसर पर इमामगंज प्रखंड की ग्राम पंचायत छकरबंधा स्थित किशुनीचक हनुमान मंदिर परिसर में सामाजिक सरोकार की एक सराहनीय पहल देखने को मिली। मुखिया श्याम सुंदर प्रसाद के नेतृत्व में आयोजित कंबल वितरण कार्यक्रम के तहत कड़ाके की ठंड से जूझ रहे 500 से अधिक निर्धन और जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया।

यह कार्यक्रम कन्या विवाह विकास सोसाइटी के सचिव हस्बुल्लाह अंसारी के संयोजन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। ठंड के इस मौसम में कंबल पाकर जरूरतमंदों के चेहरों पर राहत और खुशी साफ झलक रही थी। ग्रामीणों ने इस मानवीय पहल की खुलकर सराहना की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुखिया श्याम सुंदर प्रसाद ने कहा कि नववर्ष केवल जश्न और उत्सव का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह सेवा, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी का भी संदेश देता है। उन्होंने कहा कि गरीब और असहाय लोगों की मदद करना समाज का सामूहिक दायित्व है और पंचायत स्तर पर आगे भी इस तरह के जनकल्याणकारी कार्य निरंतर किए जाएंगे।

कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान राजीव पाठक, दिनेश चंद्रवंशी, सुदर्शन प्रसाद गुप्ता, छोटू कुमार, आलोक भारती, दीपक पाठक सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग किया।

शेरघाटी के चट्टी मोहल्ला में जमीन विवाद ने लिया हिंसक रूप, मारपीट मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

निज संवाददाता। शेरघाटी, गयाजी

शेरघाटी थाना क्षेत्र के चट्टी मोहल्ला में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुआ पुराना विवाद गुरुवार को अचानक हिंसक झड़प में तब्दील हो गया। मामूली कहासुनी से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया, जिससे इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में लिया और दोनों पक्षों से कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार चट्टी मोहल्ला में जमीन के स्वामित्व और कब्जे को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा था। गुरुवार को इसी विवाद को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। पहले तीखी बहस हुई, जिसके बाद दोनों ओर से लाठी-डंडों और हाथापाई के साथ मारपीट शुरू हो गई। इस झड़प में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए शेरघाटी थाना की पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और हालात को काबू में लिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दोनों पक्षों से पूछताछ की और साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई शुरू की। जांच के दौरान एक पक्ष से दीपक कुमार, पिता संजय चौधरी, को गिरफ्तार किया गया। वहीं दूसरे पक्ष से डब्लू चौधरी, राहुल कुमार और रवि कुमार को हिरासत में लिया गया। थाना प्रभारी मोहन कुमार ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और सभी आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि जमीन विवाद को लेकर किसी भी तरह की कानून-व्यवस्था की समस्या बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि मामले की आगे की जांच जारी है और जरूरत पड़ने पर अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जाएगी। घटना के बाद इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है।

बेकाबू टेंपो बिजली के खंभे से टकराया, हाईटेंशन तार गिरने से पांच लोग झुलसे

निज संवाददाता। बेलागंज, गयाजी

गया जिले के बेलागंज थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव में गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके में अफरातफरी मचा दी। तेज रफ्तार से जा रहा एक टेंपो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि खंभे से जुड़ा 11 हजार वोल्ट का हाईटेंशन तार टूटकर सीधे टेंपो पर आ गिरा। इस दौरान टेंपो में सवार यात्रियों के साथ-साथ आसपास मौजूद लोग भी बिजली की चपेट में आ गए। हादसे में टेंपो में सवार तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए, जबकि सड़क किनारे गली में बर्तन धो रही एक महिला और एक बच्ची भी टूटे हुए विद्युत तार की चपेट में आकर घायल हो गईं। इस तरह कुल पांच लोग इस हादसे में गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना के बाद गांव में चीख-पुकार मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम और बेलागंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल चाकन्द प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के दौरान डॉक्टरों ने सभी की हालत को गंभीर बताते हुए बेहतर इलाज के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल, गया रेफर कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टेंपो चाकन्द की ओर से पंचानपुर थाना क्षेत्र के बेलमा गांव जा रहा था। गोपालपुर गांव के पास पहुंचते ही चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद टेंपो सीधे बिजली के खंभे से जा टकराया। हादसे के वक्त खंभे से हाईटेंशन लाइन गुजर रही थी, जो टूटकर नीचे गिर गई और पूरे इलाके में करंट फैल गया। इसी दौरान पास में मौजूद महिला और बच्ची भी इसकी चपेट में आ गईं।

थाना प्रभारी मनोज कुमार पांडे ने बताया कि घायलों में संदीप कुमार और धीरज कुमार बेलमा गांव के निवासी हैं, जबकि रोशनी कुमारी और खुशबू कुमारी गोपालपुर गांव की रहने वाली हैं। उन्होंने बताया कि सभी घायलों की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर है, हालांकि उनका इलाज मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जारी है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त टेंपो को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। वहीं, बिजली विभाग को भी घटना की सूचना दे दी गई है ताकि क्षतिग्रस्त लाइन की मरम्मत कर इलाके में बिजली आपूर्ति को सुरक्षित रूप से बहाल किया जा सके। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क सुरक्षा और बिजली विभाग की लापरवाही को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं।

कोंच प्रखंड में पेंशनधारियों के लिए ई-केवाईसी प्रक्रिया शुरू, 31 जनवरी तक अनिवार्य

निज संवाददाता। गयाजी

गया जिले के कोंच प्रखंड में वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांग पेंशन योजना से जुड़े लाभार्थियों के लिए ई-केवाईसी यानी जीवन प्रमाणीकरण की प्रक्रिया गुरुवार से विधिवत शुरू कर दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि सभी पेंशनधारियों के लिए यह प्रक्रिया अनिवार्य है और निर्धारित समय-सीमा तक ई-केवाईसी पूरा नहीं करने पर पेंशन राशि रोकी जा सकती है। प्रखंड विकास पदाधिकारी विपुल भारद्वाज ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार बिहार में सभी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों को 31 जनवरी 2026 तक ई-केवाईसी कराना जरूरी है। इसमें वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन और दिव्यांग पेंशन सहित सभी श्रेणियों के पेंशनधारी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ई-केवाईसी का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पेंशन की राशि सही लाभार्थी तक पारदर्शी तरीके से पहुंचे और फर्जीवाड़े पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके। बीडीओ ने बताया कि पेंशनधारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ई-केवाईसी की व्यवस्था कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) और वसुधा केंद्रों पर की गई है। लाभार्थी अपने नजदीकी केंद्र पर जाकर बायोमेट्रिक प्रक्रिया के तहत अंगूठे के निशान से जीवन प्रमाणीकरण करा सकते हैं। यह प्रक्रिया पूरी तरह सरल और सुगम है, ताकि बुजुर्ग, विधवा और दिव्यांग लाभार्थियों को किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ई-केवाईसी के दौरान यदि किसी लाभार्थी के रिकॉर्ड में जन्मतिथि या अन्य विवरण में कोई त्रुटि सामने आती है, तो उसे लेकर घबराने की आवश्यकता नहीं है।

ऐसे मामलों में पेंशनधारी सीधे प्रखंड कार्यालय के ऑपरेटर से संपर्क कर अपने डेटा में सुधार करवा सकते हैं, जिससे भविष्य में पेंशन भुगतान में कोई बाधा न आए। हाल ही में बीडीओ विपुल भारद्वाज ने पेंशन कार्यों की समीक्षा को लेकर प्रखंड कर्मियों और पंचायत सचिवों के साथ बैठक भी की। इस बैठक में उन्होंने ई-केवाईसी की प्रगति की जानकारी ली और सभी पंचायत सचिवों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने पंचायत क्षेत्रों में पेंशनधारियों को जागरूक करें और इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर समय पर पूरा कराएं। प्रशासन की ओर से अपील की गई है कि सभी पेंशनधारी अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द से जल्द ई-केवाईसी करा लें, ताकि उनकी पेंशन राशि निर्बाध रूप से मिलती रहे और किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

शेरघाटी के नारायण पुस्तकालय में अनियमितताओं पर प्रशासन सख्त

एसडीओ के औचक निरीक्षण में खुली पोल

निज संवाददाता। शेरघाटी, गयाजी

शेरघाटी शहर के डाक बंगला रोड स्थित नारायण पुस्तकालय का गुरुवार को अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुस्तकालय परिसर में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, जिस पर एसडीओ ने कड़ा रुख अपनाते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सार्वजनिक संपत्ति के दुरुपयोग को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि पुस्तकालय परिसर में गायत्री सत्संग से जुड़े पुजारी द्वारा आवासीय उपयोग किया जा रहा है, जो नियमों के विपरीत है। इस पर नाराजगी जताते हुए एसडीओ मनीष कुमार ने संबंधित पुजारी को एक सप्ताह के भीतर परिसर खाली करने का निर्देश दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर परिसर खाली नहीं किया गया तो विधि सम्मत सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसडीओ ने बताया कि नारायण पुस्तकालय एक सार्वजनिक और शैक्षणिक उद्देश्य के लिए निर्मित संपत्ति है, जिसका उपयोग केवल अध्ययन, पठन-पाठन और बौद्धिक गतिविधियों के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार का अवैध आवास, धार्मिक या निजी गतिविधि पुस्तकालय की गरिमा और उसके मूल उद्देश्य के खिलाफ है। निरीक्षण के दौरान एक और गंभीर मामला सामने आया। पुस्तकालय से सटे एक निजी मकान के निर्माण के दौरान अवैध रूप से एक दरवाजा खोल दिया गया है, जो सीधे पुस्तकालय परिसर में खुलता है। इस पर एसडीओ ने कड़ी आपत्ति जताते हुए संबंधित व्यक्ति को नोटिस जारी करने का निर्देश अधिकारियों को दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी या सार्वजनिक भवन की संरचना से छेड़छाड़ कानूनन अपराध है और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। एसडीओ मनीष कुमार ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुस्तकालय परिसर की सुरक्षा, साफ-सफाई और सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जल्द ही दोनों मामलों में विधिवत नोटिस जारी कर कानूनी प्रक्रिया शुरू की जाएगी, ताकि भविष्य में इस तरह की अनियमितताओं की पुनरावृत्ति न हो। एसडीओ की इस सख्त कार्रवाई का स्थानीय लोगों और विद्यार्थियों ने स्वागत किया है। लोगों का कहना है कि लंबे समय से पुस्तकालय परिसर में अव्यवस्थाएं बनी हुई थीं, जिससे पढ़ने आने वाले छात्रों को परेशानी हो रही थी। अब प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद उम्मीद है कि नारायण पुस्तकालय अपने मूल स्वरूप में लौटेगा और विद्यार्थियों व पाठकों को शांत एवं अनुशासित वातावरण मिल सकेगा।

नए साल पर 2 पिंक बसों की सौगात, महिलाओं के लिए सुरक्षित होगी यात्रा

निज संवाददाता। नालंदा

नए साल के पहले दिन नालंदा की महिला यात्रियों के लिए नई सौगात के रूप में दो पिंक सिटी बसों का परिचालन शुरू किया गया। बिहार शरीफ के सरकारी बस स्टैंड से परिवहन सह ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने इन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि यह केवल नालंदा के लिए नहीं, बल्कि पूरे बिहार के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि बिहार राजपथ परिवहन निगम के माध्यम से खासतौर पर महिला यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पिंक बसों का संचालन किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि 2026 में बड़े पैमाने पर पथ परिवहन निगम से बसों की खरीद की गई है। कुछ ही दिनों में इन बसों का परिचालन राज्य के भीतर और राज्य से बाहर अन्य राज्यों में भी शुरू होगा। हम विदेशों में भी इन बसों को भेजने की दिशा में काम कर रहे हैं।

इलेक्ट्रिक बसों का भी होगा संचालनः नालंदा की जनता की सुविधा के लिए दो पिंक बसों के अलावा, दो-तीन इलेक्ट्रिक बसों का संचालन भी शुरू किया जा रहा है। यह पर्यावरण के अनुकूल परिवहन व्यवस्था की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह पहल केवल नालंदा तक सीमित नहीं रहेगी। पूरे बिहार में जो लोग हमारी बसों से यात्रा करना चाहते हैं, उन्हें विशेष अवसर देकर हम उन्हें बेहतर सुविधा प्रदान करने का काम कर रहे हैं।

सीएम नीतीश की मां परमेश्वरी देवी की पुण्यतिथि पर आयोजनः ये कार्यक्रम माता परमेश्वरी देवी की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित किया गया था। इस संदर्भ में मंत्री ने कहा कि पुण्यतिथि के अवसर पर महिलाओं के लिए पिंक बसों की शुरुआत करना एक सार्थक पहल है। श्रवण कुमार ने मुख्यमंत्री के महिला सशक्तिकरण के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि खासकर महिला सशक्तिकरण की दिशा में हमारे लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जो काम किया है, उसकी एक झलक आज देखने को मिल रही है। पूरे देश और दुनिया में बिहार में महिला सशक्तिकरण की दिशा में जो काम किया गया है, उसके परिणाम सबके सामने हैं।

पिंक बस के अंदर पैनिक बटन से लेकर सैनेटरी पैड मशीनः बस के अंदर पैनिक बटन, फास्ट एड किट, सैनिटरी पैड मशीन, सीसीटीवी कैमरा, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट लगाए गए है। खास बात यह है कि बस के अंदर महिला कंडक्टर को टिकट काटने की जिम्मेवारी सौंपी गई है। आने वाले कुछ समय में ड्राइविंग का जिम्मा भी महिला को ही सौंपी जाएगी।

तीन-तीन फेरे, नियमित समय पर सेवाः दोनों पिंक बसें पहले ही बिहारशरीफ पहुंच चुकी हैं और तैयार खड़ी हैं। बरबीघा मार्ग के लिए चलने वाली बस दिनभर में तीन अप और तीन डाउन यात्रा करेगी, जबकि दनियावां के लिए चलने वाली बस दो अप और दो डाउन सेवा प्रदान करेगी। परिवहन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बसें निर्धारित समय पर चलेंगी, जिससे यात्रियों को अधिकतम सुविधा मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

मुख्य आरोपी राम प्रवेश सिंह गिरफ्तार, नासरीगंज रेड लाइट एरिया से 17 नाबालिगों के रेस्क्यू मामले में जेल भेजा

नासरीगंज/ रोहतास। थाना क्षेत्र के बरडीहां गांव के रेड लाइट एरिया से पुलिस ने गत वर्ष दलालों के चंगुल से 17 नाबालिग किशोरियों को रेस्क्यू किया था। उसी मामले का नामजद फरार अभियुक्त काराकाट थाना क्षेत्र के करूप गांव निवासी राम प्रवेश सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने बताया कि एसपी के निर्देश पर उस मामले में डेहरी महिला थानाध्यक्ष अंशु माला के द्वारा 11 नामजद और 15 से 20 आज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। गत रात्रि करूप गांव निवासी उस मामले के फरार नामजद अभियुक्त रामप्रवेश सिंह को घटना की अनुसंधानकर्ता पदाधिकारी एसआई शबनम कुमारी के नेतृत्व में गुप्त सूचना पर छापामारी अभियान चलाकर उसके गांव से ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। बताते चलें कि विगत वर्ष 26 नवंबर को पुलिस ने एसपी के निर्देश पर एएसपी सह एसडीपीओ बिक्रमगंज संकेत कुमार के नेतृत्व में रेड लाइट एरिया में गुप्त सूचना पर छापामारी अभियान चलाकर देश के विभिन्न राज्यों की 17 नाबालिग किशोरियों को दलालों के चंगुल से रेस्क्यू कराया था।

आस्था का केंद्र बना श्री बजरंग बली मंदिर करूप बाजार

काराकाट /रोहतास। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत करूप बाजार पर शाम 7 बजे से हरि कीर्तन का आयोजन किया गया । सामूहिक भक्ति भाव से ग्रामीण जनता के सहयोग से कार्यक्रम किया गया ।ढोल ,झाल हार्मोनियम ,इत्यादि साज बाज के साथ में हरे राम, हरे कृष्ण जैसे मंत्रों का जाप (कीर्तन) किया गया जय बजरंग बली जी के पास हरिकृतन किया गया जिसमे मंदिर के पुजारी - चानदेव जी ,मनोज पाण्डेय, पप्पू पाण्डेय, राजू सिंह मुरारी दुबे अनिल दुबे, सुरेंद्र सिंह, रामजी सिंह, अभिषेक पाण्डेय, भिखारी राम, कृष्णा राम,हरिओम दुबे,सहित पूरे ग्रामीण शामिल होकर कीर्तन को सफल बनाए।

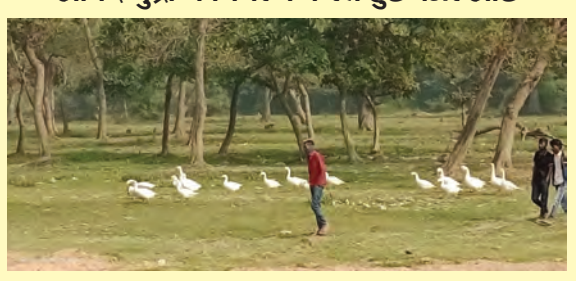

धाम परिसर स्थित फुलवारी में कई हंस एकसाथ आनंद मुद्रा में विचरण करते हुए नजर आए

दिनारा /रोहतास । दिनारा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां यक्षिणी भलुनी भवानी धाम में नववर्ष के पावन अवसर पर एक अद्भुत और मनोहारी दृश्य देखने को मिला । धाम परिसर स्थित फुलवारी में कई हंस एकसाथ आनंद मुद्रा में विचरण करते हुए नजर आए । हंसों की यह स्वाभाविक और शांत उपस्थिति नववर्ष के आगमन को और भी शुभ एवं अलौकिक बना रही थी ।सुबह-सुबह दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालु इस दृश्य को देखकर भावविभोर हो उठे और इसे मां भवानी की कृपा का प्रतीक बताया । हरी-भरी फुलवारी,शांत वातावरण और हंसों की कलरव से पूरा परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा । कई श्रद्धालुओं ने इस दुर्लभ दृश्य को अपने मोबाइल में कैद भी किया । स्थानीय लोगों का कहना है कि नववर्ष पर इस प्रकार का दृश्य शुभ संकेत माना जाता है । मां यक्षिणी भलुनी भवानी धाम में नववर्ष के मौके पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे क्षेत्र में आस्था व उल्लास का माहौल बना रहा ।

देसी चुलाई शराब के साथ एक टेंपो सहित ड्राइवर गिरफ्तार कारोबारी फरार

मोतिहारी। मध्यनिषेध थाना सदर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर टेंपो सहित 200 लीटर जुलाई शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जिसकी जानकारी सहायक आयुक्त मध्यनिषेध नीरज कुमार ने दी है। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर नव वर्ष को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। जहां टेंपो जांच करने के क्रम में 200 लीटर जुलाई शराब और एक टेंपो बरामद किया गया है। टेंपो ड्राइवर राजबंशी पासवान के पुत्र मिठू कुमार कोटवा निवासी को गिरफ्तार किया गया है। वही शराब कारोबारी विनोद पासवान का पुत्र धर्मेंद्र पासवान बड़ा बरियारपुर भागने में सफल रहा। वही शराब कारोबारी को गिरफ्तार करने के लिए लगातार छापामारी की जा रही है। वही छापेमारी टीम मे इंस्पेक्टर मनीष सर्राफ सब इंस्पेक्टर धर्मेंद्र झा और रंजीत कुमार के साथ सशस्त्र बल मौजूद थे।

कोटवा के दिलमन छपरा में किसानों ने पौधा लगा कर किया नव वर्ष की शुरुआत

कोटवा। एक तरफ जहां लोग नव वर्ष की शुरुआत पिकनिक और पर्यटन स्थलों पर घूमकर जश्न मनाकर करते हैं वही कोटवा के दिलमन छपरा गांव के सैकड़ों किसानों ने पर्यावरण संरक्षण का शपथ लेकर वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन मोतिहारी वन प्रमंडल के सौजन्य से नेत्रिका फाउंडेशन और पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के द्वारा किया गया। इस दौरान पर्यावरण की पाठशाला कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए महात्मा गांधी केंद्रीय विश्व विद्यालय के प्राध्यापक डॉ अमित रंजन ने विस्तार से पर्यावरण की नई पीढ़ी के लिए उपयोगिता पर प्रकाश डाला। नेत्रिका फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ कमलेश कुमार ने हवा पानी शुद्धता के लिए पेड़ लगाना बहुत जरूरी है। हम रोज पेड़ काट रहे है जिसके कारण प्रकृति में असंतुलन है। जिस कारण असमय वर्षा से फैसलें बर्बाद हो रही हैं। पर्यावरण प्रेमी विनय कुमार ने जीवन के लिए पेड़ की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों से अपने अगली पीढ़ी के लिए एक पेड़ अपने बच्चों के लिए लगाने का आह्वान किया। नव वर्ष के अवसर पर जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रख कर आम,निम्बू ,बोतल ब्रश,कटहल,आंवला,महोगनी,अमरूद और सागवान आदि का 200 पौधा प्रगतिशील किसानों के बीच वितरण किया गया।इस अवसर पर पर्यावरण प्रेमी विनय कुमार,किसान बबन सिंह,विपिन बिहारी सिंह,सुरेश सिंह,नवल किशोर सिंह,प्रसिद्ध नारायण सिंह, कृष्णा सिंह,चंदन कुमार महतो,संजय सिंह,यदोलाल पासवान,शंभू सिंह,लोकप्रिय राजेश,अशोक सिंह,छबीला सिंह,गुड्डू सिंह,संतोष कुमार और रणजीत सिंह आदि उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन कुमार ओंकार उर्फ शानू ने किया।

यूपी–बिहार हथियार तस्करी गिरोह का बड़ा खुलासा

रोहतास में अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़, शातिर तस्कर गिरफ्तार

देसी कट्टा, मोबाइल बरामद, यूपी के कुख्यात अपराधियों से जुड़े तार

निज संवाददाता। करगहर (रोहतास)

रोहतास जिले के करगहर थाना क्षेत्र में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। यूपी–बिहार के बीच सक्रिय एक अंतरराज्यीय हथियार तस्करी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने तेंदुनी गांव से एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त विपिन कुमार सिंह के पास से एक देसी कट्टा और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय अवैध हथियारों के नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है। यह कार्रवाई अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार वैभव के निर्देश और नेतृत्व में की गई। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि तेंदुनी गांव में एक व्यक्ति अवैध हथियारों के साथ रह रहा है और उत्तर प्रदेश से बिहार के विभिन्न इलाकों में हथियारों की सप्लाई कर रहा है। सूचना की पुष्टि के बाद करगहर थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों एवं जवानों की एक विशेष टीम का गठन किया गया।

घर से हुई छापेमारी, मौके पर मचा हड़कंपः पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से तेंदुनी गांव स्थित अभियुक्त के घर पर छापेमारी की। अचानक हुई पुलिस कार्रवाई से गांव में हड़कंप मच गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने एक देसी कट्टा और हथियारों के लेन-देन में प्रयुक्त एक मोबाइल फोन बरामद किया। इसके बाद अभियुक्त को गिरफ्तार कर करगहर थाना लाया गया।

पूछताछ में कई अहम खुलासेः पुलिस पूछताछ के दौरान विपिन कुमार सिंह ने हथियार तस्करी से जुड़े कई अहम राज उगले हैं। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त लंबे समय से अवैध पिस्टल और देसी हथियारों की तस्करी में संलिप्त रहा है। उसके तार उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के सुंदरम उपाध्याय और देवेश्वर शुक्ला से जुड़े हैं, जो यूपी के कुख्यात अपराधी गिरोह के सक्रिय सदस्य बताए जा रहे हैं। दोनों अपराधी फिलहाल फरार हैं और पुलिस उनकी तलाश में जुटी है।

हत्या के आरोप में जा चुका है जेलः पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त वर्ष 2022 में अपने ससुर मुन्ना सिंह की हत्या के मामले में उत्तर प्रदेश में गिरफ्तार होकर जेल जा चुका है। करीब दो वर्ष तक जेल में रहने के बाद रिहा होने पर उसने दोबारा अपराध की दुनिया में कदम रखा और संगठित गिरोह के साथ मिलकर अवैध हथियारों की तस्करी शुरू कर दी।

यूपी से बिहार तक फैला था सप्लाई नेटवर्कः पुलिस का कहना है कि अभियुक्त उत्तर प्रदेश से अवैध हथियार मंगवाकर रोहतास सहित बिहार के कई जिलों और प्रखंडों में उनकी आपूर्ति करता था। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि ये हथियार आपराधिक घटनाओं में इस्तेमाल किए जाने थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि अब तक कितने हथियारों की सप्लाई की जा चुकी है और किन-किन अपराधियों तक ये हथियार पहुंचे।

आर्म्स एक्ट में प्राथमिकी, आगे भी होगी कार्रवाईः इस मामले में करगहर थाना में आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत प्राथमिकी कांड संख्या 01/26 दर्ज की गई है। पुलिस अन्य संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है और जल्द ही और भी खुलासे होने की संभावना है।

पुलिस का सख्त संदेशः अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार वैभव ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अवैध हथियार तस्करी समाज और कानून व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है। ऐसे अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस का अभियान आगे भी जारी रहेगा और पूरे नेटवर्क को ध्वस्त किया जाएगा।

अनुमंडल में नववर्ष की शुरुआत श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ मनाया गया

निज संवाददाता। बिक्रमगंज /रोहतास

◆ मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गई । भक्तों ने नारियल, फूल, अगरबत्ती और प्रसाद चढ़ाकर सुख-समृद्धि व शांति की कामना की

नववर्ष के पावन अवसर पर बिक्रमगंज अनुमंडल मुख्यालय समेत सभी प्रखंडों के देवालयों में गुरुवार की अहले सुबह से ही पूजन-अर्चन को लेकर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी । नए साल की शुरुआत भक्तों ने भगवान एवं देवी मां के दर्शन और पूजा के साथ की । मंदिरों में घंटा-घड़ियाल,शंखनाद और मंत्रोच्चार से पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा रहा । बिक्रमगंज नगर के सासाराम रोड सब्जी मंडी स्थित देवी मंदिर,डुमरांव रोड तेंदुनी मां काली मंदिर,धनगाई मां काली मंदिर, सासाराम रोड काव नदी पुल स्थित हनुमान मंदिर,कस्तर महादेव मंदिर,मां आस्कामिनी मंदिर,वार्ड संख्या 20 धारूपुर स्थित शिव मंदिर एवं वार्ड संख्या 21 धारूपुर स्थित मां काली मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गई । भक्तों ने नारियल, फूल, अगरबत्ती और प्रसाद चढ़ाकर सुख-समृद्धि व शांति की कामना की । वहीं दिनारा प्रखंड के प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां यक्षिणी भवानी भलुनी धाम मां के दरबार में भी नववर्ष पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन हुआ,जहां दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने दर्शन किए । काराकाट प्रखंड के काराकाट बाजार स्थित मां काली एवं शिव मंदिर, गोड़ारी स्थित बुढ़वा महादेव व बकस बाबा मंदिर तथा देव मार्कण्डेय शिव मंदिर में भी आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा ।

इसके अलावा नासरीगंज, राजपुर, संझौली, सूर्यपुरा और दावथ प्रखंडों के सभी देवालयों में नववर्ष के अवसर पर विशेष पूजा,आरती और प्रसाद वितरण किया गया । कई स्थानों पर भजन-कीर्तन का आयोजन भी हुआ,जिससे माहौल और भी भक्तिमय बन गया । नववर्ष पर देवालयों में बढ़ी भीड़ को देखते हुए स्थानीय स्तर पर व्यवस्था और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे । कुल मिलाकर बिक्रमगंज अनुमंडल में नववर्ष की शुरुआत श्रद्धा,आस्था और उल्लास के साथ हुई ।

बाइक और ट्रैक्टर मे हुई टक्कर मे एक युवक की हुई मौत, एक घायल

निज संवाददाता। कोचस (रोहतास)

थाना क्षेत्र के सासाराम चौसा पाथ पर कांति पथ के निकट बाइक और ट्रैक्टर मे टक्कर हो गई जिसमे बाइक सवार एक 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई जबकि पीछे बैठे एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि घटना के बाद चालक ट्रैक्टर लेकर भागने मे सफल रहा। प्राप्त जानकारी के अनुसार सासाराम चौसा पथ पर कांति पथ के समीप खड़ी ट्रैक्टर में पीछे से बाइक टक्कर मार दी जिसमें एक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई जबकि साथ में बैठे एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हालांकि घटना के बाद चालक ट्रैक्टर लेकर भागने में कामयाब हो गया। मृतक की पहचान नगर पंचायत के वार्ड नंबर चार निवासी राधाकृष्ण सेठ के 22 स्वर्गीय पुत्र शिव शंकर कुमार के रूप में हुई है, जबकि घायल में नगर पंचायत के वार्ड तीन निवासी स्वर्गीय ललन सेठ के पुत्र 21 वर्ष वर्षीय लव कुश कुमार शामिल है। वहीं घटना के स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना थाने को दी जहां सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनो को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया जहां मौके पर मौजूद चिकित्सकों ने जांच उपरांत शंकर कुमार को मृत्य घोषित कर दिया जबकि लव कुश कुमार का स्थिति नाजुक बताते हुए बेहतर इलाज के लिए बाहर रेफर कर दिया है। घटना के संदर्भ मे थाना अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि सासाराम चौसा पथ पर कांति पथ के समीप ट्रैक्टर और बाइक में टक्कर हो गई है जिसमें बाइक सवार एक युवक शिव शंकर कुमार की मौत हो गई है और एक युवक गंभीर रूप से घायल है। मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर परिजनो के सहमति के बाद पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

वहीं घटना के बाद परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है। बताया जाता है कि मृतक के पिता गरीब परिवार से आते हैं और बाजार मे ठेले लगा कर बयापर कर अपने परिवार का भरण पोषण करते है, मृतक युवक भी अपने पिता के कामों में हाथ बटाता था जहां उसके जाने के बाद परिवार वालों पर पहाड़ टूट पड़ा है।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं के लिए फायदेमंद

निज संवाददाता। बिक्रमगंज / रोहतास।

विद्युत विभाग के सभी उपभोक्ता केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से अपना घर-आंगन रौशन कर सकते हैं। विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ई. ब्रवीम ने बताया की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली बहुत ही फायदेमंद है। सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना संयंत्र लगाने पर लोगों को अनुदान मिलेगा। एक, दो और तीन किलोवाट के सोलर पैनल पर 30 से 78 हजार रुपए तक की सब्सिडी मिलेगी साथ ही बैंकों से सात फीसदी ब्याज पर दो लाख रुपए तक ऋण मिलेगा। बैंकों की ओर से ऋण राशि की वसूली शहरी क्षेत्रों में चार से पांच वर्षों में एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सात से आठ वर्षों में की जाएगी। एक किलोवाट पर 30 हजार रुपए, दो किलोवाट पर 60 हजार रुपए और तीन किलोवाट या उससे अधिक पर 78 हजार रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। 150 यूनिट बिजली प्रति माह के लिए 1 किलोवाट का सोलर पैनल, 300 यूनिट बिजली प्रति माह के लिए 2 किलोवाट का सोलर पैनल, 300 यूनिट तथा उससे अधिक बिजली खपत के लिए 3 किलोवाट का सोलर पैनल लगाए जा सकते है। 1 किलोवाट पर अस्सी हजार से एक लाख रूपये, दो किलोवाट पर एक लाख तीस हजार से एक लाख पचास हजार रुपए तथा 3 किलोवाट पर एक लाख नब्बे हजार से दो लाख रुपए तक की लागत आती है। सोलर पैनल से उत्पादित बिजली का उपयोग घर का उपकरण चलाने के लिए किया जा सकता है व बची हुई बिजली को ग्रिड में भेजकर अतिरिक्त बिजली के विरुद्ध विपत्र में समायोजन किया जा सकता है। सूर्य ऊर्जा संयंत्र के लिए प्रति किलोवाट सौ वर्गफुट क्षेत्रफल की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा से वातावरण भी संतुलित रहेगा और बिजली बिल में भी कटौती होगी। सोलर पैनल के अच्छे तरीके से रखरखाव करने पर यह 25 वर्षों तक चलने योग्य हैं, जिससे लंबे समय तक मुफ्त बिजली का लाभ ले सकते हैं। सोलर पैनल लगवाने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। इसके लिए आवेदक के पास स्मार्ट प्रीपेड मीटर का कनेक्शन, आधार कार्ड, बैंक अकाउंट, मोबाइल नंबर, पैन, ईमेल ऐड्रेस की आवश्यकता होगी, यदि बैंक से ऋण लेना है तो पैन कार्ड और ईमेल एड्रेस आवश्यक है।

जनवरी शुरु होते हीं लुढ़क पारा, लेने लगे लोग आग का सहारा

निज संवाददाता। राजपुर

नये साल की सुबह होते हीं क्षेत्र अन्तर्गत तापमान का पारा पूरी तरह से लुढ़क गया है.पूरे दिन शीतलहर का कहर जारी रहा.घर से बाहर निकल लोग सूर्य देव की दर्शन के लिये ताकते रहें,लेकिन सूर्य की किरणें क्षितिज पर नजर नहीं आई.आसमान में घोर कुहासा और बादलों के कारण पुरे दिन अंधेरा छाया रहा.गुरूवार का दिन अब तक का सबसे सर्द और ठंडी वाला दिन साबित हुआ है.पछुआ हवाओं का दौर पूरे दिन चलता रहा.जिस कारण वातावरण में कपकपी तथा ठिठुरन काफी बढ़ गई.यदपी फस्ट जनवरी छुट्टी का दिन नहीं था बावजूद भी अधिकतर लोग अपने परिवार के साथ घरों में दुबके रहे.युवा वर्ग भी नये वर्ष का उत्सव मनाने कम संख्या में हीं घर से बाहर निकले. लोगों ने कई बार सोच विचार करने के बाद हीं आपना प्रोग्राम बनाया. सड़कें भी ठंड के कारण सुनी-सुनी रही.तापमान में आई अचानक गिरावट के कारण लोग अपने घरों में ज्यादातर छुपी रहे. ग्रामीण इलाकों में लोग पुवाल भूसी समेत अन्य कई तरह के अलाव जला कर अपने आप को ठंढ से राहत देते रहे.जबकि बाजारों के किसी नुक्कड अथवा चौपालों पर अलाव की व्यवस्था नहीं होने से राहगीरों तथा बाजारू लोग ठंड से ठिठुरते दिखाई दिये.

हमें वर्ष के 365 दिन हमें भगवान श्रीमन नारायण से मंगल की कामना करना चाहिए : जीयर स्वामी

निज संवाददाता। बिक्रमगंज / रोहतास।

सूर्यपुरा प्रखंड क्षेत्र के अगरेड खुर्द गांव में चल रहे श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ में भारत के महान मनीषी संत श्री लक्ष्मी प्रपन्न श्री जीयर स्वामी जी महाराज ने कहा कि केवल 01 जनवरी को ही मंगल की कामना नहीं होना चाहिए । बल्कि हर दिन प्रत्येक दिन एक नया दिन होता है, हमें वर्ष के 365 दिन हमें भगवान श्रीमन नारायण से मंगल की कामना करना चाहिए । देश में पावन नदियों के साथ ही वेद पुराण और शास्त्रों की बड़ा ही महत्व है,वही स्वामी जी के दर्शन करने के लिए बिहार सहित उत्तर प्रदेश,झारखंड एवं अन्य राज्यों से भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्त दर्शन करने के लिए पहुंचे हुए थे । इस अवसर पर यज्ञ समिति द्वारा भी सभी प्रकार की जरूरी तैयारियां की गई थी । सुबह लगभग 10 बजे से ही लगातार भंडारा का कार्यक्रम चल रहा था । जिसमें कई प्रकार के दिव्य व्यंजन भी बनाए गए थे । यज्ञ समिति द्वारा सभी भक्त श्रद्धालुओं को प्रसाद भोजन भंडारा की समुचित व्यवस्था की गई थी,वहीं पौष मास की कड़कड़ाती ठंड में भी बिहार के अलग-अलग जिलों से भी काफी संख्या में लोग अपने-अपने वाहनों से पहुंचे हुए थे । यज्ञ क्षेत्र के आसपास चारों तरफ वाहनों की लंबा जाम भी देखा गया,क्योंकि रोड संकीर्ण होने के कारण वाहनों का आना-जाना काफी जाम की स्थिति भी दिखाई पड़ी । अयोध्या,हरिद्वार,वाराणसी साहित्य अलग-अलग क्षेत्र से आए जगतगुरु के द्वारा लगातार कथा भी श्रवण कराया जा रहा था । जिसमें हरिद्वार से पधारे श्री बैकुंठ नाथ स्वामी जी के द्वारा भी कथा में मानव जीवन में संत का दर्शन का बहुत बड़ा फल बताया गया,संत दर्शन के लिए अंग्रेजी नव वर्ष के अवसर पर यज्ञ स्थल पर पूरा शाहाबाद क्षेत्र लग रहा था कि एक ही जगह पर पहुंच चुका है । क्योंकि यज्ञ मंडप,प्रवचन पंडाल से लेकर के भोजनालय हर जगह पर केवल भीड़ ही भीड़ दिखाई पड़ रही थी,वहीं पुलिस प्रशासन और यज्ञ समिति एवं आसपास के सभी गांव के लोगों के द्वारा वाहनों की पार्किंग रोड पर जाम की समस्या से निपटने के लिए पूरे दिन लगातार प्रयास किया जाता रहा । जिससे आने-जाने वाले लोगों को थोड़ी बहुत सहूलियत भी मिली ।

ग्रामीणों के एनओसी के बाद हीं मिलेगा सफाई कर्मियों का भुगतान

निज संवाददाता। राजपुर

लोहिया स्वच्छ बिहार मिशन अन्तर्गत गांव के साफ सफाई में लगे कर्मियों का मानदेय भुगतान अब ग्रामीणों द्वारा नो ऑब्जेक्शन प्रमाण पत्र दिये जाने के बाद हीं होगा. प्रखंड विकास पदाधिकारी रविराज ने बताया कि लोहिया स्वच्छ बिहार मिशन के प्रखंड कोऑर्डिनेटर अनिल कुमार के मौजूदगी में स्वच्छता पर्यवेक्षकों के साथ बैठक किया गया.

बैठक के दौरान निर्णय लिया गया कि वार्ड में कार्यरत सफाई कर्मियों का मानदेय भुगतान अब उस वार्ड के ग्रामीणों द्वारा हस्ताक्षर करके उसके गुणवत्ता पूर्ण कार्य किए जाने प्रमाण दिये जाने के बाद हीं होगा.

उन्होंने कहा कि किसी भी वार्ड अन्तर्गत ग्रामींण अगर अपने सफाई कर्मी के साफ सफाई कार्यो से संतुष्ट नहीं है,तो उसकी शिकायत प्रखंड कार्यालय को प्रदान करें. करवाई किया जाएगा.शौचालय जिन लोगों ने बनवा लिया है वे अपना आवेदन कार्यालय को प्रदान करें.अभिलंब भुगतान होगा. उन्होंने बताया कि स्वच्छता पर्यवेक्षकों के मनमानी रवैया पर अंकुश लगाने के लिए कार्यालय ने नियम बना दिया है. पर्यवेक्षक कब किस दिन को किस वार्ड में उपलब्ध रहेंगे ? यह कार्यालय द्वारा तय कर दिया गया है. पर्यवेक्षक उस समय में अपने मौजूदगी का एवं कार्य कराने की तस्वीर कार्यालय को लगातार भेजेंगे.मौके पर सभी स्वच्छता पर्यवेक्षक मौजूद रहे.

संक्षिप्त समाचार

एनसीईआरटी प्रतियोगिता में जिले की दो शिक्षिकाओं का हुआ चयन

भागलपुर। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय समृद्धि प्रतियोगिता 2025 में जिले की दो शिक्षिकाओं का चयन हुआ है। यह प्रतियोगिता 27 से 29 जनवरी तक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भुवनेश्वर में होगी। इसमें देशभर से चयनित शिक्षक भाग लेंगे। वहीं राज्य से कुल छह शिक्षकों का चयन किया गया है। जिनमें भागलपुर, मुंगेर और पटना जिले के शिक्षक शामिल हैं। भागलपुर से इंटर स्कूल खरीक की शिक्षिका डॉ. शैल प्रज्ञा व पवित्रा दास का चयन किया गया है। प्रतियोगिता में बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगी। बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी ने पत्र जारी किया है। चयनित शिक्षकों की भागीदारी सुनिश्चित कराने के लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी को पत्र भेजा है। यह प्रतियोगिता शिक्षण में कला के एकीकरण के माध्यम से बच्चों को प्रभावी ढंग से पढ़ाने की पद्धतियों पर आधारित है। वहीं शिक्षिका डॉ. शैल प्रज्ञा ने कहा कि पारंपरिक पढ़ाई से हटकर रचनात्मक तरीकों को अपनाया है। जिससे बच्चों में सीखने की रुचि बढ़ी है। इस नवाचार को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। देशभर से 90 शिक्षक इस प्रतियोगिता के लिए चयनित किए गए हैं।

पिकनिक स्थलों पर पुलिस बल की तैनाती रहेगी

पीरपैंती। नववर्ष पर इलाके में शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने बुधवार को विशेष अभियान चलाया। पुलिस ने बड़गामा पहाड़ी, मुरली पहाड़ी, सलेमपुर पहाड़ी का निरीक्षण किया। पिकनिक स्थलों पर संभावित भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। शराब की तस्करी रोकने के लिए झारखंड से बिहार आनेवाली गाड़ियों की की तलाशी ली गई। एसडीपीओ टू पंकज कुमार ने बताया कि विभिन्न पिकनिक स्थलों पर पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। सुंदरपुर इस्कॉन मंदिर, मनोकामना मंदिर और योगीवीर पहाड़ी पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि शराबियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सभी थानाध्यक्षों को पुलिस के साथ भ्रमणशील रहने का निर्देश दिया गया है।

सड़क हादसे में मृत युवक की नहीं हुई पहचान

पीरपैंती। सड़क हादसे में मृत युवक की पहचान 36 घंटे बाद भी नहीं हो सकी है। मंगलवार की रात ग्रामीण सड़क पर शामपुर पहाड़ी के पास हादसे में 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई थी। इशीपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि शव की पहचान के लिए फोटो झारखंड के सीमावर्ती थाने में भी भेजा गया है। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसकी पहचान के लिए 72 घंटे तक सुरक्षित रखा जाएगा। उसके बाद भी पहचान नहीं हुई तो अंतिम संस्कार कर दिया जाएगा।

किसान की बाइक की डिक्की से 80 हजार उड़ाए

शाहकुंड। किसान की बाइक की डिक्की से बदमाशों ने 80 हजार रुपए उड़ा लिए। घटना बुधवार दोपहर करीब दो बजे मानिकपुर चौक के पास की है। पीड़ित किसान घोरघटिया गांव निवासी संजीव कुमार चौधरी ने बताया कि वे एसबीआई की शाखा पैसे की निकासी कर घर लौट रहे थे। मानिकपुर चौक पर बाइक खड़ी कर एक दुकान में कुछ समान लेने गए। महज 5 मिनट में ही वापस लौटने पर डिक्की का लॉक खुला था और उसमें रखे पैसे का झोला गायब था। झोले में रुपए के अलावा पासबुक व चेकबुक भी था। उन्होंने एसबीआई के शाखा प्रबंधक को खाता होल्ड करने का आवेदन दिया है। लेकिन पुलिस को इसकी जानकारी नहीं दी है। किसान ने बताया कि पैक्स के माध्यम से धान की बिक्री की थी। शाहकुंड थानाध्यक्ष अनिल कुमार साव ने बताया कि घटना की जानकारी नहीं मिली है। किसान की ओर से आवेदन मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों ने चेक डैम का काम रोका, कहा-पहले पुलिया बने

सन्हौला। लघु सिंचाई विभाग की ओर से पाठकडीह गांव के पास से गुजरी गहिरा नदी पर चेक डैम का निर्माण कराया जा रहा है। बुधवार को ग्रामीणों ने इसका विरोध कर दिया। ग्रामीण निर्माण स्थल के पास पहुंचे और काम बंद करा दिया। लोगों का गुस्सा देख ठेकेदार और मजदूर भाग गए। ग्रामीणों का कहना है कि चेक डैम का निर्माण जरूरी है, लेकिन पहले आवागमन के लिए नदी पर पुलिया का निर्माण कराया जाए। ग्रामीण राजीव कुमार सिंह, अमरेश साह, महेंद्र सिंह, बजरंगी पंडित, श्रीकांत सिंह, सुबोध सिंह, प्रभात चंद्र ने बताया कि इस जगह से दर्जनों गावों के लोग आवागमन करते हैं। ऐसे में यहां चेक डैम के साथ पुलिस भी बननी चाहिए, ताकि ग्रामीणों को आने-जाने में परेशानी नहीं हो। इस संबंध में लघु सिंचाई विभाग के जेई अमृत राज ने बताया कि ग्रामीणों की जो भी समस्या है उसे विभाग के समक्ष रखी जाएगी।

विदेशी शराब के साथ एक युवक किया गया गिरफ्तार

बेगूसराय। रतनपुर पुलिस ने मंगलवार को कर्पूरी चौक के समीप बाइक सवार एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाश के पास से 2.7 लीटर विदेशी शराब मिला है। पकड़ा गया बदमाश रतनपुर थाना क्षेत्र के मियांचक, तरबन्ना निवासी आलोक है। पुलिस ने उसके झोला से 180 एमएल का 5 पीस विदेशी शराब की बोतल मिली है। पुलिस जांच कर रही है।

जेपी सेनानियों ने बैठक कर अपनी मांगों को रखा

बांका। शहर के पुरानी ठाकुरबाड़ी मंदिर परिसर में बुधवार को जेपी सेनानियों ने एक बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष शशि शेखर चौधरी ने किया। बैठक में मीडिया प्रभारी अजयकांत मिश्रा मौजूद रहे। उन्होंने बिहार सरकार व भारत सरकार से आवेदन के माध्यम से जानकारी देते हुए अपनी मांगों को फिर से रखा है।

खाना बनाने के दौरान आग से झुलसी महिला

बांका। थाना क्षेत्र के सिहो गांव में बुधवार की सुबह खाना बनाने के दौरान एक महिला आग से झुलस गई। महिला का प्राथमिक उपचार सदर अस्पताल में किया गया। जानकारी के अनुसार सिहो गांव निवासी शब्बू यादव की पत्नी मानती देवी सुबह के समय अपने घर में चूल्हा पर खाना बना रही थी।

सड़क हादसों में 88 लोगों की मौत

मुंगेर। मुंगेर में सड़क सुरक्षा को लेकर हर साल फरवरी-मार्च में यातायात पुलिस और जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जाता है। सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत नियमों के पालन, हेलमेट पहनने और सुरक्षित ड्राइविंग को लेकर लोगों को जागरूक किया जाता है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। लेकिन मुंगेर जिले में ये अभियान महज औपचारिकता बनकर रह गए हैं। इसका नतीजा यह है कि वाहन चालकों की लापरवाही के कारण जिले की नेशनल हाईवे और प्रमुख सड़कों पर सालभर खून बहता रहा।

तेज रफ्तार और नियमों की अनदेखी बनी जानलेवा: जिले में सड़क हादसों की सबसे बड़ी वजह तेज रफ्तार वाहन, ट्रैफिक नियमों की अनदेखी और ओवरलोडिंग सवारी मानी जा रही है। हेलमेट नहीं पहनना, बिना सीट बेल्ट वाहन चलाना और गलत दिशा में गाड़ी चलाना आम बात हो गई है। खासकर नेशनल हाईवे पर तेज गति से दौड़ते वाहनों की चपेट में आकर लोग अपनी जान गंवा रहे हैं।

एक साल में 88 लोगों की गई जान: यातायात पुलिस द्वारा दर्ज सड़क दुर्घटना के मामलों के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। जनवरी से दिसंबर के बीच जिले में हुई सड़क दुर्घटनाओं में कुल 88 लोगों की मौत हुई है। इनमें 76 पुरुष और 12 महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा लगभग 50 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका इलाज विभिन्न अस्पतालों में कराया गया।

हेलमेट नहीं पहनना बना मौत की वजह: यातायात डीएसपी कार्यालय में दर्ज मामलों के अनुसार, अधिकतर मौतें हेलमेट नहीं पहनने और तेज रफ्तार वाहनों की चपेट में आने से हुई हैं।

नेपाल पुलिस की गोली से कारोबारी की मौत के बाद भड़का हिंसा

निज संवाददाता। अररिया

नया साल के पहले दिन अररिया के बेला गांव की सीमा से लगे नेपाल के सुनसरी जिला के कोसी गांवपालिका में दिनभर पुलिस और ग्रामीणों के बीच हिंसक मुठभेड़ होती रही।जिसके कारण नेपाल का प्रमुख पूर्व पश्चिम राजमार्ग लौकही के पास जाम रहा और लोग सड़क पर प्रदर्शन करते रहे। फलस्वरूप सड़क पर आवागमन बिल्कुल ठप्प हो गया और नेपाल की वादियों में नया साल का पहला दिन सेलिब्रेट करने के लिए सैकड़ों भारतीय गाड़ी फंस गए। आक्रोशित प्रदर्शनकारियों ने नेपाल आर्म्स पुलिस के पुलिस चौकी को आग के हवाले कर दिया। जिला पुलिस कार्यालय सुनसरी के आसपास भारी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती कर दी गई है।नेपाल पुलिस की ओर से जहां प्रदर्शन कर रहे लोगों पर आंसु गैस के गोले दागे गए।वहीं प्रदर्शनकारियों ने नेपाल पुलिस पर बोतल वाले पेट्रोल बम से हमला किया गया।जिसमें दर्जनों नेपाल आर्म्स फोर्स के जवानों के घायल होने की जानकारी मिली है।भारत नेपाल सीमा पर अवस्थित बॉर्डर आउट पोस्ट को भी प्रदर्शनकारियों ने नुकसान पहुंचाया है। दरअसल बीती रात करीबन एक बजे भारत से नेपाल तस्करी कर समानों को एक कारोबारी सिटी सफारी गाड़ी से लेकर जा रहे थे।जिसे नेपाल सशस्त्र पुलिस बलों के जवानों ने रोका तो वे भागने लगे।जिस पर नेपाल सशस्त्र पुलिस बल के जवानों ने फायरिंग कर दी और कारोबारी 45 वर्षीय विजय साह की मौत हो गई। विजय साह भारत से सात बोरा चीनी,खैनी,सर्फ,चॉकलेट लेकर जा रहे थे।सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने उन्हें रोकने की कोशिश की।लेकिन वे गाड़ी लेकर भागने लगे। जानकारी के अनुसार,कारोबारी के आगे चल रहे ई रिक्शा पर सवार अन्य लोगों ने नेपाल सशस्त्र बल के जवानों पर दो राउंड फायरिंग कर दी।जिसके बाद सशस्त्र बल के जवानों ने जवाबी फायरिंग की और कारोबारी विजय साह की गोली लगने से मौत हो गई। कारोबारी विजय साह को चार गोली लगने की बात कही जा रही है।इसी घटना से नेपाल के सुनसरी जिला के लौकही के लोग आक्रोशित हो उठे और सुबह से ही कोसी राजमार्ग को रोक दिया और सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन करने लगे।फलस्वरूप नव वर्ष सेलिब्रेशन को गए दर्जनों गाड़ियों को प्रदर्शनकारियों ने रोक दिया। नेपाल सशस्त्र पुलिस बल कोशी प्रदेश के प्रमुख डीआईजी कुमार न्यौपाने के अनुसार,जवाबी हमले में नेपाल सशस्त्र पुलिस बल के जवानों के द्वारा गोली चलाई गई।लेकिन प्रदर्शनकारी पुलिस के इन दावों को मानने को तैयार नहीं हैं और उनका कहना है कि यह दोहरी भिड़ंत नहीं है,बल्कि सीधा हमला है और गोली मारकर कारोबारी की हत्या की गई है।स्थानीय लोगों का मानना है कि तस्करी के समान को पार करने के एवज में पुलिस को कम पैसा देने के कारण हुए विवाद में गोली मारी गई है।

जयंती पर याद किए गए पूर्व रक्षा राज्य मंत्री डूमर लाल बैठा दी गई श्रद्धांजलि

निज संवाददाता। अररिया

पूर्व केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री स्व. डूमर लाल बैठा को उनके 101वें जयंती के मौके पर गुरुवार को याद किया गया। फारबिसगंज बंगाली टोला स्थित आवास पर उनकी पुत्री पूनम देवी और दामाद उपेंद्र प्रसाद रजक के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उन्हें याद किया और उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मौके पर कांग्रेस के नेताओं ने उनके संसदीय काल और मंत्रित्व काल में किए गए कार्यों को याद करते हुए उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों को याद किया और कांग्रेस का सच्चा सिपाही करार दिया। मौके पर कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष अनिल सिन्हा,यूथ कांग्रेस के सचिव करण कुमार पप्पू,एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष ईरशाद सिद्दीकी,श्री कुमार ठाकुर, शंकर प्रसाद साह,कंचन विश्वास, अम्बरीष राहुल, दिलीप पासवान, कफिल अंसारी, प्रखंड अध्यक्ष गुलाबचंद ऋषिदेव, प्रदीप कुमार कर्ण, टनटन गुप्ता समेत बड़ी संख्या में कांगड़ी के कार्यकर्ता और उनके परिवार के सदस्य मौजूद थे।

7° सेल्सियस न्यूनतम तापमान, धूप ने दी राहत

♦ अगले 3 दिनों तक ठंड से राहत की संभावना नहीं, सताएगी ठंड, सुबह छाया रहेगा कोहरा

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में नए साल के पहले दिन खिली धूप ने ठंड से थोड़ी राहत दी। गुरुवार सुबह कोहरे से दिन की शुरुआत हुई। हालांकि, 8 बजे के बाद से धीरे-धीरे खिली धूप ने मौसम का रुख बदल दिया। लोग नए साल का जश्न मनाने घरों से निकलते दिखे। गुरुवार सुबह शहर का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह कोहरे के बाद निकली धूप के बावजूद मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक ठंड से राहत नहीं मिलने का अनुमान जताया है। जिले में पिछले 10 दिनों से ठंड का असर बना हुआ है। न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे गिरावट दर्ज की गई है, जबकि अधिकतम तापमान लगभग स्थिर बना रहा है।

दिसंबर के आखिरी सप्ताह में रात के तापमान में हुई गिरावट: पिछले 10 दिनों के रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर के आखिरी सप्ताह में रात के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की गई। सुबह-सुबह कोहरे के कारण दृश्यता भी काफी कम रही, जिससे रेल और सड़क यातायात प्रभावित हुआ। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दो-तीन दिनों तक ठंड से राहत मिलने की संभावना नहीं है। वही, दिन में हल्की धूप खिलने से राहत मिल सकती है। न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रह सकता है। जबकि अधिकतम तापमान 20 से 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, सुबह और रात के समय कोहरा छाए रहने की संभावना है। इधर, मायागंज के डॉक्टर अभिषेक ने बताया कि सुबह-शाम सावधानी बरतने, बुजुर्गों और बच्चों को ठंड से बचाने तथा वाहन चालकों को कोहरे में सतर्कता से चलने की सलाह दी है।

चंडिका स्थान में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर में नए साल के पहले दिन गुरुवार को जिले के प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। शक्तिपीठ चंडिका स्थान में बुधवार की अहले सुबह 3 बजे सरकारी पूजा संपन्न होने के बाद से ही भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया था, जो देर शाम तक जारी रहा। दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को घंटों इंतजार करना पड़ा। चंडिका स्थान में वर्ष के पहले दिन 30 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की और अपने परिवार की खुशहाली की कामना की। अत्यधिक भीड़ को देखते हुए जिला पुलिस के जवान तैनात थे, जो श्रद्धालुओं को कतारबद्ध कर पूजा करवा रहे थे ताकि व्यवस्था बनी रहे।

संध्या पूजा, श्रृंगार और आरती भव्य तरीके से की गई: मंदिर में माता की संध्या पूजा, श्रृंगार और आरती भव्य तरीके से की गई। इस दौरान प्रधान पुजारी नंदन बाबा और पवन बाबा ने माता की पूजा विधि-विधान से संपन्न कराई। जिला मुख्यालय के अन्य प्रमुख मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। इनमें बड़ी महावीर स्थान, शादीपुर की बड़ी दुर्गा स्थान, लल्लू पोखर बड़ी काली स्थान, लाल दरवाजा गोयनका शिवालय और पीपल पांती रोड स्थित झारखंडी मंदिर शामिल हैं। **पूजा-अर्चना को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह दिखा:** प्रखंड क्षेत्रों में भी नववर्ष के पहले दिन पूजा-अर्चना को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह दिखा। शिवगुरु धाम, जमालपुर काली पहाड़, हवेली खड़गपुर के पंचवदन मंदिर, टेटिया बंबर प्रखंड के उचेश्वर नाथ महादेव, तारापुर का उल्टानाथ महादेव और रनगांव मंदिर में भी भारी भीड़ उमड़ी। मंदिरों में पूजा करने आए श्रद्धालुओं ने बताया कि वे साल के पहले दिन अपने परिवार की रक्षा और खुशहाली के लिए भगवान से प्रार्थना करने के बाद ही नववर्ष का उत्सव मनाना चाहते हैं।

नए साल के पहले दिन सड़कों पर पुलिस

निज संवाददाता। भागलपुर

नववर्ष के जश्न को सुरक्षित और शांतिपूर्ण बनाने के लिए भागलपुर पुलिस पूरी तरह से एक्टिव है। शहर में बेलगाम रफ्तार और बाइकर्स गैंग की अराजकता पर अंकुश लगाने के लिए गुरुवार को पुलिस सड़कों पर उतरी। विशेष रूप से भागलपुर के ऐतिहासिक सैंडिस कंपाउंड के बाहर दोनों मुख्य गेटों पर ट्रैफिक पुलिस तैनात की गई, जहां तेज रफ्तार, स्टंटबाजी और नियमों की अनदेखी करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। शहर में नववर्ष के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था न फैले, इसके लिए ट्रैफिक डीएसपी संजय कुमार, विधि-व्यवस्था डीएसपी नवनीत कुमार और सिटी डीएसपी टू राकेश कुमार संयुक्त रूप से मोर्चा संभाले हुए हैं। तीनों वरिष्ठ अधिकारी सड़कों पर उतरकर बाइकर्स गैंग के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चला रहे हैं।

पुलिस चालान भी काट रही है: चेकिंग के दौरान मुख्य रूप से तेज रफ्तार, तेज आवाज वाले सायलेंसर, बाइक में अवैध मॉडिफिकेशन, तीन सवारी, हेलमेट न पहनने और स्टंटबाजी करने वालों को निशाना बनाया जा रहा है। नियम तोड़ने वालों की बाइक जब्त की जा रही है और उनके चालान भी काटे जा रहे हैं।

नए साल को लेकर ट्रैफिक पुलिस अलर्ट: मौके पर मौजूद ट्रैफिक डीएसपी संजय कुमार ने स्पष्ट किया कि नए साल को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। बाइक में किसी भी तरह का बदलाव, तेज स्पीड या तेज आवाज में वाहन चलाने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। आम लोगों की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से यह साफ संदेश दिया गया है कि नववर्ष का जश्न कानून के दायरे में रहकर ही मनाएं। नियम तोड़ने वालों पर भागलपुर पुलिस की कड़ी नजर है और उनके खिलाफ निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।

नए साल पर भीड़, मंदार-ओढ़नी डैम पहुंचे टूरिस्ट

निज संवाददाता। बांका

बांका में नए साल के पहले दिन गुरुवार को उत्साह का माहौल रहा।लोगों ने सुबह पूजा-पाठ के बाद परिवार और दोस्तों के साथ पिकनिक स्पॉट पर पहुंचकर नव वर्ष का जश्न मनाया।जिले के प्रमुख पर्यटन स्थल मंदार पर्वत और ओढ़नी डैम में सुबह से ही भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह के बाद धूप निकलते ही सैलानियों की उमड़ गई।जेठौर नाथ और धनकुंड नाथ प्रसिद्ध मंदिर में 2 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पूजार्चना किया। डीजे के साथ पिकनिक स्पॉट पर जमकर थिरके युवा की टोली। दूर-दराज के इलाकों से लोग दोपहिया और चारपहिया वाहनों से यहां पहुंचे। उन्होंने प्राकृतिक सुंदरता के बीच नव वर्ष का आनंद लिया।

बौसी अनुमंडल क्षेत्र में 100 से अधिक पुलिस बल तैनात किए गए: नव वर्ष को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। एसडीपीओ इंद्रजीत बैठी ने बताया कि बौसी अनुमंडल क्षेत्र में 100 से अधिक पुलिस बल तैनात किए गए थे। इसके अतिरिक्त,मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों की भी तैनाती की गई थी। यातायात जाम से बचने के लिए वाहनों को डायवर्ट किया गया। मंदार पर्वत धार्मिक,ऐतिहासिक और पौराणिक दृष्टि से पूरे देश में प्रसिद्ध है। लगभग 750 फीट ऊंचा यह पर्वत तीन धर्मों के संगम स्थल के रूप में जाना जाता है।पुराणों और महाभारत में इसका विशेष उल्लेख मिलता है।

मंदार पर्वत को मथानी बनाकर समुद्र मंथन किया था: मान्यता है कि देवताओं और असुरों ने अमृत प्राप्त करने के लिए मंदार पर्वत को मथानी बनाकर समुद्र मंथन किया था, जिससे कालकूट विष सहित 14 रत्न प्रकट हुए थे।इसी पौराणिक महत्ता के कारण मंदार श्रद्धालुओं और सैलानियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। नव वर्ष के पहले दिन लोगों ने मंदार पर्वत पर चढ़ने के लिए रोपवे का खूब लुत्फ उठाया। पर्वत की तलहटी से लेकर शिखर तक सैलानियों की लंबी कतारें देखी गईं।पूरे क्षेत्र में चहल-पहल और उत्सव का माहौल बना रहा।

पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही: लक्ष्मी नारायण मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। पापहरणी सरोवर में लोगों ने नौका विहार का आनंद लिया।ठंड के बावजूद लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। ओढ़नी डैम भी नए साल के जश्न का एक प्रमुख केंद्र रहा। यहां की हरी-भरी वादियां, विशाल जल क्षेत्र और प्राकृतिक नजारों ने सैलानियों को खूब आकर्षित किया। पिकनिक मनाने आए लोगों ने बोटिंग,स्विमिंग पूल और रिसॉर्ट की सुविधाओं का जमकर आनंद लिया।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. : एसआईजी_डब्ल्यू_5 _पॉलिसी, दिनांक 30.12.2025, वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर, पूर्व रेलवे, मालदा, मालदा टाउन ऑफिस बिल्डिंग, पी.ओ. झलझलिया, जिला-मालदा, पिन-732102 (पश्चिम बंगाल) द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **क्रम सं.1, ई-निविदा सं.: एमएलडीटी _एसएनटी _25-26_43_ओटीआर, दिनांक :30.12.2025, कार्य का नाम:** निम्नलिखित के संबंध में एस एंड टी कार्य: (क) 12 (बारह) कोच एमईएमयू रेक के आवास हेतु जमालपुर डॉक लाइन का विस्तार। (ख) अभयपुर स्टेशन के लाइन नं. 4 का कॉमन लूप में परिवर्तन के लिए प्रस्ताव। (ग) अनिवार्यता के दौरान इस्तेमाल के लिए सुरक्षा उपकरणों को रखने हेतु मालदा मंडल के सभी स्टेशनों के दोनों छोर पर लोकेशन बॉक्स का प्रावधान। (घ) मालदा मंडल के बाराहाट-बांका खंड पर किमी. 43/2-3 में सीमित ऊँचाई के सबवे का प्रावधान। (ङ) मालदा मंडल के बाराहाट-बांका खंड पर किमी. 44/5-6 में सीमित ऊँचाई के सबवे का प्रावधान। । **निविदा मूल्य:** रु. 1,93,45,360.72, **बयाना राशि:** रु. 2,46,700/-, **ई-निविदा जमा देने की तिथि और समय :** दिनांक 07.01.2026 से 21.01.2026 को 11.00 बजे तक। **वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट:** वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** और सूचना पट: वरिष्ठ डीएसटीई का कार्यालय, डीआरएम बिल्डिंग, मालदा। MLD-280/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी.)/पूर्व मध्य रेल/समस्तीपुर कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे लिखे गये कार्यो के लिए अनुभवी एवं वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से भारतीय रेल के आई.आर.ई.पी.एस. वेब पोर्टल पर खुली ई-निविदा के रुप में आमंत्रित करती है :- **(1) निविदा सूचना सं.: टी.सी.-225-2025-एस.पी.जे.; कार्य का नाम:** रक्सौल कोचिंग डिपो के वाशिंग पिट संख्या 01 के सुधार हेतु सिविल इंजीनियरिंग कार्य। **निविदा लागत** (रुपये में): 6,24,48,190.82, **बयाने की राशि** (रुपये मे): 4,62,300.00, **कार्य की समाप्ति अवधि:** 15 माह। **(2) निविदा सूचना सं.: टी.सी.-226-2025-एस.पी.जे.; कार्य का नाम:** खगड़िया-समस्तीपुर (एस.एल.)-टी.आर.आर.(पी)-43.980 किमी.। **निविदा लागत** (रुपये में): 3,90,78,922.31, **बयाने की राशि** (रुपये मे): 3,45,400.00, **कार्य की समाप्ति अवधि:** 12 माह। **(3) निविदा सूचना सं.: टी.सी.-227-2025-एस.पी.जे.; कार्य का नाम:** रामगढ़वा में प्लेटफार्म संख्या 01 को उँचे लेवल तक उठाना। **निविदा लागत (रुपये में):** 2,66,59,592.15 **बयाने की राशि (रुपये मे):** 2,83,300.00. **कार्य की समाप्ति अवधि:** 12 माह। **आई.आर.ई.पी.एस. वेब पोर्टल पर ई-निविदा के रूप में निविदा प्राप्त करने की अन्तिम तिथि एवं समय:** 23/01/2026 को 12:00 बजे तक। **ई-निविदा खुलने की तिथि एवं समय:** 23/01/2026 को 12:00 बजे के बाद। **वेबसाईट का विवरण जहाँ से निविदा एवं निविदा प्रपत्र की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है:** वेबसाईट: **www.ireps.gov.in.** उपरोक्त निविदा से संबंधित यदि कोई भी संशोधन/परिवर्तन किया जाता है तो उसकी सूचना समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जाएगा बल्कि वेबसाईट: पर अपलोड कर दिया जाएगा।

वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय
पूर्व मध्य रेल/समस्तीपुर

पीआर/1549/एसपीजे/टी/25-26/52

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल पिन-713301 द्वारा आसनसोल मंडल के तहत जसीडीह रेलवे स्टेशन में ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीन (एवीएम) और अण्डाल रेलवे स्टेशन में मोबाइल फूड वैन/ट्रक के प्रावधान के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के जरिए आईआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से खुली ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। विवरण इस प्रकार है: ● **ऑक्शन कैटलॉग सं.: एएसएन-एवीएम-25-5, क्रम सं.:** एए/1, **लॉट सं./कैटेगरी: एमएसएस-एएसएन-जेएसएमई-एवीएम-112-25-1, कार्य का विवरण:** पाँच (05) वर्ष की अवधि के लिए जसीडीह स्टेशन में स्टेशन बिल्डिंग के ओल्ड पॉर्टिको में स्थित, कैटरिंग सेवाओं के लिए स्टैंडअलोन आधार पर ऑटोमेटिक वेंडिंग मशीन (एवीएम) (5 फीट X 3 फीट=15 वर्गफीट) की स्थापना एवं परिचालन के लिए आवंटन। **ई-नीलामी की तिथि और समय:** 13.01.2026 को 13.30 बजे। ●**ऑक्शन कैटलॉग सं.: एएसएन-एमएसएस-एसटीजीईएन13, क्रम सं.:** एए/1, **लॉट सं./कैटेगरी: एमएसएस-एएसएन-यूडीएल-एसटीजीईएन-126-25-1, कार्य का विवरण:** अण्डाल (यूडीएल) रेलवे स्टेशन में दक्षिणी भाग के सर्कुलेटिंग एरिया में स्थित 200 वर्गफीट माप में निर्दिष्ट क्षेत्र में एक मोबाइल फूड वैन/ट्रक का परिचालन एवं रखरखाव (संलग्न स्केच प्लान में दर्शित अनुसार)। **ई-नीलामी की तिथि और समय:** दिनांक 19.01.2026 को 13.00 बजे। ASN-291/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व मध्य रेल

(यांत्रिक विभाग)

ई-निविदा सूचना सं. DEMU-SEE-03-2025

निम्नलिखित कार्य के लिए भारत के राष्ट्रपति के तरफ से ई निविदा आमंत्रित किया जाता है: **कार्य का नाम एवं कार्य स्थल:** सप्लाई, इंस्टालेशन एंड कमीशनिंग ऑफ आई पी बेस्ड सर्विलांस सिस्टम इन डेमू डीपीसी एंड टीसी (RDSO Specification No.- RDSO/SPN/TC/106/2025 Version 3.1) विथ कमप्रीहेन्सिव एनुअल मॅटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट फॉर आई पी बेस्ड विडियो सर्विलांस सिस्टम (भी एस एस) इन डेमू डीपीसी एंड टीसी एट डेमू शेड, सोनपुर। **कार्य का अनुमानित व्यय:** रूपये ₹ 7,45,15,230.00 (रुपया सात करोड़ पैतालिस लाख पंद्रह हजार दो सौ तीस मात्र)। **अग्रदाय राशि:** ₹ 5,22,600.00. **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय:** दि० 29.12.2025: 18:25 बजे। **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** दि० 20.01.2026; 13:00 बजे तक। वेबसाईट सूचना पट्ट विवरण तथा स्थल **www.ireps.gov.in. ई-निविदा सूचना सं.: DEMU-SEE-03-2025. निविदा सूचना अवधि:** 21 दिन। **प्री बिड कांफ्रेंस डेट एंड टाइम:** दि० 06.01.2026; 11.00 बजे। **नोट:** 06.01.2026 को प्री-बिड मीटिंग निर्धारित है। निविदा में भाग लेने के इच्छुक निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे 05.01.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक अपने प्रश्न ईमेल आईडी: **seedemu@gmail.com** पर भेजें और 06.01.2026 को वरिष्ठ डीएमई (कॉर्ड)/एसईई, डीआरएम कार्यालय, सोनपुर के कार्यालय में अधिकृत पत्र के साथ व्यक्तिगत रूप से/ऑनलाइन उपस्थित रहें, ताकि प्रस्तुत प्रश्नों पर चर्चा की जा सके। विस्तृत विवरण एवं निर्देश निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।

सयाई/डेमू/सोनपुर

पीआर/1544/एसईई/टी/25-26/48

संक्षिप्त समाचार

वाईएमसीसी ने क्रिकेट अकादमी ऑफ भोजपुर ग्रीन को 96 रन से हराया

आरा| जिला क्रिकेट संघ द्वारा वीर कुंवर सिंह स्टेडियम में चल रहे, भोजपुर जिला जूनियर डिवीजन क्रिकेट लीग के चौथे दिन वाईएमसीसी और क्रिकेट अकादमी ऑफ भोजपुर ग्रीन के बीच मुकाबला खेला गया। एकतरफा रहे इस मैच में वाईएमसीसी ने प्रदर्शन करते हुए क्रिकेट अकादमी ऑफ भोजपुर ग्रीन को 96 रन से पराजित किया। टॉस जीतकर वाईएमसीसी के कप्तान ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। वाईएमसीसी ने निर्धारित 30 ओवर में सभी विकेट खोकर 161 रन बनाए। टीम की ओर से मो. अमीस राज ने 45 रन, आर्यन ने 33 रन तथा आंस्कि ने 17 रनों का योगदान दिया। क्रिकेट अकादमी ऑफ भोजपुर ग्रीन की ओर से गेंदबाजी में निशांत नमन ने सर्वाधिक 4 विकेट चटकाए, जबकि निखिल राज और आर्यन को दो-दो विकेट मिले। अभी सिन्हा ने एक विकेट प्राप्त किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी क्रिकेट अकादमी ऑफ भोजपुर ग्रीन की पूरी टीम मात्र 63 रन पर सिमट गई। टीम की ओर से नमन ने 13 रन और निलेश ने 10 रन बनाए, जबकि अन्य बल्लेबाज दहाई अंक तक नहीं पहुंच सके। वाईएमसीसी की ओर से गेंदबाजी में चंदन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट लिए, जबकि राज कुमार ने 2 विकेट हासिल किए। इस शानदार जीत के साथ वाईएमसीसी ने मुकाबला अपने नाम किया। मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए चंदन को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार कौशिक दुलारपुर की ओर से प्रदान किया गया। मैच का उद्घाटन भोजपुर जिला क्रिकेट संघ के पूर्व क्रिकेटर राकेश कुमार हलचल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। मैच के अंपायर मोहित सिंह और शशांक पाण्डेय एवं स्कोरर अमृतेश राज थें। मौके पर पूर्व क्रिकेटर राकेश सिंह, नीरज कुमार सिंह, भोजपुर जिला क्रिकेट संघ के कोषाध्यक्ष विवेक कुमार, लीग संयोजक रत्नेश नन्दन व अन्य मौजूद रहे।

आर्थिक संकट से जूझ रहे है आवास सहायक

कोईलवर| स्थानीय कोईलवर प्रखंड में कार्यरत आवास सहायकों का मानदेय पिछले पांच महीनों से लंबित रहने के कारण उन्हें गंभीर आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को इस संबंध में आवास सहायक संदीप कुमार वर्मा ने बताया कि अगस्त 2025 माह से अब तक मानदेय का भुगतान नहीं हुआ है, जिससे परिवार का भरण-पोषण करना बेहद मुश्किल हो गया है।उन्होंने बताया कि नियमित भुगतान नहीं होने के कारण कई सहायकों को उधार लेकर घर चलाना पड़ रहा है। इस मौके पर मौजूद आवास सहायक अमितेश उपाध्याय ने कहा कि अगस्त से मानदेय बकाया रहने से कर्मचारियों में गहरी नाराजगी है। वहीं मोहम्मद जमालुद्दीन, जितेंद्र कुमार, राजीव रंजन, मनीष कुमार सिन्हा और बीरेन्द्र यादव (सचिव) ने भी अपनी पीड़ा साझा करते हुए कहा कि महंगाई के इस दौर में बिना मानदेय काम करना बेहद कठिन हो गया है।

कांट पंचायत के वार्ड नंबर 09 के वार्ड सदस्य व आपरेटर के वेतन विवाद में जल नल योजना बंद

ब्रह्मपुर। ब्रह्मपुर प्रखंड मुख्यालय से एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित कांट पंचायत के कांट गांव वार्ड 09 में लगा जल नल योजना शोभा की वस्तु बन गया है। वार्ड सदस्य और आपरेटर की आपसी खींचतान से इस योजना के लाभुको को शुद्ध पानी से वंचित किया जा रहा है ।जब वार्ड के ग्रामीणों ने बंद का कारण जानने का प्रयास किया तो आपरेटर महेश सिंह ने बताया कि उन्हें सरकार द्वारा प्राप्त मानदेय नहीं मिल रहा है। वार्ड सदस्य उसे निकाल खुद हजम कर रहे है, जबकि उन्होंने अपनी जमीन दान किया है। इसकी जानकारी ग्रामसेवक को दी तो वार्ड सदस्य द्वारा पैसे खर्च हो गया है और तरह तरह के बहानेबाजी की जाती है।जबकि इन दोनों की रस्साकसी में ग्रामीण पीस रहे है और लाखों लाखों रुपयों से बना ज़लमीनार शोभा की वस्तु बना हुआ है। कांट गांव वार्ड नंबर 09 की निवासी कुंती देवी का कहना है कि नल जल मनमानी रूप से चलाया जाता है जिससे पानी की बहुत परेशानी हो रही है। मनोरमा देवी का कहना है कि जल नल बंद होने से दूर से पानी लाना पड़ता है। काफी परेशानी हो रही है नगदू कहते है कि 1 सप्ताह से नल पूरी तरह से बंद है मजबूरन चंपाकल का आर्सेनिक युक्त पानी पीना पड़ रहा है।

2:3 के अनुपात में होगा खाद्यान्न का वितरण

बक्सर। नए वर्ष के आरंभ से जिले के गरीब परिवारों के बीच मिलने वाले राशन में गेहूं की मात्रा बढ़ा दी गई है। जिला आपूर्ति पदाधिकारी के अनुसार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत आच्छादित लाभुकों को माह जनवरी 2026 के वितरण चक्र से खाद्यान्न का वितरण 2:3 के अनुपात में किया जाएगा। इसके तहत गेहूँ और चावल का वितरण निर्धारित मात्रा के अनुसार किया जाएगा।जानकारी के अनुसार अंत्योदय अन्न योजना से आच्छादित लाभुकों को कुल 35 किलोग्राम खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाएगा, जिसमें 14 किलोग्राम गेहूँ एवं 21 किलोग्राम चावल शामिल है। वहीं प्राथमिकता प्राप्त गृहस्थी श्रेणी के लाभुकों को प्रति व्यक्ति प्रति माह 5 किलोग्राम खाद्यान्न दिया जाएगा, जिसमें 2 किलोग्राम गेहूँ तथा 3 किलोग्राम चावल दिया जाएगा। जिला आपूर्ति विभाग ने सभी लाभुकों से अपील की है कि वे अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी जन वितरण प्रणाली विक्रेता के यहाँ जाकर सरकार द्वारा निर्धारित मात्रा के अनुसार माह जनवरी 2026 का खाद्यान्न प्राप्त करें। खाद्यान्न प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई होने पर लाभुक अपने संबंधित प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, एसडीओ अथवा जिला आपूर्ति पदाधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

जिले में 3 दिनों तक होगी बिजली कटौती

बक्सर। जिले में के कई इलाकों में 3 दिनों तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने की संभावना है। यह स्थिति बैरी पावर ग्रिड में लगे 33 केवीए ट्रांसफार्मर के मरम्मत कार्य के कारण उत्पन्न हुई है। मरम्मत कार्य के चलते जिले के 3 प्रमुख पावर ग्रिडों से रोटेशन के आधार पर विद्युत आपूर्ति की जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली कंपनी के कनीय विद्युत अभियंता संदीप कुमार शुक्ला के अनुसार पुरुषोत्तमपुर पावर सब स्टेशन, इटाढ़ी पावर सब स्टेशन और जयपुर पावर सब स्टेशन से जुड़े क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति रोस्टर के आधार पर बहाल की जा रही है। ऐसे में संबंधित इलाकों में 1 से 2 घंटे के अंतराल पर बिजली की कटौती की जा सकती है। विद्युत कंपनी ने स्पष्ट किया है कि मरम्मत कार्य पूरा होने तक यह स्थिति बनी रह सकती है। बताया जा रहा है कि 33 केवीए लाइन में आई तकनीकी खराबी के कारण बक्सर, इटाढ़ी, राजपुर, धनसोई समेत कई क्षेत्रों में 18 घंटे से अधिक समय तक बिजली आपूर्ति ठप रही। इससे घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ व्यापारियों और छोटे उद्योगों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। अधिकारियों के अनुसार मरम्मत कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है और जल्द से जल्द स्थिति को सामान्य करने का प्रयास जारी है। विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

गंगा के तटीय क्षेत्रों में ओवरलोड नावों के परिचालन पर लगी रोक

बक्सर। नव वर्ष 2026 के अवसर पर विधि-व्यवस्था संधारण एवं ठंड के मौसम को देखते हुए जिला प्रशासन सख्त हो गया है। गंगा नदी के तटीय क्षेत्रों में गैर निबंधित व ओवरलोडेड नावों के परिचालन पर रोक लगा दी गई है। नशीले पदार्थों के सेवन, आतिशबाजी और हुड़दंग पर नियंत्रण के लिए मद्य निषेध, अग्निशमन एवं पुलिस विभाग को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसको लेकर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सभाकक्ष में डीएम साहिला ने बैठक किया। बैठक में प्रशासनिक, पुलिस एवं नगर निकाय स्तर के अधिकारी उपस्थित रहे। डीएम ने ठंड के मद्देनज़र सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों, नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारियों एवं जिला आपदा प्रभारी को जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण करने तथा प्रमुख स्थलों पर पर्याप्त अलाव की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के समन्वय से यह कार्य करने का निर्देश दिया। रैन बसेरों का करे व्यापक प्रचार-प्रसार डीएम ने निर्देश दिया कि रैन बसेरों की व्यवस्था को लेकर सभी कार्यपालक पदाधिकारियों को निरीक्षण करें। पेयजल, शौचालय एवं अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करने तथा व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया। सभी रैन बसेरों का पता सहित प्रचार इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं समाचार पत्रों के माध्यम से कराने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य सेवाओं की तैयारी को लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में बिजली, पानी, बेडशीट, जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता जांच होगी।

नववर्ष की पहली सुबह उत्साह से भरी रही, गंगा किनारे उमड़ी भीड़

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में नववर्ष की पहली सुबह उत्साह, उमंग और आस्था से भरी रही। गंगा और ठोरा नदी के संगम पर फैला रेतीला इलाका एक बड़े पिकनिक स्पॉट में बदल गया। ठंडी हवाओं और सुनहरी धूप के बीच बड़ी संख्या में लोग अपने परिवार, दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ यहां पहुंचे। संगम स्थल पर लोगों ने चटाई बिछाकर पिकनिक का आनंद लिया। कई जगह चूल्हे पर खाना बनाया जा रहा था, जबकि कुछ लोग पहले से तैयार पकवानों का लुत्फ उठा रहे थे। युवा मोबाइल कैमरों में तस्वीरें ले रहे थे, वहीं बच्चे रेत पर खेलते और पतंग उड़ाते दिखे।

खेल मैदान भी नववर्ष के जश्न का प्रमुख केंद्र रहा: सिपाही घाट स्थित खेल मैदान भी नववर्ष के जश्न का प्रमुख केंद्र रहा। यहां लोगों ने पारंपरिक और आधुनिक पकवान बनाए। ढोल, म्यूजिक सिस्टम और मोबाइल स्पीकर पर बजते गीतों पर युवक-युवतियां नाचते-गाते नजर आए। कुछ स्थानों पर अंताक्षरी और खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

सुबह-सुबह बड़ी संख्या में लोग गंगा घाटों पर पहुंचे: नववर्ष की शुरुआत आध्यात्मिक तरीके से करने वाले श्रद्धालुओं की भी बड़ी संख्या थी। सुबह-सुबह बड़ी संख्या में लोग गंगा घाटों पर पहुंचे और पवित्र स्नान किया। स्नान के बाद, उन्होंने आसपास के मंदिरों में पूजा-अर्चना कर परिवार और समाज के लिए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मंदिरों में घंटियों की आवाज और मंत्रोच्चार से वातावरण भक्तिमय हो गया।

पिकनिक स्थलों और घाटों पर पुलिस बल तैनात: प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता बरती। प्रमुख पिकनिक स्थलों और घाटों पर पुलिस बल तैनात किया गया था, ताकि लोग निश्चिंत होकर जश्न मना सकें। सफाई व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया गया। इस प्रकार, बक्सर में नववर्ष का पहला दिन प्रकृति, मनोरंजन और आस्था के संगम के रूप में यादगार बन गया। संगम की रेत से लेकर घाटों और मंदिरों तक, हर जगह नए साल के स्वागत की खुशियां स्पष्ट रूप से दिखाई दीं।

सेवानिवृत्त हुए कोइलवर के शिक्षा पदाधिकारी , लोगों ने दी विदाई

निज संवाददाता। आरा

स्थानीय कोइलवर प्रखंड के शिक्षा पदाधिकारी भगवान साह अपने सेवाकाल को पूर्ण करते हुए बुधवार को सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। उनके सम्मान में प्रखंड संसाधन केंद्र कार्यालय, कोइलवर में एक सादे किंतु गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जहां उपस्थित शिक्षकों व कर्मियों ने भावुक माहौल में उन्हें विदाई दी।समारोह के दौरान वक्ताओं ने कहा कि अपने कार्यकाल में श्री शाह ने प्रखंड की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई। विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार, प्रशासनिक पारदर्शिता तथा शिक्षकों एवं कर्मियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने में उनका योगदान सराहनीय रहा। उनकी कार्यशैली, अनुशासनप्रियता और कर्तव्यनिष्ठा की सभी ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। शिक्षकों ने कहा कि शिक्षा पदाधिकारी के मार्गदर्शन से शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा मिली, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। सभी ने उनके स्वस्थ, सुखद और सम्मानजनक भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में तालियों की गूंज के बीच उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर पर कई विद्यालयों के शिक्षक एवं प्रखंड संसाधन केंद्र के कर्मचारी मौजूद रहे।

आरा-सासाराम मार्ग पर तेज रफ्तार ऑटो पलटी

निज संवाददाता। आरा

आरा-सासाराम मुख्य मार्ग पर बुधवार देर शाम तेज रफ्तार ऑटो पलट गई। हादसे में 2 सगी बहन समेत 5 लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को उदवंतनगर PHC में भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने सदर अस्पताल रेफर कर दिया। घायलों में चरपोखरी थाना क्षेत्र के सेमरांव गांव निवासी राज कुमार साह की पत्नी मीरा देवी(30), भलुआना निवासी जितेंद्र साह की सीमा देवी(35) समेत अन्य शामिल है। दोनों जख्मी महिला रिश्ते में सगी बहन हैं। घटना उदवंतनगर गांव के पास की है।

बहन के साथ लौट रही थी: घायल मीरा ने बताया कि उनके पति राज कुमार साह बीमार है। पथरी के ऑपरेशन के लिए बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल में एडमिट कराया था। इसके बाद हम अपनी बड़ी बहन को लाने और घर से सामान लाने के लिए गांव गई थी। वापस लौटते समय अज्ञात वाहन से ऑटो ड्राइवर चकमा गया। गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में घायल एक महिला की स्थिति नाजुक बनी हुई है। ऑन ड्यूटी चिकित्सक ने बताया कि एक महिला के दोनों पैर में गंभीर चोटें आई हैं। दोनों महिलाओं का सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार कर दिया गया है।

महारुद्रनाथ मंदिर में नए साल पर विशेष आयोजन

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के चौसा नगर पंचायत स्थित प्रसिद्ध महारुद्रनाथ मंदिर में नववर्ष के अवसर पर हर साल की तरह इस वर्ष भी भव्य और श्रद्धामय धार्मिक आयोजन किया गया। नववर्ष की पूर्व संध्या पर भगवान भोलेनाथ का अलौकिक और मनमोहक सिंगार किया गया, वहीं पूरे मंदिर परिसर को दुल्हन की तरह सजाया गया। रंग-बिरंगी रोशनी, फूलों और आकर्षक सजावटी सामग्रियों से सजे मंदिर ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

आधी रात से ही उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़: नववर्ष की रात 12 बजे के बाद से ही चौसा नगर पंचायत समेत आसपास के ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचने लगे। लोगों ने नए साल की शुरुआत भगवान महारुद्रनाथ के दर्शन-पूजन और मंगल कामना के साथ की। मंदिर परिसर में हर ओर भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का माहौल देखने को मिला।

अखंड रामधुन और हरिकृतन से भक्तिमय माहौल: इस पावन अवसर पर दूर-दराज से आई नामी-गिरामी कीर्तन मंडलियों द्वारा अखंड रामधुन और हरिकृतन का आयोजन किया जा रहा है। "हरे राम, हरे कृष्ण" और "बोल बम" के जयघोष से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। श्रद्धालु पूरी रात भजन-कीर्तन पर झूमते और भक्ति में लीन नजर आए।

नौ दिवसीय रामचरित मानस पाठ के बाद अखंड कीर्तन: कार्यक्रम की शुरुआत मुजफ्फरपुर जिले के दातापुर से पधारे महाराज जी के सानिध्य में नौ दिवसीय रामचरित मानस पाठ से की गई। नौ दिनों तक चले इस धार्मिक अनुष्ठान के समापन के बाद 24 घंटे का अखंड हरिकृतन आयोजित किया गया है। इसमें तीन विश्राम के साथ लगातार कीर्तन चल रहा है। यूपी और बिहार की प्रसिद्ध कीर्तन मंडलियां अलग-अलग धुनों और रागों में भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर रही हैं।

70 वर्षों पुरानी परंपरा आज भी जीवंत: स्थानीय ग्रामीण अजय दुबे ने बताया कि इस धार्मिक आयोजन की शुरुआत वर्ष 1954 में गांव के बुजुर्गों द्वारा की गई थी। इसका उद्देश्य गांव और क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना करना था। तब से यह परंपरा बिना किसी रुकावट के पिछले 70 वर्षों से लगातार निभाई जा रही है। पूरे गांव के सहयोग से यह आयोजन आज भी उसी श्रद्धा और उत्साह के साथ जीवंत बना हुआ है।

च्यवन ऋषि की तपोस्थली के रूप में भी प्रसिद्ध चौसा: चौसा ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। मान्यता है कि यह क्षेत्र महर्षि च्यवन की तपोस्थली रहा है। यही कारण है कि नववर्ष के अवसर पर यहां विशेष आध्यात्मिक वातावरण देखने को मिलता है। लोग परिवार सहित मंदिर पहुंचकर भगवान महारुद्रनाथ से नए साल में सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हैं।

हवन-पूजन और विशाल भंडारे का आयोजन: एक जनवरी को अखंड हरिकृतन की पूर्णाहुति के बाद विधि-विधान से हवन-पूजन किया जाएगा। इसके पश्चात भगवान को भोग अर्पित कर देर शाम विशाल भंडारे का आयोजन होगा। भंडारे में हजारों श्रद्धालु पुड़ी, सब्जी और बुंदिया के प्रसाद का ग्रहण करेंगे। नववर्ष के मौके पर महारुद्रनाथ मंदिर में आयोजित यह धार्मिक आयोजन न केवल आस्था का केंद्र बना हुआ है, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को भी जीवंत रूप से दर्शा रहा है।

महिला फुटबॉल फाइनल में यूपी एकादश विजेता

निज संवाददाता। बक्सर

जिले केचौसा खेल मैदान पर शेरशाह सूरी जनकल्याण संस्थान के तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय शेरशाह सूरी फुटबॉल प्रतियोगिता के तहत बुधवार को महिला फुटबॉल का फाइनल मुकाबला खेला गया। खचाखच भरे मैदान में झारखंड एकादश और यूपी एकादश के बीच खेले गए इस रोमांचक खिताबी मुकाबले में यूपी एकादश ने 1-0 से जीत दर्ज कर ट्रॉफी अपने नाम की। मुकाबले में शुरू से अंत तक दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, जिसने दर्शकों को बांधे रखा। फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों में एक-एक राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी शामिल थीं। यूपी एकादश की ओर से अबिबा और झारखंड एकादश की ओर से मनीष कुमारी का प्रदर्शन खासा प्रभावशाली रहा। पहले हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन गोल करने में सफल नहीं हो सकीं। दूसरे हाफ में यूपी टीम ने बेहतर तालमेल और तेज आक्रमण का प्रदर्शन करते हुए निर्णायक गोल दागा। इसके बाद झारखंड की टीम ने बराबरी की पूरी कोशिश की, लेकिन यूपी की मजबूत रक्षापंक्ति के आगे उसे सफलता नहीं मिल सकी। महिला फुटबॉल फाइनल का उद्घाटन आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार यादव की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य अतिथि अल्पसंख्यक मंत्री जमा खान, कार्यपालक पदाधिकारी रानी कुमारी, चेयरमैन किरण देवी और थानाध्यक्ष शम्भू भगत ने संयुक्त रूप से फीता काटकर मैच का शुभारंभ किया। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और खेल भावना, अनुशासन तथा आपसी भाईचारे का संदेश दिया। विजेता और उपविजेता टीमों को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर अल्पसंख्यक मंत्री जमा खान ने कहा कि बच्चियों का खेल प्रदर्शन बहुत ही सराहनीय रहा। उन्होंने कहा कि हारने वाला खिलाड़ी भी कहीं न कहीं जीतता है, क्योंकि खेल से सीख मिलती है। साथ ही उन्होंने चौसा खेल मैदान को स्टेडियम के रूप में विकसित कराने की घोषणा की, जिससे ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिला खिलाड़ियों को मंच प्रदान करना संस्था का मुख्य उद्देश्य है। ऐसे आयोजनों से न केवल महिला खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, बल्कि समाज में खेल के प्रति सकारात्मक माहौल भी बनता है। मैच का सफल संचालन रेफरी पप्पू कुमार सिंह ने किया। आयोजन को सफल बनाने में प्रो. रमेशचंद श्रीवास्तव, इंजीनियर नितेश उपाध्याय, अधिवक्ता रामलखन पाल, डॉ. सुनील सिंह यादव, रामशीष सिंह, समसुद्दीन, रिजवान खान, पंकज सिंह, रामजीत गोंड़ सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमियों का सराहनीय योगदान रहा।

मिलेट्स प्रोसेसिंग यूनिट का डीडीसी ने किया निरीक्षण

निज संवाददाता। आरा

उप विकास आयुक्त गुंजन सिंह ने बुधवार को कोइलवर प्रखंड अंतर्गत सकड्डी पंचायत में स्थापित मिलेट्स प्रोसेसिंग यूनिट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यूनिट की कार्यप्रणाली, उपलब्ध संसाधनों एवं प्रसंस्करण व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में डीडीसी ने किसानों से संवाद कर उनकी समस्याओं, अनुभवों एवं सुझावों की जानकारी ली। उन्होंने मिलेट्स प्रोसेसिंग यूनिट के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण की संभावनाओं पर जोर देते हुए जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को बेहतर लाभ मिलेगा और मोटे अनाज के उत्पादन व विपणन को बढ़ावा मिलेगा। इसके पश्चात उप विकास आयुक्त ने कोइलवर प्रखंड के धनडीहा पंचायत में वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी, कोइलवर को शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया।

8 वीं तक के सभी स्कूल बंद

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर जिले में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। कम तापमान और ठंड बढ़ने से बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार अगले कुछ दिनों तक ठंड का प्रकोप जारी रहने की संभावना है। इसी को ध्यान में रखते हुए जिला दंडाधिकारी तनय सुल्तानिया ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार, जिले के सभी निजी और सरकारी स्कूलों में कक्षा 1 से 8 तक की सभी शैक्षणिक गतिविधियों पर 1 जनवरी 2026 से 3 जनवरी 2026 तक पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया गया है। इस अवधि में इन कक्षाओं का संचालन पूरी तरह बंद रहेगा। इसमें नर्सरी, प्री-स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र भी शामिल है।

विशेष कक्षाओं और परीक्षाओं को इस आदेश से मुक्त रखा गया है: कक्षा 9 से 12 कक्षाओं के लिए भी समय-सीमा निर्धारित की गई है। इन कक्षाओं में सुबह 10 बजे से पहले और दोपहर 3:30 बजे के बाद शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन पर रोक रहेगी। यानी उच्च कक्षाओं का संचालन केवल निर्धारित समय के अंदर ही किया जा सकेगा। जिला दंडाधिकारी ने विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया है कि वे इस आदेश के अनुरूप अपनी शैक्षणिक गतिविधियों का पुनर्निर्धारण करें। हालांकि, प्री-बोर्ड और बोर्ड परीक्षा के लिए संचालित की जाने वाली विशेष कक्षाओं और परीक्षाओं को इस आदेश से मुक्त रखा गया है। आदेश का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश 31 दिसंबर 2025 को जिला दंडाधिकारी तनय सुल्तानिया के हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर से जारी किया गया। जिला प्रशासन ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे बच्चों को ठंड से बचाने के लिए आवश्यक सावधानी बरतें।

15.17 ग्राम हेरोइन बरामद

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर हेरोइन के साथ एक महिला समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों की गिरफ्तारी नवादा थाना क्षेत्र से हुई है। पुलिस ने इनके पास से भारी मात्रा में मादक पदार्थ, नकद और तस्करी से जुड़े अन्य सामान बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में बहीरो मोहल्ला वार्ड संख्या-45 निवासी परदोश पासवान और श्रीटोला वार्ड संख्या-36 निवासी मिथिलेश पासवान की पत्नी रिंकी देवी शामिल है। तलाशी के दौरान कुल 15.17 ग्राम हेरोइन बरामद किया गया, जिसे 96 पुड़िया में पैक किया गया था। इसके अलावा छह मोबाइल, 3,750 रुपए कैश, एक रबर बैंड और पुड़िया बनाने में इस्तेमाल कागज भी जब्त किए गए हैं।

गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी: इस संबंध में बुधवार को पुलिस अधीक्षक राज ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि नवादा पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि श्रीटोला-बहीरो रेलवे लाइन के पास एक महिला के द्वारा मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त की जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए इसका सत्यापन कराया गया। इसके बाद थानाध्यक्ष बिपिन बिहारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान मौके से दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी में उनके पास से हेरोइन की पुड़िया बरामद की गई। इसके बाद दोनों की निशानदेही पर उनके घरों पर भी छापेमारी की गई, जहां से मोबाइल समेत अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई। इस कार्रवाई के दौरान एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। जिसने जांच के बाद बरामद पदार्थ के मादक होने की पुष्टि की। छापेमारी दल में अपर थानाध्यक्ष राजू कुमार, दारोगा दीपक कुमार, महिला पुलिस पदाधिकारी निशा भारती समेत सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस ने नवादा थाना में दोनों आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

कोहरे के बीच यात्रियों को राहत, पाटलिपुत्र–गोरखपुर एक्सप्रेस अब सप्ताह में सिर्फ दो दिन रहेगी रद्द

हाजीपुर। घने कोहरे के कारण रेल परिचालन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पाटलिपुत्र–गोरखपुर–पाटलिपुत्र एक्सप्रेस के संचालन को लेकर रेलवे ने अहम संशोधन किया है। पहले इस ट्रेन को फरवरी 2026 तक सप्ताह में चार दिन रद्द करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन यात्रियों की लगातार परेशानियों और सुविधा को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने इस व्यवस्था में आंशिक राहत दी है। रेलवे की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार अब गाड़ी संख्या 15079/15080 पाटलिपुत्र–गोरखपुर–पाटलिपुत्र एक्सप्रेस का परिचालन 01 फरवरी 2026 तक सप्ताह में केवल दो दिन रद्द रहेगा। यह ट्रेन प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को नहीं चलेगी, जबकि शेष दिनों में इसका संचालन सामान्य रूप से किया जाएगा। रेल प्रशासन ने बताया कि कोहरे के मौसम में दृश्यता कम होने के कारण ट्रेन परिचालन में अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। सुरक्षा से कोई समझौता न हो, इस उद्देश्य से पहले अधिक दिनों तक ट्रेन को रद्द किया गया था, लेकिन अब हालात की समीक्षा के बाद रद्द दिनों की संख्या घटा दी गई है। इस फैसले से खासकर पाटलिपुत्र, गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी, जो रोजमर्रा की यात्रा, रोजगार और अन्य जरूरी कार्यों के लिए इस ट्रेन पर निर्भर रहते हैं। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मौसम की स्थिति को देखते हुए आगे भी आवश्यकतानुसार परिचालन में बदलाव किया जा सकता है, लेकिन यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा दोनों को प्राथमिकता में रखा जाएगा।

16 वर्षीय नाबालिग की गला घोंटकर हत्या, आरोपी दो घंटे में गिरफ्तार

पटना। राजधानी पटना के फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के कुरकुरी गांव में मंगलवार रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां 16 वर्षीय नाबालिग की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। घटना के महज दो घंटे के भीतर पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया है। हत्या के पीछे प्रेम संबंध को लेकर नाराजगी सामने आई है। पुलिस के अनुसार मृतक नाबालिग का आरोपी की बहन से प्रेम संबंध था। इसी बात से नाराज होकर आरोपी युवक ने वारदात को अंजाम दिया। आरोपी ने स्वीकार किया है कि उसने कई बार नाबालिग को अपनी बहन से दूर रहने की चेतावनी दी थी, लेकिन जब वह नहीं माना तो गुस्से में आकर उसकी हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही फुलवारी शरीफ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने नाबालिग का शव उसके घर के बरामदे से बरामद किया। शव मिलने के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने घटनास्थल को घेरकर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को घटनास्थल से एक युवक का जैकेट मिला, जिसे अहम सुराग मानते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। इसी कड़ी में संदिग्ध युवक की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। फुलवारी शरीफ थाना प्रभारी गुलाम शाहबाज आलम ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान अनूप कुमार के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि नाबालिग का उसकी बहन से अफेयर था, जिससे वह नाराज था। बार-बार समझाने के बावजूद जब नाबालिग नहीं माना, तो उसने बीती रात गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए पटना एम्स भेज दिया है। फुलवारी शरीफ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी सुशील कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

रामनगर चवर में संदिग्ध हालात में अधेड़ की मौत

हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के जगापाकड़ पंचायत अंतर्गत रामनगर चवर में गुरुवार दोपहर एक अधेड़ व्यक्ति की पानी में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बरामद किया। मृतक की पहचान अरेराज नगर पंचायत के वार्ड संख्या–14 बहादुरपुर निवासी इंद्रजीत प्रसाद (52 वर्ष) के रूप में हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब 11 बजे इंद्रजीत प्रसाद को चवर की ओर जाते देखा गया था। उसके हाव-भाव और स्थिति से वह मानसिक रूप से असंतुलित प्रतीत हो रहा था। दोपहर लगभग एक बजे बकरी चराने गई महिलाओं की नजर चवर के पानी में तैरते शव पर पड़ी। इसके बाद उन्होंने शोर मचाया, जिससे आसपास के लोग जुट गए और मामले की सूचना पुलिस को दी गई। थानाध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी ऋषभ कुमार के निर्देश पर पुलिस पदाधिकारी संतोषी कुमारी एवं अर्जुन रविदास पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से शव को पानी से बाहर निकलवाया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक के पुत्र प्रदीप कुमार (23 वर्ष) ने अपने पिता की मौत को संदिग्ध बताते हुए जांच की मांग की है। इस संबंध में थानाध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी ऋषभ कुमार ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा मौत का कारण। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

चार लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक कारोबारी गिरफ्तार

हरसिद्धि थाना क्षेत्र के खोड़ीपाकड़ गांव में पुलिस ने छापेमारी कर चार लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान प्रमोद चौधरी, पिता स्वर्गीय मोतीलाल चौधरी के रूप में की गई है। इस कार्रवाई की पुष्टि करते हुए प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि प्रमोद चौधरी अपने घर में अवैध रूप से देसी शराब का निर्माण कर रहा है। सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसआई सीमा कुमारी के नेतृत्व में पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। छापेमारी के दौरान जांचोपरांत मौके से चार लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की गई तथा आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने शराब निर्माण में प्रयुक्त एक सिलेंडर भी जब्त किया है। इस छापेमारी में एसआई सीमा कुमारी के साथ सशस्त्र बल के जवान भी शामिल थे। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

लूट और आर्म्स एक्ट के मामलों में छह अपराधी गिरफ्तार

निज संवाददाता। पटना

हथियार और लूटी गई रकम बरामद

पटना पूर्वी पुलिस ने नए साल की शुरुआत से पहले अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लूट, आर्म्स एक्ट और ऑपरेशन मुस्कान से जुड़े मामलों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। पटना पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने प्रेस वार्ता में बताया कि अलग-अलग तीन मामलों में की गई पुलिस कार्रवाई के दौरान कुल छह अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से लूटी गई नकदी, मोबाइल फोन और अवैध हथियार भी बरामद किए गए हैं। एसपी ने बताया कि 29 दिसंबर को अगमकुआं थाना क्षेत्र के बिग हॉस्पिटल के पास पैदल जा रहे एक राहगीर से तीन बाइक सवार बदमाशों ने पिस्टल के बल पर लूटपाट की थी। बदमाशों ने राहगीर से मोबाइल फोन और 5 हजार रुपये नकद छीन लिए थे। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया था। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तकनीकी जांच, सीसीटीवी फुटेज और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सामने आया कि ये बदमाश पहले भी लूटपाट की घटनाओं में शामिल रहे हैं और इलाके में भय का माहौल बनाकर अपना वर्चस्व कायम करना चाहते थे।

गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पकड़े गए बदमाशों की पहचान आयुष रॉयल, अन्नू कुमार, सन्नी कुमार, लवकुश कुमार और अमित कुमार के रूप में हुई है। एसपी परिचय कुमार ने बताया कि सभी आरोपी संगठित गिरोह के रूप में काम कर रहे थे और लूट की घटनाओं को अंजाम देकर इलाके में दहशत फैलाना उनका मकसद था। पूछताछ के दौरान अपराधियों ने हथियारों के स्रोत के बारे में भी अहम जानकारियां दी हैं, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अगमकुआं थाना क्षेत्र के एलआईजी कॉलोनी के पास से एक और युवक को हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने राजा मांझी नामक युवक को पकड़ा, जिसकी उम्र करीब 25 वर्ष बताई जा रही है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि राजा मांझी का आपराधिक इतिहास रहा है और वह पूर्व में चोरी व लूट की घटनाओं में संलिप्त रहा है। इसके अलावा पटना पूर्वी पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत एक सराहनीय पहल करते हुए 33 लोगों को उनके खोए और लूटे गए मोबाइल फोन वापस दिलाए। नए वर्ष के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में एसपी परिचय कुमार ने मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को सौंपे। इस दौरान एएसपी सदर अभिनव कुमार भी मौजूद रहे। ये मोबाइल फोन गुमशुदगी, झपटमारी और लूट की घटनाओं के बाद बरामद किए गए थे। मोबाइल पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने पुलिस की इस पहल की सराहना की।

मोबाइल पाने वाले सुरेश कुमार ने बताया कि उनका फोन गुम हो गया था, लेकिन उन्हें विश्वास था कि पुलिस जरूर खोज निकालेगी। आज सुरक्षित हालत में मोबाइल मिलना उनके लिए बड़ी राहत है। पटना पूर्वी पुलिस का कहना है कि अपराध और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, ताकि इलाके में कानून-व्यवस्था को मजबूत किया जा सके और आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा बना रहे।

मसौढ़ी में लहसुना पुलिस की बड़ी कार्रवाई

60 लीटर देसी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

निज संवाददाता। मसौढ़ी, पटना

अवैध शराब की तस्करी और बिक्री पर रोक लगाने को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत लहसुना थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 60 लीटर देसी शराब के साथ एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष खुशबू खातून ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के निशियामा बांध के पास एक व्यक्ति शराब की तस्करी के लिए जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर घेराबंदी की और संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से भारी मात्रा में देसी शराब बरामद की गई।

गिरफ्तार तस्कर की पहचान लहसुना थाना क्षेत्र के निशियामा गांव निवासी नागेश्वर कुमार के पुत्र मुकेश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी अवैध रूप से शराब की तस्करी कर क्षेत्र में बिक्री करने की फिराक में था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद गुरुवार को आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ लगातार निगरानी रखी जा रही है और ऐसे कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि कहीं अवैध शराब की तस्करी या बिक्री की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

स्प्री योजना की अवधि 31 जनवरी 2026 तक बढ़ी

ईएसआईसी ने नियोक्ताओं से लाभ उठाने की अपील की

निज संवाददाता। पटना

नियोक्ताओं और कर्मचारियों के पंजीकरण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चलाई जा रही विशेष योजना स्प्री 2025 (SPREE 2025) की अवधि बढ़ा दी गई है। यह योजना पहले 1 जुलाई 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक लागू थी, लेकिन विभिन्न नियोक्ता संगठनों, निगम सदस्यों और राज्य सरकारों के अनुरोध पर ईएसआईसी मुख्यालय, नई दिल्ली ने इसे एक माह के लिए और बढ़ाते हुए 31 जनवरी 2026 तक विस्तारित कर दिया है।

यह योजना नियोक्ताओं और कर्मचारियों को कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) योजना के तहत पंजीकरण का एक बार मिलने वाला विशेष अवसर प्रदान करती है। इसके तहत ऐसे नियोक्ता या संस्थान, जिनके यहां 10 या उससे अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, वे बिना किसी पूर्व देयता, हर्जाना, दंडात्मक कार्रवाई या निरीक्षण की जवाबदेही के ईएसआई योजना के अंतर्गत अपना पंजीकरण करा सकते हैं। ईएसआईसी की इस पहल को श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बिहार क्षेत्र में ईएसआईसी के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान बड़ी संख्या में ऐसे संस्थानों को चिन्हित किया गया है, जो सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 (पूर्व में कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948) के अंतर्गत व्याप्ति योग्य पाए गए हैं, लेकिन अब तक ईएसआई योजना के तहत पंजीकृत नहीं हुए हैं। ईएसआईसी द्वारा इन सभी नियोक्ताओं और संस्थानों से लगातार संपर्क किया जा रहा है और पंजीकरण की प्रक्रिया में उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि वे समय रहते पंजीकरण कराकर पूर्व की देयता, हर्जाना और दंडात्मक कार्रवाई से बच सकें।

ईएसआईसी बिहार के क्षेत्रीय निदेशक सीए निरंजन कुमार ने नियोक्ताओं, उनके संगठनों और अन्य संबंधित हितधारकों से अपील की है कि वे एक माह के लिए प्रदान की गई इस अतिरिक्त अवधि का पूरा लाभ उठाएं और अपने संस्थानों तथा कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से 31 जनवरी 2026 तक ईएसआई योजना के तहत पंजीकृत कराएं। उन्होंने कहा कि इस योजना का उद्देश्य अधिक से अधिक श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना है।

क्षेत्रीय निदेशक ने बताया कि बिहार क्षेत्र के सभी ईएसआईसी कार्यालयों को यह निर्देश दिया गया है कि वे जागरूकता कार्यक्रमों, बैठकों और अन्य माध्यमों से स्प्री योजना की जानकारी व्यापक स्तर पर प्रसारित करें। साथ ही नियोक्ताओं को ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया में हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाए, ताकि कोई भी पात्र संस्थान इस विशेष अवसर से वंचित न रह जाए और श्रमिक वर्ग को ईएसआई योजना का लाभ मिल सके।

माघ मेला को लेकर रेलवे का बड़ा फैसला

प्रयागराज रामबाग व झूसी स्टेशनों पर 7 जोड़ी ट्रेनों का अस्थायी ठहराव

निज संवाददाता। हाजीपुर

माघ मेला के दौरान प्रयागराज पहुंचने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। यात्रियों की बढ़ती भीड़ और प्रयागराज जंक्शन पर दबाव को कम करने के उद्देश्य से कई प्रमुख ट्रेनों को प्रयागराज रामबाग और झूसी स्टेशनों पर अस्थायी रूप से रोके जाने की व्यवस्था की गई है। यह सुविधा जनवरी और फरवरी 2026 में माघ मेला की अवधि के दौरान लागू रहेगी।

रेलवे प्रशासन के अनुसार, माघ मेला के समय प्रयागराज क्षेत्र में भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, जिससे मुख्य स्टेशन पर अत्यधिक भीड़ की स्थिति बन जाती है। इसी को देखते हुए जयनगर, सीतामढ़ी, दरभंगा, रक्सौल, दानापुर और अहमदाबाद सहित विभिन्न शहरों से आने-जाने वाली कुल सात जोड़ी ट्रेनों को झूसी और प्रयागराज रामबाग स्टेशन पर दो-दो मिनट के लिए रोका जाएगा। इससे श्रद्धालुओं को मेला क्षेत्र के नजदीक उतरने की सुविधा मिलेगी और उन्हें लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी।

इन ट्रेनों में पवन एक्सप्रेस, लिच्छवी एक्सप्रेस, स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस, दानापुर-उधना एक्सप्रेस, दरभंगा-पुणे एक्सप्रेस, रक्सौल-लोकमान्य तिलक अंत्योदय एक्सप्रेस और दरभंगा-अहमदाबाद अंत्योदय एक्सप्रेस शामिल हैं। निर्धारित तिथियों पर इन ट्रेनों का अस्थायी ठहराव दोनों स्टेशनों पर दिया जाएगा, जिससे मेला में आने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इस व्यवस्था से प्रयागराज जंक्शन पर भीड़ नियंत्रित होगी और यात्रियों का आवागमन अधिक सुचारू रहेगा। साथ ही स्थानीय परिवहन व्यवस्था पर भी दबाव कम पड़ेगा। रेलवे ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे यात्रा से पहले अपनी ट्रेन के ठहराव और तिथि की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें तथा मेला अवधि के दौरान यात्रा करते समय सावधानी बरतें। रेलवे प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि माघ मेला के दौरान यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर आगे भी अतिरिक्त व्यवस्थाएं की जाएंगी।

नव वर्ष 2026 पर ठाकुवाड़ी राम जानकी मंदिर में उमड़ी आस्था की भीड़, शिव आराधना से हुआ वर्ष का शुभारंभ

निज संवाददाता। मसौढ़ी, पटना

नव वर्ष 2026 की शुरुआत के साथ ही देशभर के मंदिरों में श्रद्धा और भक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा। इसी क्रम में ठाकुवाड़ी स्थित राम जानकी मंदिर में भी नव वर्ष के पहले दिन आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटनी शुरू हो गई, जो कतारबद्ध होकर भगवान के दर्शन और पूजा-अर्चना में लीन नजर आए। मंदिर परिसर में स्थापित शिवलिंग के समीप सबसे अधिक भीड़ देखी गई। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि भगवान शिव तीनों लोकों के स्वामी हैं और नव वर्ष की शुरुआत उनकी आराधना से करने पर पूरे वर्ष सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है। इसी आस्था के चलते भक्तों ने शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र और पुष्प अर्पित कर अपने परिवार, समाज और देश के कल्याण की कामना की। पूरे मंदिर परिसर में भक्ति गीतों और मंत्रोच्चार का माहौल बना रहा, जिससे वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक हो उठा। श्रद्धालु न केवल भगवान शिव बल्कि राम-जानकी के दर्शन कर नव वर्ष को मंगलमय बनाने की प्रार्थना करते नजर आए। मंदिर के पुजारी पवन पांडे ने बताया कि नव वर्ष के पावन अवसर पर 24 घंटे का अखंड सुंदरकांड पाठ आयोजित किया गया है, जिसकी शुरुआत एक दिन पूर्व की गई थी। उन्होंने बताया कि बुधवार को विधिवत पूर्णाहुति के साथ इस धार्मिक अनुष्ठान का समापन किया जाएगा, जिसके बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया जाएगा। पुजारी ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से इस धार्मिक आयोजन में भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा, आपसी सौहार्द और आध्यात्मिक चेतना का संचार होता है। नव वर्ष के अवसर पर राम जानकी मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने यह संदेश दिया कि आस्था और विश्वास आज भी लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा है।

राबड़ी देवी के जन्मदिन पर मसौढ़ी के राजद कार्यकर्ताओं ने दी शुभकामनाएं, नववर्ष की भी दी बधाई

निज संवाददाता। मसौढ़ी

गुरुवार को बिहार की पहली महिला मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के जन्मदिन के अवसर पर राष्ट्रीय जनता दल से जुड़े नेताओं और कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इस मौके पर मसौढ़ी की पूर्व विधायिका रेखा देवी और जिला परिषद अध्यक्ष अंजू देवी सहित कई राजद कार्यकर्ता राबड़ी आवास पहुंचे और उन्हें गुलदस्ता भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाओं के साथ नववर्ष 2026 की बधाई दी। एक जनवरी को अंग्रेजी नववर्ष के पहले दिन सुबह से ही राबड़ी देवी को जन्मदिन की बधाई देने के लिए राबड़ी आवास पर राजद नेताओं और समर्थकों का तांता लगा रहा। कार्यकर्ता फूलों के गुलदस्ते और मिठाइयों के साथ आवास पहुंचे और राबड़ी देवी से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

पूरे माहौल में उत्सव और आत्मीयता का भाव देखने को मिला। इस अवसर पर पूर्व विधायिका रेखा देवी और जिला परिषद अध्यक्ष अंजू देवी ने कहा कि राबड़ी देवी का जन्म वर्ष 1955 में गोपालगंज जिले में हुआ था। वे लालू प्रसाद यादव की पत्नी हैं और 25 जुलाई 1997 को बिहार की मुख्यमंत्री बनी थीं। उन्होंने तीन बार मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली। पहला कार्यकाल लगभग दो वर्षों का रहा, जबकि दूसरे और तीसरे कार्यकाल में उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में पांच वर्षों का कार्यकाल पूरा किया। नेताओं ने कहा कि राबड़ी देवी ने न केवल एक कर्तव्यनिष्ठ महिला के रूप में अपनी पहचान बनाई, बल्कि एक सफल राजनीतिज्ञ के रूप में भी राज्य की राजनीति में अपनी मजबूत छवि स्थापित की। उन्होंने हमेशा सामाजिक न्याय और गरीबों की आवाज को प्राथमिकता दी। कार्यक्रम के दौरान राबड़ी देवी के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की गई। इस मौके पर उपेंद्र मुखिया, प्रखंड अध्यक्ष राकेश कुमार आर्य उर्फ पंडित, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष ब्रजनंद सहाय, रजनीश कुमार, उमेश यादव, मुन्ना, दीपक कुमार, डिंपल सहित बड़ी संख्या में राजद नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नववर्ष पर नौबतपुर के बुद्ध चौक में त्रिपिटक पाठ का शुभारंभ, बुद्ध के संदेशों के साथ शांति और करुणा का संकल्प

निज संवाददाता। नौबतपुर।

नववर्ष 2026 के पावन अवसर पर नौबतपुर प्रखंड के बुद्ध चौक, छोरी टेंगरेला में त्रिपिटक पाठ का भव्य शुभारंभ किया गया। यह आयोजन तथागत बुद्ध के शांति, अहिंसा और करुणा के संदेशों को समर्पित रहा। कार्यक्रम की शुरुआत बुद्ध प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर और दीप प्रज्वलित कर की गई। इस दौरान क्षेत्र की सुख-शांति, सद्भाव और समृद्धि की कामना की गई। त्रिपिटक पाठ का शुभारंभ पूर्व विधायक रामजन्म शर्मा, प्रोफेसर डॉ. रामराज शर्मा, भंते सतीश बौद्ध, पूर्व मुखिया राघवेंद्र नारायण और परमेंद्र दयाल ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सामाजिक कार्यकर्ता और बुद्ध अनुयायी उपस्थित रहे। सभी ने बुद्ध वंदना के माध्यम से नववर्ष में अहिंसा, करुणा, मैत्री और मानवता के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रामजन्म शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि त्रिपिटक बौद्ध धर्म का एक अत्यंत पवित्र और मार्गदर्शक ग्रंथ है, जिसमें बुद्ध के उपदेश, संघ के नियम और दर्शन समाहित हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हिंदू धर्म में रामायण समाज को मर्यादा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है, उसी तरह त्रिपिटक तथागत बुद्ध के विचारों के माध्यम से मानव समाज को सही दिशा दिखाता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब समाज में हिंसा, असहिष्णुता और वैमनस्य बढ़ रहा है, तब बुद्ध के उपदेश और त्रिपिटक का संदेश और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। इसी अवसर पर प्रो. जयराम प्रसाद सिंह जयंती सह स्मृति व्याख्यान माला का आयोजन भी किया गया। वक्ताओं ने जयराम बाबू के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें मूल्य आधारित राजनीति का सशक्त प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि जयराम बाबू ने अपने जीवन में हमेशा गरीबों, शोषितों और वंचितों के हक की लड़ाई लड़ी और सामाजिक न्याय की राजनीति को मजबूती प्रदान की। डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों से प्रेरित होकर उन्होंने स्वाभिमान, समानता और अधिकार की राजनीति को आगे बढ़ाया। कार्यक्रम को कृष्ण कुमार कवि, जगदीश विश्वकर्मा, बैजनाथ आर्य और सुधीर आनंद ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने बुद्ध चौक के ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह स्थान न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि सामाजिक चेतना और बौद्ध विचारधारा के प्रसार का भी एक महत्वपूर्ण स्थल रहा है। अतिथियों का स्वागत विश्व बंधु सामाजिक विकास केंद्र, बिहार के संयोजक प्रो. संजय कुमार कश्यप ने किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में आपसी भाईचारे, शांति और सद्भाव को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने बुद्ध के संदेशों को जीवन में उतारने और समाज में शांति एवं मानवता के मूल्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

संक्षिप्त समाचार

नववर्ष में श्याम मंदिर में उमडी भक्तों की भीड, भगवन से लिया आर्शिवाद

रांची। राजधानी के हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में गुरूवार को नववर्ष के अवसर पर दिनभर भक्तों की भारी भीड़ लगी रही। मंदिर में तडके सुबह में मंगला आरती हुई। भक्तों ने नववर्ष पर भगवान से आर्शिवाद लेते हुए घर परिवार और समाज-राष्ट्र की सुख शांति और समृद्धि की कामना की। मौके पर श्याम मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान कार्यकारिणी सदस्य श्यामसुंदर शर्मा के सानिध्य में मंदिर के आचार्य ने बाबा श्याम का विशेष श्रृंगार किया। फुलों की मोटी मालाओं में बाबा श्याम भक्तों को दिव्य दर्शन दे रहे थे। मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने बताया कि प्रातः कालीन श्रृंगार के बाद पट खुलते ही हजारों भक्त आरती में सम्मिलित हुए। सबों को प्रसाद दिया गया। इस दौरान भक्तजनों ने हो हारे के सहारे की जय खाटूनरेश की जय जयकार करते रहे। उन्होंने कहा कि श्याम मंदिर में खाटूधाम की परंपरा के अनुसार पूजन विधि विधान किया जाता है। भक्तों में ऐसा मानना है इस दरबार में लगाई हुई अर्जी जरूर पूरी होती है। हर भक्त के दिल में यही कामना थी कि नववर्ष में बाबा उन सभी की अर्जी स्वीकार करेंगे। गौरव अग्रवाल ने बताया की रात्रि में जब मंदिर के पट बंद किया गया तब तक लगभग सैकडों से ज्यादा भक्तों ने मंदिर में अपने आराध्य के दर्शन किए। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, महामंत्री गौरव अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया, अशोक लड़ियां, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान, मंत्री विष्णु चौधरी, पंकज गाड़ोदिया, उपमंत्री प्रवीण सिंघानिया, आदित्य लोहिया, प्रचार मंत्री रोहित अग्रवाल सहित बडी संख्या में भक्त मौजूद थे।

आरपीएफ ने शराब के साथ एक आरोपित को किया गिरफ्तार

रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने मुरी रेलवे स्टेशन और उसके आस-पास के क्षेत्र में ऑपरेशन "सतर्क" के तहत सघन चेकिंग अभियान चलाया। उपनिरीक्षक रवि शंकर ने गुरुवार को बताया कि अभियान के दौरान प्लेटफार्म संख्या एक पर मुख्य गेट के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में बैठा हुआ पाया गया, जिसके पास दो पिट्ठू बैग थे, जो असामान्य रूप से भारी प्रतीत हो रहे थे। रोककर पूछताछ करने पर उसकी पहचान विंध्याचल सिंह के रूप में हुई। उसके सामान की तलाशी लेने पर कुल 38 बोतल अवैध शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 26,000 रूपये है। पूछताछ में उक्त व्यक्ति ने स्वीकार किया कि वह टाटानगर से मुरी रेलवे स्टेशन आया था तथा रोहतास जाने के लिए ट्रेन की प्रतीक्षा कर रहा था, ताकि बरामद शराब को अपने क्षेत्र में बेचकर अवैध लाभ कमा सके। उन्होंने बताया कि मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देशानुसार आरपीएफ की ओर से सतर्कता बरतते हुए निरंतर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आरपीएफ पोस्ट मुरी और फ्लाइंग टीम रांची की ओर से मुरी रेलवे स्टेशन एवं उसके आस-पास के क्षेत्र में ऑपरेशन "सतर्क" के तहत सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।

राज्यपाल से अपर मुख्य सचिव सहित अन्य ने भेंट कर नववर्ष की शुभकामनाएं दी

रांची। नववर्ष 2026 के अवसर पर गुरुवार को लोक भवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से उनके अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी सहित अन्य ने भेंट कर नववर्ष की शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने भी उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की। इसके अलावा, राज्यपाल से झारखंड राज्य निर्वाचन आयुक्त अलका तिवारी, झारखंड लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ जमाल अहमद और रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने भेंट कर नववर्ष की शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने भी उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की।

रक्षा मंत्री से रक्षा राज्य मंत्री ने की मुलाकात, दी नववर्ष की बधाई

रांची। रक्षा मंत्रालय में गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से रांची के सांसद एवं रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मुलाकात की। इस दौरान संजय सेठ ने रक्षा मंत्री को नववर्ष 2026 की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।

आदिवासी किसान मजदूर पार्टी ने खरसावां के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

पश्चिमी सिंहभूम। जिला से आदिवासी किसान मजदूर पार्टी के बैनर तले गुरुवार को जगन्नाथपुर से निकले पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने खरखावां के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही जिला अध्यक्ष मानसिंह तिरिया और सरायकेला जिला अध्यक्ष सुनील गगराई के संयुक्त नेतृत्व में श्रद्धांजलि कार्यक्रम खरसावां, सेरेंगसिया, जगन्नाथपुर और राजाबासा में आयोजित किया गया, जहां शहीदों के अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया गया। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए मानसिंह तिरिया ने कहा कि कोल विद्रोह में अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीरों को याद करना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि उनके संघर्ष से प्रेरणा लेने का अवसर है। उन्होंने कहा कि 1 और 2 जनवरी का दिन आदिवासी इतिहास के लिए शोक का दिन है, क्योंकि इसी दौरान बड़ी संख्या में आदिवासियों की निर्मम हत्या की गई थी। उन्होंने मांग किया कि इन घटनाओं को इतिहास में उचित स्थान दिया जाए और शहीद दिवस को संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाए। उन्होंने कोल विद्रोह के जननायक वीर पोटो हो का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें फांसी दिए जाने के कई वर्षों बाद उनके नाम से राजाबासा गांव की पहचान बनी, लेकिन आज भी यह गांव बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। गांव के लोग रोजी-रोटी के लिए जैंतगढ़, चंपुआ और अन्य इलाकों में मजदूरी करने को विवश हैं। उन्होंने सरकार से इस गांव की बदहाल स्थिति पर गंभीरता से ध्यान देने और इसे गोद लेने की मांग की। कार्यक्रम में चुमरू पिंगुवा, सजान देवगम, सुनील लागुरी, मदन सिंकु, नरसिंह पुर्ती, माटा करोवा, अर्जुन मुंडा, जोसेफ मुंडा, लुकुना पूर्ति, दामू बोबोंगा, सादु मुंडा, पुष्पा मुंडा, शांति पूर्ति, सरस्वती सवैया, हीरा मुनी सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ, उपायुक्त ने जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

पूर्वी सिंहभूम जिले में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह–2026 का गुरुवार को विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिलेवासियों को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से समाहरणालय परिसर से उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में निदेशक एनईपी, विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, मोटर वाहन निरीक्षक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने कहा कि सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि सड़क सुरक्षा माह के दौरान जिलेभर में विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और जानमाल की होने वाली क्षति को रोका जा सके। सरकार सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन इन प्रयासों की सफलता तभी संभव है जब नागरिक स्वयं यातायात नियमों का ईमानदारी से पालन करें। उन्होंने जानकारी दी कि सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत रैली, नुक्कड़ नाटक, निबंध एवं क्विज प्रतियोगिता, सघन वाहन जांच सहित कई गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इस अभियान में शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन और पुलिस विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। ग्रामीण, शहरी और पंचायत स्तर पर विशेष रूप से स्कूल के बच्चों के बीच भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि कम उम्र से ही सड़क सुरक्षा के प्रति समझ विकसित हो सके और अभियान से जन-जन को जोड़ा जा सके। जागरूकता रथ के माध्यम से यातायात नियमों के सही अनुपालन से जुड़े दिशा-निर्देशों का ऑडियो क्लिप के जरिए प्रचार-प्रसार किया जाएगा। यह रथ पूर्वी सिंहभूम जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग, दुपहिया वाहन पर दोनों सवारों के लिए हेलमेट की अनिवार्यता, नशे की हालत में वाहन न चलाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने और अनावश्यक ओवरटेक से बचने के लिए जागरूक करेगा। उपायुक्त ने नागरिकों से अपील की कि सड़क सुरक्षा को अपनी सामूहिक जिम्मेदारी समझें और यातायात नियमों का पालन कर स्वयं के साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करें।

रांची में नववर्ष पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

पहाड़ी मंदिर से दुर्गा बाड़ी तक पूजा-अर्चना का दौर चला

एजेंसी। रांची

आंग्ल नववर्ष 2026 की शुरुआत पर गुरुवार को राजधानी रांची के सभी प्रमुख मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोग परिवार सहित भगवान के दर्शन कर नए वर्ष की शुरुआत की तथा बेहतर स्वास्थ्य, समृद्धि एवं सुख-शांति की कामना की। सुबह से ही रांची के पहाड़ी मंदिर, चुटिया के सुरेश्वर धाम, मेन रोड के काली मंदिर, हनुमान मंदिर, दुर्गा बाड़ी, रातू रोड के दुर्गा मंदिर सहित अन्य मुहल्लों के मंदिरों में सुबह से ही लोग पहुंचकर पूजा अर्चना करते हुए दिखे। लोगों ने परिवार के साथ नए वर्ष की शुरुआत भगवान के दर्शन के साथ की। लोगों ने इस दौरान बेहतर स्वास्थ्य, समृद्धि और सुख शांति की कामना की। रांची के पहाड़ी मंदिर सहित अन्य मंदिरों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस के जवान और स्वयंसेवक मुस्तैदी से जुटे रहे। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए ने बुधवार को बताया कि भीड़ के मद्देनजर पहाड़ी मंदिर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं, ताकिक श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो।

सीटू के संघर्ष से 70 कर्मियों को मिला बकाया भुगतान : भवन

एजेंसी। रांची

हटिया मजदूर यूनियन (सीटू) के अध्यक्ष भवन सिंह ने गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यूनियन के लंबे और संगठित संघर्ष के बाद एचईसी में कार्यरत 70 मजदूरों को 31 जनवरी 2025 को 52 हजार रुपए से लेकर 65 हजार रुपए तक की राशि का बकाया भुगतान किया गया। यह भुगतान उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में किया गया है। भवन सिंह ने कहा कि ई ग्रेड से सी–डी ग्रेड में जाने के दौरान वार्षिक वेतन वृद्धि को आठ रुपये से घटाकर सात रुपये कर दिया गया था। इस एक रुपये की कटौती के खिलाफ सबसे पहले 06 एफएफपी के कारपेंटर कर्मियों ने यूनियन के माध्यम से कानूनी लड़ाई शुरू की। लगभग 20 वर्षों तक विभिन्न न्यायालयों में चले संघर्ष के बाद उच्च न्यायालय से जीत मिली और 27 कारपेंटरों को भुगतान कराया गया। इसके बाद आईटीआई और सीटीआई प्रशिक्षुओं ने भी यूनियन के नेतृत्व में उसी आधार पर मुकदमा लड़ा। भुगतान में देरी होने पर उच्च न्यायालय में अवमानना याचिका दायर की गई, जिसके बाद दिसंबर के अंत तक भुगतान करने का आदेश दिया गया। आदेश के अनुपालन में प्रबंधन ने अब राशि का भुगतान कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह करीब 30 वर्षों के संघर्ष का परिणाम है। हालांकि अभी भी लगभग 70 कर्मियों का भुगतान शेष है, जिसे बातचीत के माध्यम से हल करने का प्रयास जारी है। भवन सिंह ने समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए उच्च प्रबंधन की टीम को बधाई दी और मजदूरों से एकजुट होकर संगठित संघर्ष जारी रखने की अपील की है।

नववर्ष पर गुरुद्वारा साहिब में सजा विशेष दीवान

एजेंसी। रांची

नववर्ष पर गुरु नानक सत्संग सभा की ओर से गुरुवार को कृष्णा नगर कॉलोनी गुरुद्वारा साहिब में गुरुवार को विशेष दीवान सजाया गया। समागम के लिए विशेष रूप से पधारे सिख पंथ के प्रसिद्ध रागी जत्था भाई हरजीत सिंह, तख्त श्री पटना साहिब वाले ने आगे सुख मेरे मीता पाछे आनंद प्रभ कीता... और हऊ कुर्बाने जाऊ तिना के लैण जो तेरा नाउ...जैसे शबद गायन कर संगत को निहाल किया और श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के संदेश मानस की जात सबै एक पहचानिबो को ईमानदारी से अपने जीवन में उतारने को कहा। श्री अनंद साहिब जी के पाठ, गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी ज्ञानी जिवेंदर सिंह ने अरदास और हुक्मनामा पढ़े जाने के साथ दीवान की समाप्ति हुई। सत्संग सभा के अध्यक्ष अर्जुन देव मिड्ढा और सचिव सुरेश मिढा ने भाई हरजीत सिंह एवं साथियों को गुरु घर का सरोपा ओढ़ाकर सम्मानित किया। मंच संचालन मनीष मिड्ढा ने किया। समाप्ति पर साध संगत के बीच कढ़ाह प्रसाद का वितरण किया गया। नव वर्ष के मौके पर सत्संग सभा की ओर से चाय नाश्ते का लंगर भी चलाया गया। गुरूनानक सत्संग सभा के अध्यक्ष अर्जुन देव मिढ़ा ने समूह साध संगत को नव वर्ष की बधाई देते हुए इसी तरह गुरु घर की सेवा करते रहने को कहा। सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि हर वर्ष कृष्णा नगर कॉलोनी से पटना में शामिल होने गए श्रद्धालुओं के रांची लौटने के बाद श्री गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर उपलक्ष्य में दो दिवसीय समागम आयोजित किया जाता है और गुरु नानक सत्संग सभा की ओर से इस बार तीन और चार जनवरी को दो विशेष दीवान सजाए जाएंगे। पहला दीवान शनिवार (3 जनवरी) को और दूसरा दीवान रविवार (4 जनवरी) को सजाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रकाश पर्व में शिरकत करने के लिए सिख पंथ के महान कीर्तनी जत्था भाई बलजीत सिंह जी पटियाला वाले विशेष रूप से रांची पधार रहे हैं। दीवान में हरगोबिंद सिंह, बिनोद सुखीजा, मोहन काठपाल, अनूप गिरधर, अशोक गेरा, महेश सुखीजा,बसंत काठपाल, हरीश मिड्ढा, इंदर मिड्ढा,रमेश पपनेजा, पवनजीत सिंह खत्री, आशु मिड्ढा, नवीन मिड्ढा, सूरज झंडई, लक्ष्मण अरोड़ा, वेद प्रकाश मिढा, नीरज सरदाना, उमेश मुंजाल, रमेश तेहरी, ईशान काठपाल सहित अन्य श्रद्धालु शामिल हुए।

नव वर्ष के स्वागत में विहंगम योग संत समाज ने किया हवन यज्ञ

एजेंसी। रांची

नव वर्ष 2026 के अवसर पर रांची में आध्यात्मिक चेतना, वैदिक परंपरा और सामाजिक सद्भाव को लेकर विहंगम योग संत समाज, रांची की ओर से गुरुवार को दलादली स्थित फुटकल टोली में हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। यह आयोजन सद्गुरुदेव आश्रम (सदाफलदेव आश्रम) परिसर में विधिविधान और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न हुआ, जिसमें शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सद्गुरु सदाफल देव भगवान के चित्र पर श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण के साथ हुई। इसके बाद स्वागत गान और मंगलगान प्रस्तुत किया गया, जिससे पूरा आश्रम परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच प्रज्वलित हवन कुंड में श्रद्धालुओं ने आहुतियां दीं। हवन से उठती पवित्र अग्नि और मंत्रों की गूंज ने वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। हवन-यज्ञ में पुरुषों, महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं की उल्लेखनीय सहभागिता रही। श्रद्धालुओं ने नव वर्ष में सुख-समृद्धि, सामाजिक शांति, देश की उन्नति और विश्व कल्याण की कामना की। आयोजन के दौरान अनुशासन और धार्मिक मर्यादाओं का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे कार्यक्रम की गरिमा और भव्यता और अधिक बढ़ गई।

नया साल आत्ममंथन और नए संकल्प लेने का समय-

इस अवसर पर विहंगम योग रांची जिला के परामर्शक डॉ अनिल शर्मा ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि अंग्रेजी नव वर्ष केवल कैलेंडर बदलने का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन और नए संकल्प लेने का समय है। उन्होंने कहा कि यज्ञ सनातन संस्कृति का सबसे पवित्र कर्म है, जिससे पर्यावरण की शुद्धि होती है और मानव जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यज्ञ के माध्यम से व्यक्ति की भौतिक और आध्यात्मिक दोनों प्रकार की कामनाओं की पूर्ति संभव होती है। उन्होंने बताया कि विहंगम योग संत समाज की ओर से अंग्रेजी नव वर्ष पर हवन-यज्ञ का आयोजन कई वर्षों से लगातार किया जा रहा है, ताकि समाज को आध्यात्मिक दिशा मिल सके। उन्होंने आगे कहा कि हम सभी का एक ही उद्देश्य समाज कल्याण, देश की प्रगति के पथ पर अग्रसर करने और लोगों के आध्यात्मिक जीवन के साथ-साथ भौतिक जीवन में भी संतुलन बनाए रखना है। विहंगम योग इसी संतुलन की शिक्षा देता है। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित विहंगम योग झारखंड प्रदेश के परामर्शक और झारखंड सरकार में असिस्टेंट कमिश्नर गजेंद्र सिंह ने कहा कि विहंगम योग केवल एक साधना पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की संपूर्ण कला है। यह योग व्यक्ति को न केवल जीने की कला, बल्कि मृत्यु को भी सहज रूप से स्वीकार करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि सद्गुरु सदाफल देव महाराज ने मानव कल्याण के उद्देश्य से विहंगम योग को अत्यंत सरल और व्यावहारिक रूप में समाज के सामने रखा। उन्होंने स्ववेंद ग्रंथ को अद्वितीय बताते हुए कहा कि इसके पठन-पाठन और मनन मात्र से जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आने लगता है और आत्मिक शांति की अनुभूति होती है। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर विहंगम योग झारखंड प्रदेश के परामर्शक विष्णु कांत खेमका, डिप्टी कलेक्टर प्रवीण सिंह, सीआईएसएफ के आईजी प्रबोध चंद्र, संयोजक सच्चिदानंद शर्मा सहित विहंगम योग के हजारों अनुयायी उपस्थित थे।

झारखंड के कई जिलों में तापमान में वृद्धि, कई इलाकों में अब भी कंपकंपी

एजेंसी। रांची

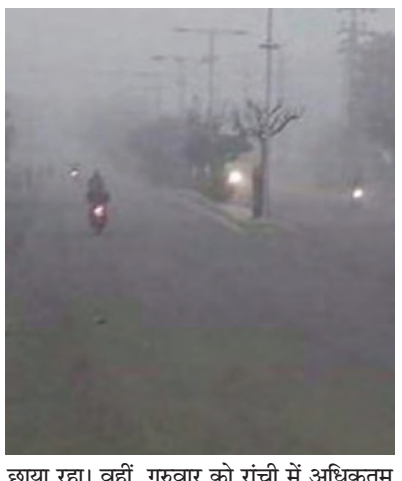

राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में पिछले एक-दो दिनों में अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं राज्य के कई इलाकों में अब भी कंपकंपी वाल ठंड पड रही है। राज्य के जिन जिलों में दिन के तापमान में वृद्धि हुई है उनमें डालटेनगंज में सबसे अधिक पांच डिग्री, रांची में दो डिग्री, जमशेदपुर में तीन डिग्री, चाईबासा में दो डिग्री और लोहरदगा में एक डिग्री शामिल है। वहीं पलामू प्रमंडल में अब भी कंपकंपी वाली ठंड पड रही है। यहां पिछले तीन-चार दिनों में गुरुवार की दोपहर में मौसम कुछ साफ हुआ। इससे लोगों को काफी राहत मिली। इधर, मौसम विभाग ने बताया कि राज्य भर में अगले तीन दिनों में तापमान दो से तीन डिग्री की वृद्धि होने की संभावना है। वहीं पिछले 24 घंटों के दौरान में राज्य में सबसे अधिक तापमान 26.1 डिग्री रांची और सबसे कम तापमान गुमला में 4.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा। सुबह ठंड महसूस की गई, लेकिन दिन चढने के साथ धूप में गर्मी महसूस की गई। देर रात और तडके सुबह तक रांची के सुदूरवर्ती इलाकों में मध्यम दर्जे का कुहासा छाया रहा। वहीं, गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 26.1 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7.9 डिग्री, जमशेदपुर में 24.3 और 10 डिग्री, डालटेनगंज में 25.7 और 5.7 डिग्री, बोकारो में 22.2 और 7.5 डिग्री, चाईबासा में 26 डिग्री और 8.6 डिग्री, खूंटी में 26 डिग्री और न्यूनतम तापमान 6.3 डिग्री, लोहरदगा में 25.6 और 6 डिग्री, लातेहार में 21 डिग्री और 8.3 डिग्री और सरायकेला में अधिकतम तापमान 25.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

पुलिस हिरासत में युवक की मौत, परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

पूर्वी सिंहभूम। एमजीएम थाना पुलिस हिरासत में एक 22 वर्षीय युवक की बुधवार देर रात संदिग्ध मौत हो गई। मृतक की पहचान गोकुलनगर निवासी जीत महतो के रूप में हुई है। युवक की मौत के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए हंगामा किया और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। परिजनो का आरोप है कि चोरी के एक मोबाइल फोन की जांच के नाम पर पुलिस ने जीत महतो को हिरासत में लेकर उसके साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, रविवार को पुलिस बिना किसी नोटिस या औपचारिक जानकारी के जीत को उसके घर से उठा कर ले गई थी।

कार्यालय : जिला आयुष समिति, गढ़वा
सदर अस्पताल कैम्पस, कचहरी रोड, गढ़वा
Email Id:- garhwadamo@gmail.com

जिला कार्यक्रम प्रबंधक (आयुष) पद के उम्मिदवारों से दावा आपत्ति दर्ज कराने हेतु जन साधारण सूचना

कार्यालय आदेश

जिला आयुष समिति, गढ़वा के अधीन जिला कार्यक्रम प्रबंधक जिला आयुष कार्यालय, गढ़वा हेतु 01 पद संविदा आधारित नियुक्ति के लिए पूर्णतः अस्थायी तौर पर पर 01 वर्ष की अवधि हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों से कार्यालय ज्ञापांक 76 दिनांक 17.02.2024 से विज्ञापन संख्या 01/2023 (आयुष) गढ़वा प्रकाशित करते हुए विहित प्रपत्र में आवेदन की मांग की गई थी। उक्त प्रकाशन विज्ञापन के आलोक में निर्धारित अंतिम तिथि 04.03.2024 तक कुल 17 अभ्यर्थियों द्वारा आवेदन समर्पित किया गया।

मेल एवं डाक से प्राप्त कुल आवेदनों को कम्प्यूटर से प्रविष्ट के उपरांत गढ़वा जिला के वेबसाईट www.garhwa.nic.in किये जाने हेतु वैसे अभ्यर्थि का सूची में किसी प्रकार का मात्र अंकनीय एवं टंकनीय सुधार करना हो तो वे दिनांक 21.01.2026 को अपराह्न 05:00 बजे तक साक्ष्य सहित दावा/आपत्ति कर सकते हैं। दावा आपत्ति Mail- garhwadamo@gmail.com के माध्यम से ही प्राप्त किया जायेगा। जिसके विषय में अभ्यर्थी का अंतिम तिथि के बाद किसी प्रकार का दावा/आपत्ति मान्य नहीं होगा साथ ही यदि किसी अभ्यर्थी का अंक पत्र/प्रमाण पत्र गलत पाया जाता है तो उनके विरूद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधीक जानकारी के लिए गढ़वा जिला के वेबसाईट www.garhwa.nic.in पर देखा जा सकता है।

जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी –सह– सदस्य सचिव, जिला आयुष समिति, गढ़वा

उपायुक्त –सह– अध्यक्ष जिला आयुष समिति, गढ़वा

PR 369835 Health Med Edu and Family Welfare (25-26)_D

संक्षिप्त समाचार

अमित शाह ने अभी से संभाली बंगाल की कमान

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में अभी कुछ महीनों का वक्त बाकी है, लेकिन भाजपा अभी से ऐक्टिव हो गई है। यहां तक कि ज्यादातर बड़े राज्यों में चुनाव की कमान संभालने वाले होम मिनिस्टर अमित शाह ने खुद यहां संभाल लिया है। 2021 में 2 मई को बंगाल चुनाव के नतीजे आए थे और इस बार भी अप्रैल में ही मतदान कराए जा सकते हैं। इस बीच बुधवार को अमित शाह ने कोलकाता में तमाम भाजपा नेताओं के साथ बैठक की। यह मीटिंग कोलकाता के साल्ट लेक होटल में हुई। इसमें नेता विपक्ष शुभेंदु अधिकारी और प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य मौजूद थे। इसके अलावा तमाम दिग्गज नेताओं की मौजूदगी रही। इस मीटिंग में दिलीप घोष की मौजूदगी ने सभी को चौंकाया। उनसे खुद अमित शाह ने मुलाकात की और कई मुद्दों पर बात की है। उनकी मौजूदगी इसलिए चर्चाएं बटोर रही है क्योंकि कुछ समय पहले तक ऐसी चर्चाएं रही हैं कि वह भाजपा से नाराज चल रहे हैं। वह ममता बनर्जी के साथ एक कार्यक्रम में भी नजर आए थे, जब सीएम भगवान जन्नाथ के एक मंदिर का लोकार्पण करने पहुंची थीं। चर्चा यहां तक थी कि वह टीएमसी में जा सकते हैं। लेकिन अब चीजें बदल गई हैं। भाजपा की कोशिश है कि दिलीप घोष को साध लिया जाए। 2026 के विधानसभा चुनाव में उन्हें अहम भूमिका देकर फ्रंट पर लाया जा सकता है। इस बैठक में बंगाल के सभी पार्टी सांसदों, विधायकों को बुलाया गया था। यही नहीं कई नगर निगमों के नेता भी मौके पर थे। संगठन के भी कुछ प्रभावशाली लोगों को इसका न्योता दिया गया था। सूत्रों का कहना है कि इस मीटिंग में ज्यादातर उन नेताओं को ही बुलाया गया, जिन्हें विधानसभा इलेक्शन का टिकट मिल सकता है। इसके अलावा कुछ ऐसे सीनियर नेता भी बुलाए गए, जिन्हें चुनाव में प्रचार की जिम्मेदारी मिल सकती है। दरअसल दिलीप घोष का यहां पहुंचना कई नेताओं को हैरान करने वाला रहा। उन्हें बंगाल भाजपा के सबसे कामयाब प्रदेश अध्यक्षों में शुमार किया जाता है।

साल की आखिरी कैबिनेट मीटिंग से दूर रहे एकनाथ शिंदे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के सत्ताधारी गठबंधन में साल 2025 के आखिरी दिन भी रस्साकशी देखने को मिली है। साल की आखिरी कैबिनेट मीटिंग में डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे नहीं पहुंचे, जो कई मौकों पर अपनी नाराजगी जता चुके हैं। यही कारण है कि उनके ना पहुंचने से एक बार फिर से कयास तेज हैं कि आखिर वह क्यों नहीं आए। उनकी गैरहाजिरी को बीएमसी समेत कई निकाय चुनावों से जोड़कर देखा जा रहा है। कई निकायों में सीट बंटवारे को लेकर भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना के बीच खींचतान देखी जा रही है। ऐसे में उनका ना पहुंचना भाजपा को संकेत देने की कोशिश माना जा रहा है। हालांकि शिवसेना के उदय सामंत ने चर्चाओं को खारिज किया और कहा कि एकनाथ शिंदे बीमार हैं। भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना के बीच कुल 11 नगर निकायों को लेकर गठबंधन पर सहमति बन गई है और सीट बंटवारा भी हो चुका है। लेकिन 18 स्थानों पर ऐसी सहमति नहीं बन पाई है और दोनों ने अलग रास्ता भी अपना लिया है। स्थानीय स्तर के शिवसेना नेताओं का कहना है कि भाजपा ने जानबूझकर ऐसा किया है। उसने पहले से ही ज्यादातर सीटों पर अपने स्तर पर तैयारी कर ली थी और फिर बातचीत को जानबूझकर लटकाया गया। अंत में गठबंधन तोड़ने की बात कहके अलग रास्ता अपना लिया। इससे भाजपा तो फायदे में रही है क्योंकि उसकी तैयारी पूरी थी, लेकिन शिवसेना को झटका लगा है। नाराज नहीं बीमार हैं एकनाथ शिंदे, शिवसेना की सफाई माना जा रहा है कि इसी नाराजगी को जाहिर करने के लिए एकनाथ शिंदे मीटिंग में नहीं गए। वहीं उदय सामंत ने कहा कि एकनाथ शिंदे की तबीयत ठीक नहीं है और वह अपने ठाणे स्थित घर में हैं।

आठवले ने महायुति पर लगाया 'विश्वासघात' का आरोप

कांग्रेस-उद्धव सेना में भी झड़प, रोचक हुआ बीएमसी चुनाव

मुंबई, एजेंसी। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव 15 जनवरी को होने वाले हैं, जिसमें 227 वार्डों के लिए मतदान होगा। इस चुनाव से पहले सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में बड़ा विवाद खड़ा हो गया, जब केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई-आठवले) के नेता रामदास आठवले ने भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना पर अपनी पार्टी को सीट बंटवारे से बाहर रखने का आरोप लगाते हुए इसे 'विश्वासघात' करार दिया।

सत्तारूढ़ सहयोगी भाजपा और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने सोमवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव में क्रमशः 137 और 90 सीट पर चुनाव लड़ने के लिए सीट बंटवारे पर सहमति जताई। आठवले ने समझौते से बाहर रखे जाने पर नाराजगी जताते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा- महायुति के गठन के बाद से हम पूरी निष्ठा और दृढ़ता से गठबंधन के साथ खड़े रहे हैं लेकिन सीट बंटवारे को लेकर आज जो हुआ है, वह विश्वासघात है।'

आठवले ने शिंदे से की मुलाकात, बीएमसी चुनावों में अपनी पार्टी के लिए अतिरिक्त सीट की मांग की: आठवले ने बुधवार को यहां महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से उनके आवास पर मुलाकात की और मुंबई एवं ठाणे में होने वाले आगामी नगर निगम चुनावों में आरपीआई (ए) की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भजपा-शिवसेना कोटे से अतिरिक्त सीटों की मांग की। शिंदे के कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया है- बुधवार को बातचीत के दौरान, आठवले ने मुंबई और अन्य प्रमुख

नगर निगमों में प्रतिनिधित्व के संबंध में अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच बढ़ती भावना को व्यक्त किया।

फडणवीस ने दिया भरोसा, हो गई सुलह?: सूत्रों की मानें तो विवाद बढ़ने पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हस्तक्षेप किया। 31 दिसंबर को आठवले की फडणवीस से मुलाकात के बाद सुलह हो गई है। आरपीआई को 12 सीटें देने पर सहमति बनी (भाजपा और शिंदे सेना अपने कोटे से 6-6 सीटें छोड़ेंगी)। नामांकन वापसी की तारीख (2 जनवरी) से पहले आरपीआई उम्मीदवारों को महायुति के आधिकारिक उम्मीदवार बनाया जाएगा। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा- रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने उनकी शिकायतों को दूर करने की कोशिश की। उनके पास 17 सीटों की लिस्ट थी, और हमने उन्हें बताया कि हमें 5-6 सीटें मिलनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने अमित सातम और प्रवीण दारेकर को फोन करके यह पता लगाने का निर्देश दिया कि कौन सी सीटें दी जा सकती हैं।

कांग्रेस-उद्धव सेना में झड़प: विपक्षी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) में भी सीट बंटवारे को लेकर तनाव है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप चल रहे हैं। उद्धव गुट ने कांग्रेस पर प्रकाश आंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी से गठबंधन कर उद्धव सेना को कमजोर करने का आरोप लगाया। शिवसेना (यूबीटी) प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि कांग्रेस भाजपा की 'बी-टीम' बनकर काम कर रही है। उद्धव और राज ठाकरे के करीब आने से एमवीए के समीकरण बदल गए, जिससे कांग्रेस की स्थिति कमजोर हुई। इन झड़पों से विपक्षी एकता पर सवाल उठ रहे हैं।नामांकन पत्र जमा कराने के अंतिम दिन 30 दिसंबर तक कुल 2,516 नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे। बुधवार को जांच के दौरान कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), आम आदमी पार्टी (आप), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और कई निर्दलीय उम्मीदवारों के नामांकन पत्र खारिज किए गए।

अधिकतर दलों ने बगावत से बचने के लिए अंतिम दो से तीन दिनों में ही सीट के बंटवारे को अंतिम रूप दिया और 'ए' व 'बी' फॉर्म (नामांकन जमा करने के लिए अहम दस्तावेज) जारी किए। इसके कारण 29 और 30 दिसंबर को नामांकन जमा करने की भारी भीड़ देखी गई।

वंचित बहुजन आघाडी को 20 सीट पर नहीं मिले उम्मीदवार

मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए कांग्रेस और वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) के बीच हुए गठबंधन को उस समय झटका लगा, जब यह बात सामने आई कि प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व वाली वीबीए के पास उसे आवंटित 62 सीट में से 20 पर चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार ही नहीं हैं। वीबीए के पास उम्मीदवार न होने की इस स्थिति के बाद अब कांग्रेस को अपनी चुनावी रणनीति पर फिर से विचार करना पड़ सकता है। महानगरपालिका की कुल 227 सीट के लिए रविवार को कांग्रेस और वीबीए के बीच 143-62 के अनुपात में सीट बंटवारे का समझौता हुआ था। इसमें से कुछ सीट राष्ट्रीय समाज पक्ष और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (गवई गुट) को देने का निर्णय लिया गया था। कांग्रेस के एक नेता ने बताया कि वीबीए ने पार्टी को सूचित किया है कि उसके पास 20 सीट पर चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार नहीं हैं और उसने ये सीट वापस कर दी हैं। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना प्रवक्ता संजय निरुपम ने कहा कि उन्हें इन 20 वार्डों के कांग्रेस मतदाताओं के साथ सहानुभूति है। वीबीए का प्रभाव है। डॉ. बी आर आंबेडकर के पोते प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व वाली इस पार्टी का मुख्य आधार 'नवबौद्ध' मतदाता हैं। बृहन्मुंबई महानगर पालिका चुनाव के लिए कुल 2,516 नामांकन दाखिल किए गए हैं, जिनमें से 2,122 नामांकन अंतिम दिन ही जमा किए गए। हालांकि नामांकन पत्रों की जांच के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के कई उम्मीदवारों के नामांकन अधूरे दस्तावेज, फॉर्म में त्रुटियों और अनिवार्य प्रमाणपत्र जमा नहीं करने के कारण खारिज कर दिए गए हैं।

अजय सिंघल बने हरियाणा के नए डीजीपी, 1992 बैच के हैं आईपीएस अफसर

चंडीगढ़, एजेंसी। नए साल पर हरियाणा सरकार ने 1992 बैच के आईपीएस अजय सिंघल को हरियाणा का नया डीजीपी नियुक्त कर दिया है। सिंघल वर्तमान में वे एंटी करप्शन ब्यूरो के चीफ हैं। कार्यवाहक डीजीपी ओपी सिंह आज ही रिटायर हुए हैं, जिसके बाद सरकार ने अजय सिंघल को नया डीजीपी बनाया है। हरियाणा सरकार ने 16 दिसंबर को यूपीएससी को 5 अधिकारियों शत्रुजीत कपूर, एसके जैन, अजय सिंघल, आलोक मित्तल और अर्शिंदर चावला के नामों का पैनल भेजा था। डीजीपी की रेस में अजय सिंघल सबसे आगे थे क्योंकि पूर्व डीजीपी शत्रुजीत कपूर के बाद ये सबसे सीनियर मोस्ट अफसर हैं। सिंघल की राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के नेताओं में अच्छी पकड़ है। अपने कार्यकाल के दौरान ग्राउंड और पुलिसिंग के अच्छे पदों का अनुभव है। यही वजह है कि सरकार ने उन्हें जिम्मा दिया। इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। अजय सिंघल का जन्म 1 जुलाई, 1966 को हुआ था। वह हरियाणा के रेवाड़ी के रहने वाले हैं। हरियाणा सरकार की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है कि अजय सिंघल न्यूनतम दो साल तक इस पद रहेंगे। सिंघल 30 अक्टूबर, 2028 तक इस पद पर रहेंगे। इसके बाद वह सेवानिवृत्त हो जाएंगे। विजिलेंस और एंटी करप्शन ब्यूरो में रहते हुए अजय सिंघल ने कई अहम मामलों में कार्रवाई की। उनके नेतृत्व में भ्रष्टाचार के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए गए, जिससे उन्हें एक ईमानदार और कड़े अधिकारी के रूप में पहचान मिली। अपने करियर के शुरुआती वर्षों में उन्होंने एएसपी और एसपी स्तर पर कई जिलों में सेवाएं दी। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या मामले में नाम आने के बाद डीजीपी शत्रुजीत कपूर को हरियाणा सरकार ने 14 अक्टूबर को छुट्टी पर भेज दिया था। उनकी जगह 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी ओपी सिंह को राज्य के डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। वह आज रिटायर हो गए हैं। वह महज दो महीने और 16 दिन के लिए हरियाणा के डीजीपी के पद पर रहे। इस दौरान डीजीपी अपनी कार्यशैली को लेकर चर्चा में रहे।

संभल में होगा बड़ा एक्शन? मस्जिद के पास कब्रिस्तान पर कब्जा करने वालों का डाटा हो रहा तैयार

संभल, एजेंसी। संभल में शाही जामा मस्जिद से सटे कब्रिस्तान की 4,780 वर्गमीटर भूमि पर पैमाइश के बाद बड़े एक्शन की तैयारी हो रही है। अवैध कब्जे के मामले में प्रशासन ने अगला कदम बढ़ा दिया है। सीमांकन के बाद चिन्हित किए गए 22 अवैध कब्जाधारकों का पूरा डाटा तैयार किया जा रहा है। प्रशासन एक-दो दिन के भीतर सभी को नोटिस जारी करेगा। इसके बाद अभिलेख प्रस्तुत करने और जवाब देने के लिए समय दिया जाएगा। निर्धारित अवधि में संतोषजनक साक्ष्य न मिलने पर विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उप जिलाधिकारी सदर रामानुज सिंह ने बताया कि मंगलवार को भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कब्रिस्तान की नॉन जेड-ए श्रेणी की भूमि की पैमाइश कराई गई थी। राजस्व अभिलेखों से मिलान के बाद यह स्पष्ट हुआ कि 22 लोगों ने कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध रूप से मकान और दुकानें बना रखी हैं। इनमें कुछ निर्माण हाल के वर्षों के हैं, जबकि कुछ कब्जे काफी पुराने बताए जा रहे हैं। एसडीएम ने कहा कि प्रशासन

किसी भी प्रकार की जल्दबाजी नहीं करेगा और सभी पक्षों को अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर दिया जाएगा। नोटिस जारी होने के बाद संबंधित लोगों को यह बताना होगा कि उनके पास भूमि से संबंधित कौन-कौन से वैध दस्तावेज हैं। यदि कोई व्यक्ति अपने दावे के समर्थन में अभिलेख प्रस्तुत करता है, तो उनकी विधिवत जांच की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन कब्जाधारकों के पास वैध दस्तावेज नहीं पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा-67 के तहत मुकदमा दर्ज कराते हुए कब्जा हटाने की कार्रवाई की जाएगी। यह पूरी प्रक्रिया कानून के दायरे में रहकर और पारदर्शिता के साथ की जाएगी। एसडीएम रामानुज सिंह ने बताया कि प्रशासन द्वारा तैयार किए जा रहे डाटा में प्रत्येक कब्जाधारक का नाम, कब्जे का रकबा, निर्माण का स्वरूप और अनुमानित अवधि का विवरण शामिल किया जा रहा है, ताकि आगे की कार्रवाई में कोई भ्रम न रहे।

उन्होंने कहा कि सरकारी और सार्वजनिक उपयोग की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराना शासन की प्राथमिकता है। इस मामले में भी कानून व्यवस्था बनाए रखते हुए निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का उद्देश्य किसी को अनावश्यक रूप से परेशान करना नहीं है।

इंतजार खत्म; कर्तव्यपथ पर गूंजेगी हिमाचल की वीरता, रक्षा मंत्रालय ने झांकी को दी मंजूरी

शिमला, एजेंसी। दिल्ली के कर्तव्य पथ पर 26 जनवरी 2026 को जब गणतंत्र दिवस परेड की झलक दुनिया देखेगी, तब उसमें हिमाचल प्रदेश की वीरता, बलिदान और देशभक्ति भी पूरे गौरव के साथ नजर आएगी। पांच साल के लंबे इंतजार के बाद रक्षा मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति ने हिमाचल प्रदेश की झांकी को मुख्य गणतंत्र दिवस समारोह के लिए मंजूरी दे दी है। यह झांकी उन वीर जवानों को समर्पित होगी जिन्होंने देश की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर किए। पांच साल बाद गणतंत्र दिवस समारोह में हिमाचल की झांकी देखने को मिलेगी। इस बार हिमाचल

की झांकी की थीम 'गैलेंटरी अवॉर्डीज ऑफ हिमाचल प्रदेश' रखी गई है। झांकी के जरिए परमवीर चक्र, महावीर चक्र और अशोक चक्र से सम्मानित हिमाचल के वीर सपूतों के शौर्य और बलिदान को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। संदेश साफ है कि पहाड़ी राज्य होने के बावजूद हिमाचल प्रदेश ने हर दौर में देश की रक्षा में अग्रणी भूमिका निभाई है। रक्षा मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद राज्य के भाषा एवं संस्कृति विभाग ने झांकी के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। चयनित एजेंसी झांकी के डिजाइन, कलात्मक स्वरूप और तकनीकी मानकों के अनुसार निर्माण कार्य करेगी। झांकी में पारंपरिक रंग, सैन्य गौरव और आधुनिक प्रस्तुति का संतुलन देखने को मिलेगा। झांकी के साथ हिमाचल की लोक-संस्कृति की झलक भी दिखाई देगी। कर्तव्य पथ पर 'मेरा हिमाचलो बड़ा बांका' गीत की धुन गूंजेगी और पारंपरिक ढोल की थाप झांकी को और जीवंत बनाएगी। यह संगीत हिमाचल के स्वाभिमान, वीरता और सांस्कृतिक पहचान को दर्शाएगा। हिमाचल प्रदेश की झांकी इससे पहले आखिरी बार वर्ष 2020 में गणतंत्र दिवस परेड में शामिल हुई थी, जब कुल्लू दशहरा की थीम पर राज्य का प्रतिनिधित्व किया गया था। उसके बाद लगातार कई वर्षों तक अलग-अलग विषयों पर प्रस्ताव भेजे गए, लेकिन उन्हें मंजूरी नहीं मिल पाई। कभी अटल टनल रोहतांग, कभी क्षेत्रीय संस्कृति और कभी अन्य विषय अंतिम चरण में चयन से बाहर रह गए। ऐसे में 2026 के गणतंत्र दिवस समारोह के लिए हिमाचल की झांकी का चयन राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

अपने घर का सपना होगा पूरा! 3 महीने में नई टाउनशिप हरनंदीपुरम में मिलेंगे प्लॉट

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन के पास नई टाउनशिप हरनंदीपुरम में तीन महीने में भूखंडों की योजना आएगी। इसके लिए जीडीए ने एक सलाहकार एजेंसी चयनित कर ली है, जो योजना का लेआउट तैयार करेगी। इसके बाद भूखंडों की योजना लाकर इस टाउनशिप को बसाने की तैयारी की जाएगी। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने इसके लिए 55 हेक्टेयर जमीन किसानों से खरीद ली, जबकि 115 हेक्टेयर जमीन खरीद की प्रक्रिया चल रही है। जीडीए के सचिव विवेक कुमार मिश्रा ने बताया कि दो चरण में प्रस्तावित टाउनशिप कुल 521 हेक्टेयर में बसेगी। इसमें आठ गांव की जमीन किसानों से खरीदी जाएगी। पहले चरण में पांच गांव की 350 हेक्टेयर जमीन पर टाउनशिप बसेगी। इसके लिए प्राधिकरण को किसानों से करीब 336 हेक्टेयर जमीन खरीदनी है। बाकी जमीन प्राधिकरण के पास पहले से मौजूद है। इसके पहले फेज का लेआउट तीन महीने के भीतर तैयार करने की योजना है, ताकि इसे लॉन्च किया जा सके। उन्होंने बताया कि योजना लॉन्च होने से लोग यहां भूखंड खरीदकर अपना आशियाना बना सकेंगे। जीडीए सचिव ने बताया कि एजेंसी टाउनशिप के ड्रेनेज सिस्टम, सड़कों की चौड़ाई आदि की योजना बनाएगी। आवासीय और व्यावसायिक गतिविधियों के भूखंड, हरियाली क्षेत्र, स्वास्थ्य सेवा, शैक्षणिक आदि के भूखंडों की योजना लाई जाएगी। इसे पॉकेट में बांटकर विकसित किया जाएगा, ताकि हर पॉकेट में लोगों को सुविधाएं मुहैया कराई जा सकें। जीडीए के अपर सचिव प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि मधुबन बापूधाम योजना की सभी समस्याओं का निस्तारण हो गया है। किसानों को भी भूखंड आवंटित कर दिए हैं। अब वहां वर्ष 2026 में 250 करोड़ रुपये से विकास कार्य कराए जाएंगे, ताकि आवंटी क्षेत्र में अपना मकान बनाकर रह सके। साथ ही मधुबन बापूधाम आरओबी भी मई तक शुरू करने की योजना है।

पहले वोटर सरकार तय करता था, अब सरकार वोटर तय कर रही: अभिषेक बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस सांसद और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को चुनाव आयोग के अधिकारियों के साथ लंबी बैठक की। इसके बाद उन्होंने स्पेशल इंटेंसिव रिविजन प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा है कि ईवीएम से नहीं, बल्कि वोटर लिस्ट से चोरी हो रही है। उन्होंने विपक्षी दलों में लाइक माइंडेड पार्टियों से अपील की कि ईवीएम के बजाए सॉफ्टवेयर, वोटर लिस्ट में चोरी हो रही है। ईवीएम चेक करने का मौका मिलेगा, लेकिन यह समझ नहीं पाएंगे कि वह वोटर्स को हटाने के लिए कौन सा सॉफ्टवेयर या फिर एल्गोरिदम इस्तेमाल कर रहे हैं।

बनर्जी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, ''अगर चोरी नहीं हो रही तो लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी की एक करोड़ 36 लाख की लिस्ट है ,उसे रिलीज कर दें। पहले भी एसआईआर हुआ, लेकिन दिक्कत नहीं हुई। पहले ऐसी लिस्ट नहीं थी। 2002-03 के एसआईआर में

कोई सस्पिशियस लिस्ट नहीं थी। ये लिस्ट कहां से आई और इसे कौन बनाया। मीडिया वालों को बताइए कि किस सॉफ्टवेयर से कौन सा एल्गोरिदम रन किया गया।''

उन्होंने कहा कि सात करोड़ 66 लाख वोटर, बंगाल के वोटर लिस्ट में थे, 58 लाख वोटर निकल गए, अब सात करोड़ 8 लाख वोटर हैं। जिस एक्सरसाइज को करने में 80 हजार बीएलओ, आठ हजार बीएलओ सुपरवाइजर, तीन हजार एईआरओ आदि पूरी मशीनरी करके दो महीने में किए, चुनाव आयोग के पास कौन सा जादू है कि उसने एक घंटे में बता दिया कि एक करोड़ 36 लाख लोगों की डिस्क्रेपेंसी है। जादू की छड़ी कौन सी है? 16 दिसंबर को ही ड्राफ्ट वोटर बिल रिलीज हुआ और वह लिस्ट भी उसी दिन दी गई।

उन्होंने आगे कहा कि इससे पता चलता है कि आप कितने डरे हुए हो। पहले सरकार वोटर तय करते थे, लेकिन अब सरकार वोटर तय कर रही है। यही भाजपा का नया भारत है। पहले वोटर तय करती थी कि कौन पीएम बनेगा और सरकार में कौन बैठेगा। अब सरकार तय कर रही है कि पोलिंग स्टेशन में कौन जाएगा और वोट कौन देगा। पूरे देश को इकट्ठा होकर इसे रोकना होगा। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव ने दावा किया कि बैठक के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार का रवैया 'आक्रामक' था। उन्होंने कहा, 'जब हमने बात करना शुरू किया, तो वह (सीईसी) अपना आपा खोने लगे... मैंने कहा कि आप मनोनीत हैं, मैं निर्वाचित हूं... अगर उनमें हिम्मत है, तो उन्हें फुटेज जारी कर देना चाहिए।' बनर्जी ने आरोप लगाया कि आयोग ने उनकी आशंकाओं को दूर नहीं किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे एसआईआर पूरा होने के बाद अंतिम मतदाता सूची स्वीकार करेंगे, तो उन्होंने कहा, 'अगर इसमें विसंगतियां हैं, तो हम इसे क्यों स्वीकार करेंगे? हम इसके खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेंगे।' अभिषेक बनर्जी ने दावा किया कि घुसपैठ का डर फैलाकर पश्चिम बंगाल को बदनाम करने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने निर्वाचन आयोग को चुनौती दी कि वह उन 58 लाख मतदाताओं में से बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की सूची प्रस्तुत करे जिनके नाम मसौदा मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची का दुरुपयोग किया जा रहा है और सभी समान विचारधारा वाली पार्टियों से मतदाता सूची पर ध्यान देने की अपील की। तृणमूल नेता ने कहा, 'ये वही गलतियां हैं जो कांग्रेस ने अतीत में की थीं, जिन्हें आम आदमी पार्टी ने भी उजागर नहीं किया, और यहां तक ??कि बिहार में राजद भी इन्हें उठाने में नाकाम रही, जिसके चलते चुनाव में भाजपा की सफलता 88 प्रतिशत रही।'

'वोट चोरी' मतदाता सूची में हो रही है

तृणमूल नेता ने कहा, 'मैं सभी से अपील करता हूं, 'वोट चोरी' मतदाता सूची में हो रही है, ईवीएम के जरिए नहीं। आपको नहीं पता कि वे लोगों को मताधिकार से वंचित करने के लिए कौन सा एल्गोरिदम या सॉफ्टवेयर इस्तेमाल कर रहे हैं। वे मतदाता सूची को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'पहले मतदाता सरकार चुनते थे; अब सरकार मतदाताओं को चुन रही है।'

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

कनाडा में भारतीयों की सुरक्षा का सवाल

कनाडा में दो सप्ताह के भीतर दो भारतीयों की हत्या ने सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता पैदा कर दी है। पिछले हफ्ते टोरंटो में एक भारतीय महिला की उसके आवास पर हत्या कर दी गई। दूसरी घटना में टोरंटो विश्वविद्यालय के स्कारबोरो परिसर के पास बीस वर्षीय एक भारतीय शोध छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई।इन वारदात के पीछे क्या कारण थे और इसे किसने अंजाम दिया, इसकी जांच पुलिस कर रही है, लेकिन सवाल है कि आखिर कनाडा में भारतीय मूल के लोगों पर हमले क्यों हो रहे हैं? क्या यह नस्लीय नफरत से उपजी कुंठा और आक्रामकता का नतीजा है या फिर किसी सोची-समझी साजिश की कड़ियां, जो लक्षित तरीके से हमलों का जाल बुना जा रहा है!यही नहीं, कनाडा के एक अस्पताल में हाल में इलाज का इंतजार कर रहे भारतीय मूल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। बताया जाता है कि इस व्यक्ति को आठ घंटे से अधिक समय तक इंतजार करने के बाद भी उपचार नहीं मिला और हृदयघात से उसकी जान चली गई। यह घटना न केवल चिकित्सकों की लापरवाही दर्शाती है, बल्कि भारतीय मूल के लोगों के साथ भेदभाव की ओर भी इशारा करती है।गौरतलब है कि कनाडा में भारतीयों और भारतीय मूल के लोगों की संख्या अच्छी-खासी है। हर साल बड़े पैमाने पर भारतीय युवा वहां उच्च शिक्षा ग्रहण करने जाते हैं। नीति आयोग की हाल की एक रपट के मुताबिक, उच्च शिक्षा हासिल करने के मामले में भारतीय विद्यार्थी के लिए कनाडा पहली पसंद है। इसके बाद अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और जर्मनी का स्थान आता है।पिछले वर्ष कनाडा में सवा चार लाख भारतीय विद्यार्थी अध्ययनरत थे। इसके अलावा कनाडा की नागरिकता लेकर वहां बसे भारतीयों की संख्या पंद्रह लाख से अधिक है। ऐसे में सवाल है कि जो भारतीय पढ़ाई या नौकरी के लिए कनाडा जाते हैं, या जो वहां के स्थायी नागरिक बन गए हैं, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी वहां की सरकार और सुरक्षा एजंसियों की नहीं, तो और किसकी है?हाल के वर्षों में कनाडा में भारतीयों पर हमले की खबरें आए दिन आती रहती हैं, जिससे वहां की कानून व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जगी राहत की उम्मीद

कानून का उद्देश्य केवल अपराध को परिभाषित करना नहीं होता, बल्कि आमजन में यह विश्वास पैदा करना भी होता है कि न्याय सबके लिए समान है। जब यह विश्वास डगमगाने लगता है, तो व्यवस्था के विभिन्न पक्षों में से किसी एक की सजगता भी उम्मीद और राहत की राह दिखाने के लिए काफी होती है।उन्नाव प्रकरण में भी कुछ ऐसा ही हुआ, जब सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा को निलंबित करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगा दी। इसी के साथ यह भी स्पष्ट हो गया कि फिलहाल जेल से उसकी रिहाई नहीं हो पाएगी। शीर्ष अदालत का यह आदेश इसलिए अहम है, क्योंकि पीड़िता ने सेंगर की रिहाई पर अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर खतरे की आशंका जताई थी।यह मामला कितना गंभीर था कि इसे इस बात से समझा जा सकता है कि शीर्ष अदालत के आदेश पर ही इसे उत्तर प्रदेश की निचली अदालत से दिल्ली स्थानांतरित किया गया था। गौरतलब है कि उन्नाव प्रकरण की पीड़िता और उसके परिवार ने दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले के बाद सड़क पर धरना शुरू कर दिया था, लेकिन पुलिस ने उन्हें इसकी इजाजत नहीं दी। इसके बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) ने उच्च न्यायालय के फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी।शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा कि इस मामले में कानून से जुड़े महत्त्वपूर्ण प्रश्न सामने आए हैं, जिन पर विचार किया जाना आवश्यक है। यानी विशेष परिस्थितियों के मद्देनजर उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगाई गई। इस आदेश से निश्चित तौर पर पीड़िता के पक्ष में न्याय की उम्मीद जगी है। इस मामले में सीबीआइ की भूमिका भी अहम रही। उसकी पहलकदमी और मजबूत दलीलों ने कुलदीप सेंगर की किसी भी संभावित रिहाई के रास्ते फिलहाल बंद कर दिए हैं।भाजपा से निष्कासित सेंगर को पाक्सो के तहत दोषी ठहराया गया था। जब यह घटना हुई, उस समय वह विधायक था और आज भी इलाके में उसका खासा प्रभाव देखा जाता है।

बीजेपी ने राज्य में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की प्रक्रिया के तहत यहीं के सी पी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति की कुर्सी तक पहुंचा चुकी है। अगर बीजेपी राज्य में अन्नाद्रमुक के साथ अहम उपस्थिति बनाने में सफल रहती है तो वह राष्ट्रीय स्तर पर कह सकती है कि आने वाले दिनों में राज्य में भी वह मजबूत संख्याबल हासिल कर सकती है। केरल और तमिलनाडु में गंभीर उपस्थिति दक्षिण के प्रश्न प्रदेश को हल करने का मजबूत जरिया बनेगी। लेकिन अगर डीएमके मोर्चा जीतता है तो तय है कि हिंदुत्व विरोधी आक्रामक बयानबाजी का केंद्र दक्षिण बना रहेगा। इसका असर राष्ट्रीय राजनीति पर भी पड़े बिना नहीं रहेगा।

अतीत से सबक, आगत से उम्मीद

(उमेश चतुर्वेदी)

अतीत की घटनाएं और भविष्य के नतीजे आने वाले दिनों पर अपना असर जरूर डालते हैं। इसी वजह से राजनीति हर बार आने वाली घटनाओं के प्रति कुछ ज्यादा ही सचेत रहने की कोशिश करती है, उसे अपने हिसाब से घटित करने का प्रयास करते रहती है। महज दो दिनों बाद ग्रेगोरियन कैलेंडर के पन्ने नए हो जाएंगे। समय का पहिया चलता रहता है। समय के चाक पर हर आगत पल वर्तमान बनता है और फिर अतीत के गोद में समा जाता है। जाते-जाते वह अपनी छाप ही नहीं छोड़ता, कुछ सीख भी दे जाता है। अतीत से प्राप्त अनुभव और सीख की कसौटी पर वह वर्तमान को कसता है और चाहता है कि आने वाला पल अतीत की तुलना में बेहतर गुजरे। मनुष्य की चाहत ऐसी ही होती है। वक्त के पहिये पर सब मनमुताबिक ही घटे-चले तो फिर जीवन चक्र का रोमांच ही खत्म हो जाए। फिर भी मानव की फितरत है, वह आगत को अपने हिसाब से ही घटित होते देखना और भोगना चाहता है। लेकिन क्या ऐसा हो पाता है? अतीत की घटनाएं और भविष्य के नतीजे आने वाले दिनों पर अपना असर जरूर डालते हैं। इसी वजह से राजनीति हर बार आने वाली घटनाओं के प्रति कुछ ज्यादा ही सचेत रहने की कोशिश करती है, उसे अपने हिसाब से घटित करने का प्रयास करते रहती है। महज दो दिनों बाद ग्रेगोरियन कैलेंडर के पन्ने नए हो जाएंगे। इस नए साल में भी राजनीति चुनावी रणनीति बनाने और उन चुनावों से अपने मनमुताबिक नतीजे हासिल करने की कोशिश में जुटी रहेगी। इस नए यानी साल 2026 में देश के प्रमुख पांच राज्यों असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुदुचेरी में विधानसभा के चुनाव होने हैं। इन चुनावों की आहट में राजनीति की दुनिया की पेशानियों पर बल पड़ने लगे हैं। ऐसा होना स्वाभाविक भी है। इसकी वजह है कि इन राज्यों के चुनाव नतीजे तय करेंगे कि आने वाले दिनों में राजनीति की दिशा क्या होगी? इनके नतीजे ही तय करेंगे कि आने वाले दिनों में कमल खिलता रहेगा या हाथ को भारत का साथ मिलेगा। इन नतीजों पर ही निर्भर करेगा कि भारत का भावी नेतृत्व कैसा होगा। यूं तो हर राज्य के विधानसभा चुनाव अपने आप में अहम् होते हैं, लेकिन साल 2026 में होने वाले चुनाव बेहद खास होने जा रहे हैं। असम में विगत दो बार से भारतीय जनता पार्टी सत्ता में है। पिछले विधानसभा चुनाव में यहां की 126 सीटों में से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने 75 सीटें जीती थीं। जिनमें भारतीय जनता पार्टी के खाते में 60 सीटें गई थीं, वहीं उसकी सहयोगी असम गणपरिषद को नौ और अन्य सहयोगी दलों को छह सीटें मिली थीं। जबकि कांग्रेस की अगुआई वाले गठबंधन को 50 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। कांग्रेस ने यहां की जिम्मेदारी अपने तेजतर्रार नेता गौरव गोगोई को दी है। जबकि बीजेपी की अगुआई मुख्यमंत्री हिमंत विस्व सरमा के हाथ है। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के बाद राज्य की मतदाता सूची से 10.56 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जा चुके हैं। कांग्रेस की पूरी कोशिश बीजेपी के हाथ से सत्ता छीनने की है तो बीजेपी की कोशिश उत्तर पूर्व के इस सबसे बड़े राज्य में अपने झंडे को गाड़े रखना है। अगर बीजेपी बनी रही तो उत्तर पूर्व के बहाने उसका राष्ट्रवादी सोच का कारवां बढ़ता रहेगा, लेकिन अगर कांग्रेस सेंध लगाने में सफल रही तो उससे इलाके में कांग्रेसी आधार को जुटाने को बल मिलेगा। असम से सटे पश्चिम बंगाल में भी असम की तरह बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा गर्म है। राज्य के पिछले विधानसभा चुनाव में 294 सदस्यीय विधानसभा में 213 सीटों पर जीत हासिल करके ममता बनर्जी ने सनसनी फैला दी थी, जबकि सत्ता की दावेदार मानी जा रही बीजेपी को महज 77 सीटों से ही संतोष करना पड़ा था। इस बार एसआईआर के चलते राज्य के 7.66 करोड़ मतदाताओं में से 56 लाख के नाम हटाए जा चुके हैं। इसके अलावा चुनाव आयोग को करीब 20 लाख मतदाता अब भी संदिग्ध लग रहे हैं। आयोग के लिहाज से ये मतदाता पहली बार पंजीकृत हुए हैं और इनकी उम्र पैंतालिस साल और उससे ज्यादा है। सवाल यह है कि इतनी बड़ी संख्या में मतदाता अगर राज्य के हैं तो वे अब तक कहां थे और उन्होंने वोटर लिस्ट में नाम क्यों नहीं डलवाया था और अगर राज्य से बाहर थे तो अचानक ही वे यहां क्यों लौट आए। जाहिर है कि इन नए वोटरों और हटाए गए नाम वाले वोटरों की संख्या को लेकर संदेह की स्थिति है। इसे लेकर ममता की तृणमूल कांग्रेस पार्टी जहां आक्रामक है, वहीं बीजेपी नए जुड़े करीब 20 लाख संदिग्ध वोटरों को लेकर जवाबी तौर पर हमलावर है। बहरहाल यह तय है कि इन मुद्दों पर ही राज्य के भावी विधानसभा नतीजे तय होंगे। ऐसे में अगर ममता अपना किला बचाए रखती हैं तो तय है कि बीजेपी के पूर्ववर्ती जनसंघ के संस्थापक श्यामाप्रसाद मुखर्जी के गृहराज्य में भगवा झंडा फहराने का उसका सपना अधूरा रहेगा। फिर ममता के पास तर्क होगा कि आने वाले दिनों में वे ही बीजेपी को केंद्रीय स्तर पर चुनौती दे सकती हैं। अगर नतीजे इसके उलट रहे तो बीजेपी कह सकती है कि आने वाले दिनों में उसके सामने कोई चुनौती नहीं रहने वाली। एक दौर में पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और केरल की ख्याति वामपंथ के गढ़ के रूप में रही है। लेकिन विगत दो चुनावों से यहां वामपंथी किला बचा हुआ है। इसे उलटबांसी ही कहेंगे कि केंद्रीय स्तर पर बीजेपी के खिलाफ खड़ा केरल का वामपंथ कांग्रेस के साथ है। लेकिन राज्य में उसकी लड़ाई कांग्रेस के ही साथ है। वैसे इसी दिसंबर में हुए नगर निकाय चुनावों में बीजेपी ने राज्य की राजधानी तिरूअनंतपुरम् पर कब्जा कर लिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सर्वाधिक सक्रियता वाले राज्यों में शुमार होने के बावजूद केरल अब भी बीजेपी के लिए प्रश्न प्रदेश बना हुआ है। इस बार भी माना जा रहा है कि लड़ाई वाममोर्चे और कांग्रेस की अगुआई वाले मोर्चे के ही बीच रहेगी। बीजेपी की कोशिश इस चुनाव में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाने की ही रहेगी। अगर वह ऐसा करने में सफल रहती है तो सही मायने में अखिल भारतीय पार्टी बनने का वह दावा कर सकती है। अगर वामपंथ यहां से इस बार सत्ता से दूर होता है तो उसकी वापसी की संभावना क्षीण होगी। उसके लिए खतरा यह होगा कि विपक्षी भूमिका में बीजेपी खुद को उभारने की कोशिश करेगी और वह वामपंथ को धीरे-धीरे उसी तरह गायब कर देगी, जैसे उसने त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में कर दिया है। अगर कांग्रेस की अगुआई वाले मोर्चे को जीत मिलती है तो उससे पार्टी का मनोबल बढ़ सकता है। तब बीजेपी विरोधी उसकी केंद्रीय भूमिका को नयी ताकत मिल सकती है। केरल की ही तरह पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में भी बीजेपी तीसरा कोना बनने की कोशिश में लगातार जुटी हुई है। राज्य की 234 सीटों वाली विधानसभा में पिछली बार द्रविड़ मुनेत्र कषगम् यानी डीएमके वाले मोर्चे को 133 सीटों पर जीत मिली थी।

2025 में जब जब दुनिया डगमगाई, मोदी ने आगे बढ़कर संभाल लिया

(नीरज कुमार दुबे)

एनडीए के भीतर मतभेदों को साधते हुए मोदी ने सहयोगी दलों को एकजुट रखा और नए सहयोगियों को जोड़कर गठबंधन का विस्तार भी किया। उनका नेतृत्व सहयोगियों में विश्वास पैदा करने वाला रहा, जिससे एनडीए एक मजबूत और अनुशासित राजनीतिक परिवार के रूप में सामने आया। साल 2025 भारतीय राजनीति और वैश्विक कूटनीति के लिहाज से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की विजयगाथा के रूप में दर्ज हो गया। यह वर्ष केवल मोदी की चुनावी सफलताओं का नहीं रहा, बल्कि भारत की रणनीतिक सोच, आर्थिक मजबूती, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक नेतृत्व के विस्तार का भी साक्षी बना। मोदी ने एक बार फिर यह साबित किया कि उनका नेतृत्व केवल सत्ता संचालन तक सीमित नहीं है, बल्कि वह राष्ट्र को दिशा देने, संकट में निर्णय लेने और दुनिया को भारत की ताकत का अहसास कराने का सामर्थ्य रखता है। 2025 में विभिन्न राज्यों और स्थानीय निकायों के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सफलता के पीछे नरेंद्र मोदी की चुनावी रणनीति और नेतृत्व की स्पष्ट छाप दिखाई दी। मोदी ने जहां एक ओर सुशासन, विकास और राष्ट्रवाद को केंद्रीय मुद्दा बनाए रखा, वहीं दूसरी ओर संगठनात्मक मजबूती पर भी विशेष ध्यान दिया। बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखने, लाभार्थी वर्ग से सीधा संवाद स्थापित करने और विपक्ष की कमजोरियों को उजागर करने की उनकी रणनीति ने भाजपा को बढ़त दिलाई। एनडीए के भीतर मतभेदों को साधते हुए मोदी ने सहयोगी दलों को एकजुट रखा और नए सहयोगियों को जोड़कर गठबंधन का विस्तार भी किया। उनका नेतृत्व सहयोगियों में विश्वास पैदा करने वाला रहा, जिससे एनडीए एक मजबूत और अनुशासित राजनीतिक परिवार के रूप में सामने आया। इसके अलावा, साल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी का रुख पूरी तरह स्पष्ट और सख्त रहा। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों और उनके ठिकानों पर कार्रवाई कर यह संदेश दे दिया कि भारत अब केवल आतंकी घटना की निंदा तक सीमित नहीं रहेगा। यह कार्रवाई न केवल सैन्य दृष्टि से महत्वपूर्ण थी, बल्कि कूटनीतिक स्तर पर भी दुनिया को यह समझाने में सफल रही कि भारत आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर अडिग है। मोदी के इस साहसिक निर्णय ने देशवासियों में सुरक्षा का भरोसा मजबूत किया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भारत की छवि एक निर्णायक शक्ति के रूप में और सुदृढ़ हुई। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5961

2	9			7	4			
	1					4		
6	7		9		5			
	8		2		6			
	6		8	4	7		2	
			5		1		8	
			7		8		9	2
		6					1	
			4	1			5	8

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5960

1	8	5	7	4	9	2	3	6
7	9	4	2	6	3	8	5	1
3	6	2	8	1	5	7	4	9
9	4	7	1	3	8	5	6	2
5	2	1	9	7	6	3	8	4
8	3	6	5	2	4	1	9	7
6	1	3	4	5	2	9	7	8
2	5	8	6	9	7	4	1	3
4	7	9	3	8	1	6	2	5

आज का राशिफल

मेष

नया साल का पहला दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। अपने गृहस्थ जीवन को सही रखने के लिए जीवनसाथी के प्रति ईमानदार होना जरूरी है। ग्रहों की चाल बता रही है कि आपको भाग्य का भी आज के दिन पूरा साथ मिलेगी। इससे अचानक ही किसी जटिल काम के बन जाने से आर्थिक लाभ की संभावना है।

वृष

आज का दिन शुभ रहने वाला है। आपका काम करने का तरीका नया है। किसी भी जटिल कार्य को आसानी से पूरा कर देने में आपको ज्यादा वक्त नहीं लगता है। आज भी किसी ऐसी ही समस्या पर वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आपके ऊपर जायेगा। अगर मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा तो परिश्रम करने में कठिनाई होगी।

मिथुन

साल की शुरुआत दिन थोड़ा व्यस्त रहने वाला है। आपको कोई ज्यादा महत्वपूर्ण और जरूरी काम सौंपा जा सकता है या हो सकता है कि सौंप दिया हो। ऐसे में आपको बिना किसी सोच-विचार के अपने कर्तव्यों का पालन करना होगा। कार्य को सफलता से पूरा करने पर आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

कर्क

कई बार आप न चाहते हुए भी ऐसे दौर में फंस जाते हैं जहां से निकलने पर काफी जद्दोजहद करनी पड़ती है। अगर मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा तो परिश्रम करने में कठिनाई होगी। आज भी कारोबार की कुछ ऐसी ही उलझन आपको परेशान कर रही है। यदि आप अपना मार्ग सरल और सीधा बनाना चाहते हैं तो आप वहीं करें जिससे तत्काल लाभ नहीं मिलता है।

सिंह

आज यात्रा में आपका धन नष्ट हो जाएगा। यदि धन कमाने के ये जोखिम भरे कदम सभी को रास आते तो लोग मेहनत मजदूरी क्यों करते। बेहतर है आप कारोबार के अपने पुराने रास्ते पर ध्यान दें। अगर मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा तो परिश्रम करने में कठिनाई होगी। आए दिन हो रहे नुकसान से बचने पर ध्यान दें।

कन्या

आज सुबह से ही कुछ अजीब सा माहौल आपके आगे पीछे बना रहेगा। घर के दैनिक कार्य भी कुछ अड़चनों के बाद ही पूरे हो रहे हैं। काफी दिनों से व्यापार व्यवसाय की स्थितियां भी नाजुक चल रही हैं। व्यापार क्षेत्र में जो उतार चढ़ाव आया है वह सिर्फ आपके लिए ही नहीं है।

तुला

आज किसी भारी काम का बोझ आ सकता है। इसके लिए आपको अपने काम से छुट्टी भी लेनी पड़ सकती है। अगर आप किसी उद्योग का संचालन कर रहे हैं तो छोटे कर्मचारियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखना ना भूलें। नहीं तो आपको भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। सके चलते भविष्य में आपको फायदा मिलेगा।

वृश्चिक

आज का दिन आपको सिख देने वाला रहेगा। दूसरे के अधिकार क्षेत्र में घुसकर अपना वर्चस्व कायम रखने की पुरानी आदत को बदलना होगा। इसके कारण लोगों के बीच में आपकी आलोचना भी हो सकता है। अच्छा अधिकारी बनने के लिए आपको पहले अच्छा कर्मचारी बनना होगा। अगर मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा तो परिश्रम करने में कठिनाई होगी।

मकर

आज के दिन विवादों से दूर रहने की कोशिश करनी होगी। सहयोगियों और वरिष्ठ अधिकारियों से ज्यादा तर्क वितर्क नहीं करने से बचें। कारोबार और व्यापार में जो उतार चढ़ाव आया है उसे संभालना आवश्यक है। यदि आपको सफल होना है तो इस दौर में जो हालात हैं उनके साथ समझौता करना ही बुद्धिमानी होगी।

कुंभ

लंबे समय से चल रहा कठिन समय अब खत्म होता दिख रहा है। यात्रा का योग है। ऐसे में आपका मन एकांत में कुछ समय गुजारने का करेगा। यह समय अपने स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देने का है। अगर मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा तो परिश्रम करने में कठिनाई होगी। इसके कारण लोगों के बीच में आपकी आलोचना भी हो सकता है।

धनु

कामकाज की रफ्तार आज के दिन थोड़ी धीमी रहेगी। हालांकि, आज आपके अंदर खूब सारी एनर्जी और उत्साह का संचार होगा। छुट्टी के बावजूद आपका मन सभी कार्यों को निपटाने का करेगा। लेकिन, कार्यक्षेत्र में काम उतनी रफ्तार से हो नहीं पाएगा, जितना आप सोच रहे हैं। ऐसे में आपको सारी चीजें अपने कंट्रोल में लेनी पड़ सकती है।

मीन

आज धन कमाने के लिए कई प्रकार के रास्ते आपके सामने आएंगे। हालांकि, सहयोगी और पार्टनर के साथ किसी बात पर मतभेद हो सकता है। कमाई करने के लिए कोई भी रास्ता बुरा नहीं है। किसी भी प्रतियोगिता में हार जीत होती रहती है। इस सोच के साथ आपको आगे बढ़ना होगा। अगर मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा तो परिश्रम करने में कठिनाई होगी।

वर्ग पहेली 5961

1	2	3	4	■	5	6	7
8				■	9		
	■	■	10	11		■	
12	13	14	■	15		16	■
■	17		■	18			19
20		■	21			■	
	■	22		■	■	23	
24		■	25				■

संकेत: बाएं से दाएं
1. पश्चिमी भारत का एक राजय जिसकी उत्तरी पश्चिमी सीमा जो अंतर्राष्ट्रीय सीमा भी है (4)
5. यह कुल्लु घाटी के उत्तरी छोर के निकट व्यास नदी की घाटी में स्थित भारत के हिमाचल प्रदेश राज्य की पहाड़ियों का एक महत्वपूर्ण पर्वतीय स्थल है (3)
8. लय करने वाला (4)
9. ब्रोकर, मध्यस्थ, बिचौलिया (3)
10. जंगल, अरण्य, वन (3)
12. स्तुति वादक को यह कहा जाता है (3)
15. यह एक हिंदुस्तानी शास्त्रीय राग है (3)
17. पेंदा, नीचे की सतह (2)
18. दयालु, कृपालु (4)
20. स्वर्ण-चांदी का व्यवसाय करने वाला (2)
21. यह यूरोप महाद्वीप में स्थित है इस देश के लोगों को यवन कहा जाता है (3)
22. मननशील महात्मा (2)
23. खत, चिट्ठी (2)
24. बेटी का बेटा यह कहलाता है (2)
25. बूंद-बूंद करके गिरना (4)

ऊपर से नीचे
1. फूलों का गुच्छा (4)
2. महत्वपूर्ण विजय, सफलता (2)
3. पूर्णिमा की रात को यह भी कहते है (2)
4. प्रकार, ढंग, युक्ति, उपाय (3)
5. एक दिवंगत फिल्म संगीतकार जिनका निधन 14 जुलाई 1975 को हुआ था (6)
6. गंदा पानी बहने का जल मार्ग (2)
7. गले के नीचे पेट में उतरना, निगलना (3)
11. मना करना, न मानना (4)
13. अपने देश का निवासी (3)
14. बीता या आने वाला दिन (2)
16. एक प्रकार का श्वास रोग (2)
19. तारा, सितारा, ज्योतिष्क देवता (3)
20. विचार करना, कल्पना करना (3)
21. सैल, दस्सा, इकाई (3)
23. कच्चे आम या इमली का बनाया गया खट्ठा-मीठा पेया पदार्थ (2)

वर्ग पहेली 5960 का हल

अ	म	र्त्य	से	न	■	म	क्ष
म	न	■	ना	य	क	न	■
ज	का	र्ता	■	न	र	मा	दा
द	■	■	ला	वा	■	ना	व
अ	जा	न	■	रि	पु	■	त
ली	■	ट	का	■	ल	ग	ना
खां	स	ना	■	ग्रा	■	र	मा
■	दी	■	रा	म	र	ज	■

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

मशहूर क्रिकेटर सिंकदर रजा के भाई की मौत

● 13 साल की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

हरारे (एजेंसी)। जिम्बाब्वे क्रिकेट समुदाय के लिए यह सप्ताह बेहद भावनात्मक और दुखद खबर लेकर आया। राष्ट्रीय टी-20 कप्तान और टीम के सबसे भरोसेमंद ऑलराउंडर सिकंदर रजा के परिवार पर गहरा आघात लगा है। उनके छोटे भाई मुहम्मद महदी जो मात्र 13 वर्ष के थे, के असामयिक निधन की खबर ने न सिर्फ जिम्बाब्वे बल्कि पूरी क्रिकेट दुनिया को स्तब्ध कर दिया। यह व्यक्तिगत क्षति ऐसे समय में सामने आई है, जब रजा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और बड़े टूर्नामेंट्स की तैयारियों में व्यस्त हैं। क्रिकेट फैंस और खिलाड़ी इस कठिन घड़ी में रजा और उनके परिवार के साथ खड़े हैं।

जिम्बाब्वे क्रिकेट का आधिकारिक बयान

ज़िम्बाब्वे क्रिकेट ने इस दुखद घटना की पुष्टि करते हुए एक भावुक बयान जारी किया। बोर्ड ने बताया कि सिकंदर रज़ा के छोटे भाई मुहम्मद महदी का 29 दिसंबर 2025 को हरारे में 13 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। ष्ट ने रज़ा और उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि बोर्ड, मैनेजमेंट, खिलाड़ी और स्टाफ इस मुश्किल समय में उनके साथ एकजुटता से खड़े हैं।

बीमारी से लंबी जंग के बाद विदाई

मुहम्मद महदी जन्म से ही हीमोफीलिया जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। हाल के दिनों में उनकी तबीयत बिगड़ने के कारण यह दुखद घटना हुई। उन्हें 30 दिसंबर 2025 को हरारे के वॉरेन हिल्स कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस खबर ने रज़ा परिवार के साथ-साथ क्रिकेट समुदाय को भी गहरे शोक में डाल दिया।

सिकंदर रजा की भावुक प्रतिक्रिया

इस कठिन घड़ी में सिकंदर रज़ा ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी भावनाएं जाहिर कीं। उन्होंने ज़िम्बाब्वे क्रिकेट के बयान को साझा करते हुए टूटे हुए दिल का इमोजी पोस्ट किया, जिसने उनके दर्द को शब्दों के बिना ही बयां कर दिया। फैंस और साथी खिलाड़ियों ने भी उनके पोस्ट पर संवेदनाएं प्रकट कीं।

एसए 20 में पार्ल रॉयल्स की जीत

सनराइजर्स ईस्टर्न केप को 5 विकेट से हराया ;डेविड मिलर ने खेली 71 रन की नाबाद पारी

सेंट जॉर्ज पार्क (एजेंसी)। सेंट जॉर्ज पार्क में खेले गए स्र20 लीग मुकाबले में पार्ल रॉयल्स ने कप्तान डेविड मिलर की नाबाद अर्धशतकीय पारी के दम पर सनराइजर्स ईस्टर्न केप को 5 विकेट से हरा दिया। 150 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल्स ने 2 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की।

सनराइजर्स ईस्टर्न केप की पारी – टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सनराइजर्स ईस्टर्न केप की टीम 20 ओवर में 149 रन ही बना सकी। जॉर्डन हरमन ने सर्वाधिक 47 रन बनाए, जबकि जॉनी बेयरस्टो ने 33 रन की पारी खेली। कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स ने 16 गेंदों में 17 रन बनाए और मार्को यानसन ने 9 गेंदों पर 17 रन जोड़े। बाकी बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं कर सके। पार्ल रॉयल्स की ओर से 19 साल के तेज गेंदबाज नकोबानी मोकोएना ने अपने स्र20 करियर के दूसरे ही मैच में 4 विकेट झटके। उन्होंने 4 ओवर में 34 रन दिए। वहीं ऑटनील बार्टमैन ने घरेलू मैदान पर 3/36 के आंकड़े दर्ज किए।

भारतीय खेलों के लिए व्यस्त रहेगा... 2026

टी20 विश्व कप सहित इन खेलों पर नजर

● साल की पहली तिमाही क्रिकेट को समर्पित होगी क्योंकि देश के पसंदीदा खेल में इस साल तीन विश्व कप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खेलों के लिए वर्ष 2026 रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहने वाला है जिसमे विभिन्न खेलों में विश्व खिताब दाव पर होंगे और ओलंपिक क्वालीफिकेशन का नया सत्र शुरू होगा जिससे लॉस एंजिलिस खेल 2028 के टिकट कटाने का मौका मिलेगा। भारत के नए और पुराने खिलाड़ी अगले साल की चुनौतियों के लिए तैयार हो रहे हैं, ऐसे में नए साल के खेल कैलेंडर पर नजर डाली है।

अंडर-19 विश्व कप, टी20 विश्व कप

साल की पहली तिमाही क्रिकेट को समर्पित होगी क्योंकि देश के पसंदीदा खेल में इस साल तीन विश्व कप हैं। यह 15 जनवरी से 6 फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में 50 ओवर के अंडर-19 विश्व कप से शुरू होगा, जहां वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे जैसे उभरते हुए युवा सितारों पर करीब से नजर रखी जाएगी। अंडर-19 विश्व कप फाइनल के एक दिन बाद सीनियर पुरुष टीम भारत और श्रीलंका की मेजबानी में 7 फरवरी से 8 मार्च तक होने वाले टी20 विश्व कप में खिताब के बचाव के लिए उतरेगी। आस्ट्रेलियाई ओपन 12 जनवरी से एक फरवरी के बीच आयोजित होगा लेकिन भारत की चुनौती असरदार नहीं है।
बैडमिंटन आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप तीन मार्च से शुरू होगी जिसमें पी वी सिंधू और बाकी भारतीय खिलाड़ी 2025 की नाकामी से उबरना चाहेंगे। भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है कि एक मार्च से ऑस्ट्रेलिया में शुरू हो रहे एएफसी महिला एशियाई कप में लंबे समय बाद भारतीय टीम खेलते नजर आएगी।

राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और डायमंड लीग

राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से दो अगस्त तक ग्लास्गो में आयोजित होंगे जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और भारोत्तोलन में देखने को मिलेगा। निशानेबाजी, कुश्ती और हॉकी जैसे खेलों को बजट में कटौती के लिए रोस्टर से हटा दिया गया है। इन खेलों के बाद दिल्ली में 17 अगस्त से विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप होनी है। नीदरलैंड और बेल्जियम में 14 अगस्त से हॉकी विश्व कप शुरू होगा। भारतीय पुरूष टीम एशिया कप जीतकर विश्व कप का टिकट कटा चुकी है जबकि महिला टीम मार्च में हैदराबाद में क्वालीफायर खेलेगी। इसी दौरान भुवनेश्वर में 22 अगस्त से विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर रजत स्तर का टूर्नामेंट होगा। जापान के नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक एशियाई खेलों का आयोजन होगा। इसमें हॉकी में स्वर्ण जीतने वाली टीम लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 का टिकट कटायेगी जबकि निशानेबाजी में भी कोटा स्थान होंगे। एथलेटिक्स में डायमंड लीग फाइनल चार से पांच सितंबर तक ब्रसेल्स में होगा। शतरंज ओलंपियाड का 46वां सत्र सितंबर में ताशकंद में खेला जाएगा।

कुश्ती, भारोत्तोलन और आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप

बहरीन में 24 अक्टूबर से विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप होगी। इसके बाद भारोत्तोलन विश्व चैम्पियनशिप 27 अक्टूबर से आठ नवंबर तक खेली जाएगी। एक नवंबर से दोहा में आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप होगी। दिसंबर में विश्व शतरंज चैम्पियनशिप होगी जिसकी तारीख और स्थान अभी तय नहीं है।

एशियाई मुक्केबाजी और भारोत्तोलन चैम्पियनशिप, महिला टी20 विश्व कप

मार्च के आखिर से अप्रैल तक साइप्रस में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट खेला जाएगा जिससे विश्व चैम्पियनशिप खिताब के चैलेंजर का पता चलेगा। अभी भारत के डी गुकेश विश्व चैम्पियन हैं। मंगोलिया में एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप खेली जाएगी। दोनों टूर्नामेंट 28 मार्च से शुरू होंगे जिसमें ओपन वर्ग में भारत के आर प्रज्ञानानंदा और महिला वर्ग में आर वैशाली, कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख भाग लेंगे। शतरंज टूर्नामेंट 16 अप्रैल तक चलेगा और मुक्केबाजी टूर्नामेंट 11 अप्रैल को खत्म होगा।एशियाई भारोत्तोलन चैम्पियनशिप एक से 10 अप्रैल तक अहमदाबाद में खेली जाएगी। इसके बाद 24 अप्रैल से तीन मई तक थॉमस और उबेर कप बैडमिंटन खेला जाएगा। इसके कुछ दिन बाद आईटीटीएफ विश्व टीम टेबल टेनिस चैम्पियनशिप फाइनल्स लंदन में 28 अप्रैल से दस मई तक चलेगा जिसके लिए भारतीय महिला और पुरूष टीमों ने क्वालीफाई कर लिया है। जून में महिला टी20 विश्व कप होगा जिसमें हरमनप्रीत कौर की टीम 2025 में वनडे विश्व कप की सफलता को दोहराना चाहेगी। एथलेटिक्स सत्र की शुरूआत मई में डायमंड लीग से होगी जिसमें भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा पर नजरें होंगी। मई में फ्रेंच ओपन और जून में विम्बलडन खेला जायेगा। इसके बाद अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में संयुक्त रूप से फीफा विश्व कप फुटबॉल का आयोजन होगा।

ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 विश्व कप 2026 के लिए टीम की घोषणा की

● स्पिनरों पर जताया भरोसा

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने टी20 विश्व कप 2026 के लिए टीम की घोषणा कर दी है। ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं ने भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप के लिए उपमहाद्वीप की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अपनी टीम में स्पिन गेंदबाजों को प्राथमिकता दी है। टी20 विश्व कप 2021 के विजेता ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को यहां 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। टी20 से संन्यास ले चुके मिशेल स्टार्क की अनुपस्थिति में किसी भी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को टीम में शामिल न करने का फैसला किया। कूपर कॉनोली को टीम में शामिल किया गया है जबकि वह ऑस्ट्रेलिया के पिछले 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से किसी में भी नहीं खेले हैं। स्टार्क ने पिछले छह टी20 विश्व कप में से केवल एक में भाग नहीं लिया है, लेकिन उन्होंने पिछले साल के अंत में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस प्रारूप से संन्यास ले लिया था। ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट का अपना पहला मैच 11 फरवरी को कोलंबो में आयरलैंड के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद वह 13 फरवरी को कोलंबो में जिम्बाब्वे से भिड़ेगा और फिर 16 फरवरी को कैंडी में श्रीलंका और 20 फरवरी को ओमान के खिलाफ मैच खेलेगा। इस महीने के अंत में पैट कमिंस की पीठ का स्कैन होने पर यह तय होगा कि वह टूर्नामेंट में खेलेंगे या नहीं। जोश हेज़लवुड और टिम डेविड दोनों हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नियमों के अनुसार कोई भी टीम 31 जनवरी तक अपनी टीम में बदलाव कर सकती है। ऑस्ट्रेलिया इस महीने के आखिर में पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला खेलेगा।

ऑस्ट्रेलिया की टीम

मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कॉनोली, पैट कमिंस, टिम डेविड, कैमरन ग्रीन, नाथन एलिस, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा।

उस्मान ख्वाजा सिडनी टेस्ट से पहले संन्यास पर लेंगे फैसला

सिडनी (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी। द ऑस्ट्रेलियन के अनुसार अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई ओपनर उस्मान ख्वाजा सिडनी में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी एशेज टेस्ट से पहले अपने टेस्ट से संन्यास पर चुप्पी तोड़ने वाले हैं। उम्मीद है कि ख्वाजा सिडनी टेस्ट से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके अपनी योजनाओं को साफ करेंगे। ख्वाजा पिछले दो सालों से टेस्ट क्रिकेट में खराब प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने पिछले दो सालों में 25.93 और 36.11 की औसत से रन बनाए हैं। 2025 में ऑस्ट्रेलियाई ओपनर ने 18 पारियों में 614 रन बनाए, जिसमें एक अर्धशतक और एक शतक शामिल है। ख्वाजा ने अपना एकमात्र शतक श्रीलंका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के जनवरी-फरवरी 2025 के दौरे के दौरान बनाया था जिसमें उन्होंने पहले टेस्ट की पहली पारी में 232 रनों की बड़ी पारी खेली थी। मौजूदा एशेज सीरीज में 39 साल के ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया के लंबे समय से ओपनर के तौर पर शुरुआत की थी। पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी के दौरान पीठ में ऐंठन के कारण ख्वाजा बल्लेबाजी करने नहीं आए।

वह ब्रिस्बेन टेस्ट से बाहर रहे और शुरू में एडिलेड के लिए भी उन्हें टीम

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने भगवान महाकाल के दर्शन के साथ की साल 2026 की शुरुआत

उज्जैन, एजेंसी। साल 2025 में सफलता की नई कहानी लिखने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने नए साल की शुरुआत उज्जैन स्थित भगवान महाकाल के दर्शन के साथ की है। गुरुवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सदस्यों ने महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग में भगवान शिव का दर्शन किया और सुबह की भस्म आरती में हिस्सा लिया। महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने वाली खिलाड़ियों में स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर, स्नेह राणा, राधा यादव और अरुंधति रेड्डी शामिल थीं। विश्व कप 2025 में चैंपियन बनने वाली भारतीय टीम के सदस्यों ने नए साल की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने के लिए भगवान शिव से आशीर्वाद मांगा। सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने अपने सोशल मीडिया पेज एक्स पर

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग दर्शन की तस्वीरें साझा की हैं। साथ ही अपने फैंस को नए साल की शुभकामनाएं दी हैं। तस्वीरों में शेफाली वर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर और स्नेह राणा के साथ पारंपरिक कपड़ों में नजर आ रही हैं। शेफाली ने कैप्शन में लिखा, 'सभी को नया साल मुबारक हो। 2026 शानदार हो। ' रेणुका सिंह ठाकुर ने भी मंदिर के दर्शन की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'नए साल की शुरुआत आस्था, भक्ति और महादेव के आशीर्वाद के साथ। सभी को 2026 की शुभकामनाएं। भारतीय खिलाड़ियों ने पिछले साल महिला विश्व कप के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ अहम मैच से पहले भगवान महाकाल का दर्शन किया था। महिला टीम ने मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर घरेलू विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई थी।

2025 में भारतीय महिला टीम को वनडे में 65.22 जीत

● हरमनप्रीत की कप्तानी में वर्ल्ड कप जीता; मंधाना ने 23 वनडे मैचों में 1362 रन बनाए

नईदिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 भारतीय महिला क्रिकेट के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार आईसीसी महिला वर्ल्ड कप का खिताब जीतकर दशकों का इंतजार खत्म कर दिया। फाइनल मुकाबले में भारत ने साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराकर 2005 और 2017 के फाइनल में मिली निराशा का बदला चुकता किया।

साल 2025 में भारत का वनडे प्रदर्शन भी शानदार रहा। टीम इंडिया ने कुल 23 वनडे मैच खेले, जिनमें 15 में जीत, 7 में हार और 1 मैच बेनतीजा रहा। इस दौरान भारत का जीत प्रतिशत 65.22 रहा, जो टीम की निरंतरता और मजबूती को दर्शाता है।

तीन लगातार हार के बाद ऐतिहासिक वापसी – वर्ल्ड कप के बीच में भारतीय टीम मुश्किल दौर से गुजरी। साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ लगातार तीन मैच हारने के बाद भारत को लगभग टूर्नामेंट से बाहर माना जा रहा था। लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ 53 रन की जीत ने टीम की किस्मत बदल दी।

सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ने 339 रन का लक्ष्य हासिल किया, जो पुरुष या महिला में किसी भी वर्ल्ड कप नॉकआउट

मुकाबले में अब तक का सबसे बड़ा रन चेज रहा।

स्मृति मंधाना का रिकॉर्ड तोड़ साल – साल 2025 स्मृति मंधाना के करियर का सबसे यादगार साल साबित हुआ। उन्होंने 23 वनडे मैचों में 1362 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 61.90 और स्ट्राइक रेट 109.92 रहा। मंधाना ने साल में 5 शतक और 5 अर्धशतक लगाए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महज 50 गेंदों में शतक जड़कर उन्होंने भारतीय क्रिकेट का सबसे तेज वनडे शतक लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया। वर्ल्ड कप में उन्होंने 9 मैचों में 434 रन बनाए और टूर्नामेंट की दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं। साल 2025 स्मृति मंधाना ने 23 वनडे मैचों में 1362 रन बनाए।

दीप्ति शर्मा की ऐतिहासिक उपलब्धि – ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। उन्होंने वर्ल्ड कप में 215 रन बनाए और 22 विकेट झटके। दीप्ति वर्ल्ड कप इतिहास की पहली खिलाड़ी बनीं, जिन्होंने एक ही टूर्नामेंट में 200+ रन और 20+ विकेट का डबल पूरा किया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने दबाव में 58 रन की अहम पारी खेली और गेंदबाजी में 5/39 के शानदार आंकड़े दर्ज किए।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

निर्माणाधीन पुल के पास युवक की संदिग्ध स्थिति में मौत, 30 फीट गड्ढे में मिला शव

निज संवाददाता | नवनीगर (औरंगाबाद)

जिले में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां निर्माणाधीन पुल के पास युवक की मौत हो गई। यह घटना नवीनगर प्रखंड के टंडवा थाना क्षेत्र अंतर्गत देवीकांडी गांव के समीप उत्तर कोयल नहर मार्ग की है। मृतक की पहचान देवीकांडी गांव निवासी 41 वर्षीय रोशन कुमार सिंह के रूप में हुई है। हादसे को लेकर प्रथम दृष्टया सड़क दुर्घटना की आशंका जताई जा रही है। परिजनों के अनुसार रोशन कुमार सिंह बुधवार देर रात गांव से नबीनगर स्थित अपने आवास के लिए निकले थे, लेकिन वहां नहीं पहुंच सके। रात में उनके न लौटने पर परिजनों को लगा कि वह किसी कारणवश गांव में ही रुक गए होंगे। गुरुवार सुबह जब स्थानीय लोग नहर की ओर गए तो निर्माणाधीन पुल के पास सड़क पर उनकी बुलेट बाइक खड़ी मिली, जबकि रोशन कुमार सिंह करीब 30 फीट नीचे गड्ढे में गिरे हुए पाए गए। इसकी सूचना तत्काल परिजनों को दी गई, जिसके बाद वे घटनास्थल पर पहुंचे। सूचना मिलते ही टंडवा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल भेजा गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक के चचेरे भाई गजेंद्र कुमार सिंह और बबलू ने बताया कि रोशन कुमार सिंह छत्तीसगढ़ के रायपुर में रहकर निजी नौकरी करता था और करीब एक माह पहले ही गांव आया था।

दो बाइकों की टक्कर में एक युवक की मौत, केक लेने जाते समय हुआ हादसा

निज संवाददाता | ओबरा (औरंगाबाद)

ओबरा थाना क्षेत्र में दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना गीरा गांव के पास खरांटी–महुआवां पथ पर हुई। मृतक की पहचान झुकलाही गांव निवासी चुन्नू पासवान के 20 वर्षीय पुत्र अंबिका कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार अंबिका कुमार अपने जीजा और एक दोस्त के साथ बाइक से ओबरा बाजार जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही दूसरी बाइक से जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें दोनों बाइकों पर सवार कुल पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पहले ओबरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां अंबिका की हालत गंभीर देखते हुए उसे औरंगाबाद सदर अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि अंबिका चेन्नई की एक निजी कंपनी में काम करता था और एक सप्ताह पहले ही घर लौटा था। नए साल के मौके पर वह दोस्त का जन्मदिन मनाने के लिए केक लेने जा रहा था। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया है और गांव में शोक का माहौल है। घटना की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराया।

नववर्ष पर देव सूर्य मंदिर का डीएम–एसपी ने किया निरीक्षण, सुरक्षा और व्यवस्थाओं का लिया जायजा

निज सांवददाता | देव (औरंगाबाद)

नववर्ष के अवसर पर 01 जनवरी 2026 को जिला पदाधिकारी औरंगाबाद अभिलाषा शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक औरंगाबाद अंबरीष राहुल द्वारा विधि-व्यवस्था की दृष्टि से देव प्रखंड स्थित प्रसिद्ध देव सूर्य मंदिर का संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य नववर्ष पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा, सुविधा और शांति व्यवस्था सुनिश्चित करना था। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने मंदिर परिसर और आसपास की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया तथा संबंधित पदाधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा प्रबंध और विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्थिति में श्रद्धालुओं को असुविधा नहीं होनी चाहिए और सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहनी चाहिए।

किसान की गला रेतकर हत्या, घर से 50 मीटर दूर मिला शव

निज संवाददाता | बारूण (औरंगाबाद)

नए साल के पहले ही दिन औरंगाबाद जिले में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। बारुण थाना क्षेत्र में एक किसान की गला रेतकर हत्या कर दी गई। मृतक का शव उसके घर से महज 50 मीटर की दूरी पर नेशनल हाईवे-19 के किनारे एक टायर दुकान के पास गड्ढे से बरामद किया गया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की पहचान बारुण थाना क्षेत्र के सिंदुरिया गांव निवासी रमेश सिंह के 45 वर्षीय पुत्र दिलीप सिंह उर्फ मीरिंडा के रूप में की गई है। गुरुवार सुबह जब ग्रामीण उस ओर पहुंचे तो टायर दुकान के बगल में स्थित गड्ढा अरंडी के पौधों और पत्तों से ढका हुआ दिखा। पास में खून के धब्बे देखकर ग्रामीणों को अनहोनी की आशंका हुई। जब पौधों को हटाकर देखा गया तो दिलीप सिंह का खून से लथपथ शव गड्ढे में पड़ा मिला। इसके बाद ग्रामीणों ने तुरंत परिजनों और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल से एक धारदार हथियार भी बरामद किया गया है, जिससे हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है।

दाउदनगर थाना परिसर में घोड़े शाह बाबा का सालाना उर्स श्रद्धा के साथ संपन्न

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

दाउदनगर थाना परिसर में स्थित हजरत इस्माइल शाह उर्फ सैय्यदना घोड़े शाह बाबा तथा मौलाबाग स्थित गाजी नवाब असमद खां साहब का सालाना उर्स गुरुवार को पूरी आस्था, परंपरा और भाईचारे के वातावरण में दाउदनगर थाना परिवार द्वारा मनाया गया। इस अवसर पर सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु दोनों मजारों पर पहुंचने लगे, जो देर रात तक जारी रहा। उर्स के दौरान श्रद्धालुओं ने चादरपोशी कर फातिहा पढ़ी और अमन-चैन, सुख-समृद्धि व शांति की दुआ मांगी। पूरे दिन मजारों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही और धार्मिक माहौल कायम रहा। गुरुवार की शाम दाउदनगर थाना परिसर से विधिवत चादरपोशी जुलूस निकाला गया। यह जुलूस नगर के विभिन्न बाजार मार्गों से होते हुए मौलाबाग स्थित गाजी नवाब असमद खां साहब की मजार तक पहुंचा, जहां परंपरागत तरीके से चादरपोशी की गई। जुलूस के दौरान पूरे इलाके में आपसी सौहार्द और भाईचारे का संदेश देखने को मिला।

जुलूस में पुलिस इंस्पेक्टर जीतेंद्र कुमार, दाउदनगर थाना प्रभारी विकास कुमार, एएसआई सत्येंद्र तिवारी, मनोज कुमार सहित कई पुलिस पदाधिकारी शामिल रहे। वहीं उर्स कमेटी की ओर से मुन्ना अजीज, सफदर हयात, अनवर फहीम समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। सभी ने एक साथ देश और समाज में अमन व भाईचारे की कामना की। उर्स के अवसर पर हजरत घोड़े शाह बाबा के मजार परिसर और थाना परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से पूरा परिसर जगमगा उठा।

तीन जनवरी तक स्कूलों में छुट्टी का आदेश

औरंगाबाद (एसवी.वी. सं.)। जिले में लगातार बढ़ती ठंड और शीतलहर को देखते हुए जिला प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाया है। शीतलहर की स्थिति बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर रूप से हानिकारक मानी जा रही है। इसे ध्यान में रखते हुए जिला दंडाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार औरंगाबाद जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों, निजी कोचिंग संस्थानों, प्री-स्कूल तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में कक्षा 5वीं तक की सभी शैक्षणिक गतिविधियों पर 01 जनवरी से 03 जनवरी तक पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। वहीं कक्षा 6वीं से 12वीं तक के सरकारी एवं निजी विद्यालयों तथा कोचिंग संस्थानों में शैक्षणिक गतिविधियां उक्त अवधि में पूर्वाह्न 11:00 बजे से पहले और अपराह्न 03:30 बजे के बाद संचालित नहीं की जाएंगी। हालांकि परीक्षा को ध्यान में रखते हुए संचालित की जाने वाली विशेष कक्षाओं को इस आदेश से मुक्त रखा गया है। जिला प्रशासन ने विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया है कि आदेश का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। प्रशासन की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया है कि ठंड और मौसम की स्थिति की लगातार समीक्षा की जा रही है। परिस्थितियों के अनुसार आगे आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे। जिला प्रशासन के इस फैसले से अभिभावकों ने राहत की सांस ली है।

नववर्ष के अवसर पर शुभकामनाओं के साथ
ग्रामीण कार्य विभाग
कार्य प्रमंडल : शेरघाटी (गया)
ग्रामीण सड़कों को बेहतर एवं मजबूत बनाने हेतु विभाग द्वारा क्रियान्वित योजनाएं :
» मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना
» मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना
» मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ अनुरक्षण कार्यक्रम
» मुख्यमंत्री टोला संपर्क निश्चय योजना
» मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना अंतर्गत ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन कार्यक्रम
» मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना
मजबूत सड़कें समृद्ध गांव
ई. ब्रज किशोर प्रसाद
कार्यपालक अभियंता
गांव-गांव तक पहुंची सड़क और समृद्धि

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
डा. चन्द्रशेखर प्रसाद
शिशु रोग विशेषज्ञ
पुरानी जी.टी. रोड, औरंगाबाद

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
ई. अरूण कुमार सिंह
मोर्डन हाउस डिजाईनर
क्लब रोड, औरंगाबाद

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
डा. निर्मल कुशवाहा
वरीय जदयू नेता
माता देवरानी चिकित्सालय
डेहरी ऑन सोन (रोहतास)
गरीब मरीजों का ईलाज बहुत ही कम खर्च में किया जाता है

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
शांता नर्सिंग इंस्टिट्यूट
बिहार सरकार और राज्य नर्सिंग काउंसिल द्वारा मान्यता प्राप्त
Indian Nursing Council से Approved
अब नर्सिंग की पढ़ाई, औरंगाबाद में हुई आसान...
नामांकन प्रारंभ
ANM
Auxiliary Nurse and Midwife
द्विवर्षीय पाठ्यक्रम
> Hostel Available
> Calm and polite Atmosphere
> Top Class Infrastructure
> Experienced Guidance
सम्पर्क करें : 9546392904, 7991187121
डॉ. शोभा रानी सिन्हा (निदेशक)
ग्रोथ सेंटर, जसोइया मोड़, औरंगाबाद

तरक्की (N.G.O.)
राजा बागीचा, रफीगंज, औरंगाबाद (बिहार)
की ओर से आप सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
मिनहाजुल एकराम फरोग
सचिव, तरक्की (N.G.O.)

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
रोहतास डेयरी प्रोजेक्ट
डेहरी ऑन सोन
रोहतास (बिहार)
COMFED Sudha
अमित आनंद
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं
राजमुनी देवी बी.एड. कॉलेज
एन. एच.- 2, मंजुराही (जसोइया मोड़ के नजदीक) औरंगाबाद (बिहार)
बीएड एवं डीएलएड की पढ़ाई की सुविधा
''शिक्षक बनने का आपका सपना यहाँ होगा साकार''
''भविष्य के शिक्षको को तैयार करने वाला अग्रणी संस्थान''
नामांकन हेतु संपर्क करें
बिट्टू सिंह
सचिव / प्रचार्य
राजमुनी देवी बी.एड. कॉलेज
मो. 7739634587, 7903575906